य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 20 | अंक 196 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | नई दिल्ली, बुधवार, 05 फरवरी, 2025 | माघ शुक्ल पक्ष अष्टमी, संवत् 2081

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

आज के अंक के साथ **परिवार** आप खुद दें इसे चुनौती, तभी समाज में आएगा...

बुमराह की चोट ने बढ़ाई मुश्किलें, चैंपियंस ट्रॉफी से हो सकते हैं बाहर
@स्पोर्ट्स &गेमिंग

कांग्रेस में कुर्सी की जंग, भाजपा में येड्डी का दबदबा खत्म करने की
@इंडिया&वर्ल्ड

महाकुंभ : अमरीका की जनसंख्या से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी
@यूपी-बिहार

विधानसभा चुनाव

दिल्ली में मतदान आज, एग्जिट पोल शाम को जारी होंगे

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान होगा। मतदान खत्म होने के बाद शाम को एग्जिट पोल जारी किए जाएंगे। वोटों की गिनती आठ फरवरी को होगी। विधानसभा की 70 सीटों के लिए 699 प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदान से पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री आतिशी और उनके समर्थकों के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन से आरोप में एफआइआर दर्ज की गई। इसी तरह की एफआइआर भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी के बेटे मनीष बिधूड़ी के खिलाफ भी दर्ज हुई है।

संबंधित समाचार @ दिल्ली प्राइम

न्यूज विंडो

कूनो में किलकारी, 2 चीता शावक आए

श्योपुर@पत्रिका. मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता वीरा ने दो शावकों को जन्म दिया है। अब पार्क में चीतों की संख्या 26 हो गई है। केंद्रीय वनमंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर यह खबर साझा करते हुए लिखा, नन्हे चीतों की किलकारी से फिर गूंजा कूनो.. मध्य प्रदेश की धरती पर चीतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

मोदी आज महाकुंभ में लगाएंगे डुबकी

नई दिल्ली@ पत्रिका. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पवित्र स्नान करेंगे। वह अरैल घाट से गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के पवित्र संगम तक नाव की सवारी करेंगे। मोदी संतों से बातचीत के अलावा महाकुंभ में तीर्थयात्रियों के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा भी करेंगे। वह एक घंटे महाकुंभ स्थल पर रहेंगे।

ट्रंप का मिशन डिपोर्टेशन : बगैर दस्तावेज रह रहे भारतीयों की विदाई शुरू

अमरीकी सैन्य विमान 205 अवैध प्रवासियों को लेकर भारत रवाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन/नई दिल्ली. अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 'मिशन डिपोर्टेशन' के तहत अमरीका से अवैध भारतीय प्रवासियों की विदाई शुरू हो गई है। अमरीकी सेना के विमान सी-17 ने मंगलवार तड़के ऐसे 205 प्रवासी भारतीयों को लेकर सैन एटेनियो से भारत के लिए उड़ान भरी। विमान जर्मनी के रैमस्टिन में ईंधन भरने के लिए उतर सकता है। इसके 24 घंटे में अमृतसर में लैंड करने की संभावना है। ट्रंप प्रशासन के मुताबिक प्रवासियों को भेजने से पहले एक-एक की जांच की गई।

ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालने के बाद अमरीकी इतिहास में सबसे बड़े निर्वासन अभियान का ऐलान किया था। देशभर में अवैध प्रवासियों की धरपकड़ के लिए सेना की मदद ली जा रही है। जगह-जगह गिरफ्तारियां कर प्रवासियों को स्वदेश भेजा जा रहा है। कुछ दिन पहले अवैध प्रवासियों को सेना के विमानों से ग्वाटेमाला, पेरु व होंडूरास भेजा जा चुका है। अब भारत का नंबर है। अमरीका के इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट (आइसीई)) ने 15 लाख अवैध प्रवासियों की प्रारंभिक सूची तैयार की है। इनमें 18,000 भारतीय शामिल हैं। भारत सरकार कह चुकी है अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें वापस लेने के लिए वह ट्रंप प्रशासन के साथ काम करने को तैयार है।

शेष@पेज03

किन-किन को माना जाता है अवैध प्रवासी

1 अमरीका में उन्हें अवैध प्रवासी माना जाता है, जो **अवैध तरीके से अमरीका में घुसते हैं और वीजा नियमों का उल्लंघन करते हैं।** ऐसे लोग आधिकारिक प्रवेश से गुजरे बिना आते हैं। खासकर मैक्सिको या कनाडा से लोग समुद्री सीमा लांघकर अमरीका पहुंचते हैं।

2 ऐसे लोग जो वैधानिक रूप से प्रवेश करते हैं, लेकिन **वीजा की मियाद से अधिक समय तक रुकते हैं, उन्हें भी अवैध प्रवासी माना जाता है।** अमरीका में हाल के साल में इनकी संख्या बढ़ी है। बिना दस्तावेजों वाली आबादी में इनका बड़ा हिस्सा है।

3 जो लोग **पैरोल की अवधि खत्म होने पर जेल नहीं लौटते, उन्हें भी अवैध प्रवासी माना जाता है।** अमरीकी कानूनों के मुताबिक ऐसे लोग जिनके पास कभी अमरीका में रहने का कानूनी अधिकार था, लेकिन जिन्होंने दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया, वे भी अवैध प्रवासी हैं।

इधर... भारत में भी घुसपैठियों का मामला

निर्वासन के लिए क्या मुहूर्त का इंतजार है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने विदेशी घोषित लोगों को निर्वासित नहीं करने और उन्हें अनिश्चितकाल तक हिरासत केंद्रों में रखने के लिए मंगलवार को असम और केंद्र सरकार को फटकार लगाई। शीर्ष कोर्ट ने असम सरकार से पूछा कि क्या वह इन्हें डिपोर्ट करने के लिए किसी मुहूर्त का इंतजार कर रही है। कोर्ट ने असम के हिरासत केंद्रों में रखे गए 63 लोगों का दो हफ्ते में निर्वासन शुरू करने का निर्देश देते हुए कहा कि डिटेंशन कैंपों में अनिश्चितकालीन हिरासत बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान असम सरकार ने दलील दी कि निर्वासन संभव नहीं है, क्योंकि अवैध अप्रवासियों के मूल देश के पते ज्ञात नहीं हैं। अदालत ने असम को हर 15 दिन में राज्य में हिरासत केंद्रों का दौरा करने के लिए अधिकारियों की समिति गठित करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

2,467 इमिग्रेशन के डिटेंशन कैंप में बंद

आइसीई के मुताबिक नवंबर 2024 तक 'बगैर दस्तावेजों' या 'अधूरे दस्तावेजों' वाले 20,407 भारतीय थे। इन पर ही ट्रंप प्रशासन की पैनी नजर है। इनमें से 2,467 भारतीय यूएस इमिग्रेशन के डिटेंशन कैंप में बंद हैं। अमरीका 17,940 भारतीयों को बगैर दस्तावेजों वाला बताता है। उसने पिछले साल 1,529 अवैध प्रवासी भारतीयों को वापस भेजा था। अमरीका में ज्यादातर प्रवासी भारतीय पंजाब और गुजरात के हैं।

धन्यवाद प्रस्ताव : पीएम मोदी का विपक्ष के आरोपों पर जवाब

'उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को कष्ट में छोड़ा, हमने दिया हक'

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संविधान पर सरकार को घेरने की विपक्ष की रणनीति पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो लोग संविधान की किताब पॉकेट में लेकर चलते हैं, उन्होंने देश की मुस्लिम महिलाओं को कष्ट में जीने के लिए छोड़ दिया था। हमारी सरकार ने उन्हें उनका हक दिलाया। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने अपनी उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि किस तरह सरकार ने संवैधानिक मूल्यों को ध्यान में रखकर गरीबों, दलितों और पिछड़ों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

पीएम मोदी ने डेढ़ घंटे से भी अधिक के अपने संबोधन में उन सारे मुद्दों को छुआ जिन पर विपक्ष और खासकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सरकार पर हमलावर रहे। मोदी ने कई मौकों पर कटाक्ष किया और नाम लिए बिना गांधी-नेहरू परिवार को निशाने पर रखा। उन्होंने एक-एक कर गरीबों, दलितों और पिछड़ों के जीवन स्तर को उठाने के लिए किए गए प्रयासों का जिक्र किया और कहा कि पांच दशक तक हम गरीबी हटाओ के नारे सुनते रहे। आज 25 करोड़ गरीब गरीबी को परास्त कर उससे ऊपर उठ गए हैं।

शेष@पेज03

लोकसभा में जवाब देते प्रधानमंत्री मोदी।

'कुछ लोग बोल रहे हैं अर्बन नक्सल की भाषा'

एक समय में एक ही एसटी परिवार के तीन सांसद हुए?

विपक्षी नेताओं पर कटाक्ष

राजीव गांधी ठेले पर लाते थे हवाई जहाज

■ ***राहुल गांधी पर:*** मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को 'बोरिंग' बताने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर तंज कसते हुए कहा, जो लोग झुग्गी-झोपड़ियों में फोटो सेशन कराकर अपना मनोरंजन करते रहते हैं, उन्हें संसद में गरीबों पर चर्चा बोरिंग लगेगी।

■ ***अरविंद केजरीवाल पर:*** मोदी ने शीशमहल का जिक्र करते हुए आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का फोकस आलीशान घरों में जकूजी और शॉवर पर है। फोकस घर के स्टाइलिश बाथरूम पर है। हमारा फोकस तो 'हर घर नल से जल' पहुंचाने पर है।

■ ***राजीव गांधी पर:*** मोदी ने कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण के एक कार्टून का जिक्र किया और कहा कि उन्होंने ठेले पर हवाई जहाज रखने का कार्टून बनाया था जो आज सही साबित हो रहा है। तबके प्रधानमंत्री सिर्फ हवाई बातें करते थे। 21वीं सदी की बात करते थे, लेकिन 20वीं सदी की जरूरत को ही पूरा नहीं कर पा रहे थे।

■ ***जवाहरलाल नेहरू पर:*** मोदी ने कहा, अमरीकी विदेश नीति विशेषज्ञ ब्रूस रिडेल की 'जेएफके फॉरगॉटन क्राइसिस' किताब जरूर पढ़ें। इससे नेहरू की विदेश नीति के 'खेलों' का पता चलता है। यह पुस्तक कैनेडी के समय के राजनीतिक व कूटनीतिक स्थितियों पर प्रकाश डालती है।

नेहरू की जैकी से बात करने में ज्यादा रुचि थी पढ़ें@पेज12

चुनौती : अदालत ने केंद्र सरकार से मांगा हलफनामा, कोर्ट करेगा परीक्षण

'नोटा' मौजूद है तो निर्विरोध चुनाव कैसे?

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा-विधानसभा चुनाव में किसी सीट पर एक ही उम्मीदवार होने पर भी यदि मतदाता के पास नोटा (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प मौजूद है तो संबंधित प्रत्याशी का मतदान कराए बिना निर्विरोध निर्वाचन कैसे हो सकता है? एक जनहित याचिका (पीआइएल) में उठाए गए इस सवाल का सुप्रीम कोर्ट परीक्षण करेगा। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन.कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सोमवार को इस मामले में केंद्र सरकार से जवाबी हलफनामा मांगा है।

शेष@पेज03

सूरत में निर्विरोध चुनाव

लोकसभा चुनाव में सूरत सीट पर भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। देश में अब तक लोकसभा और विधानसभा चुनावों में 258 लोग निर्विरोध सांसद या विधायक बने हैं।

झरोखा

लोकतंत्र में हम साथ-साथ: सदन में जो हुआ सो हुआ...

नई दिल्ली. राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच सदन के भीतर पिछले कुछ समय से तीखी नोक-झोंक चल रही है। इस बीच, स्वस्थ लोकतंत्र की बानगी बयां करती ये तस्वीर सामने आई। एक में मंगलवार को सदन के बाहर खरगे तो दूसरे में यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ धनखड़ सौहार्द और सम्मान के साथ भेंट करते दिख रहे हैं। जैसे कह रहे हों- सदन में जो हुआ सो हुआ... लोकतंत्र में तो हम साथ-साथ ही हैं।
फोटो@पत्रिका

पत्रिका रक्षा कवच | अपराधों के विरुद्ध महिला सुरक्षा अभियान

महिला सुरक्षा पर आज फेसबुक लाइव

'पत्रिका रक्षा कवच: महिला सुरक्षा' अभियान के तहत पत्रिका के **फेसबुक पेज पर आज हम लाइव रहेंगे दोपहर 1 से 2 बजे तक।** इस दौरान महिला मुद्दों की जानकार और **पत्रिका की संडे वुमन गेस्ट एडिटर शमशाद बेगम के साथ चर्चा करेंगे।** फेसबुक लाइव के दौरान महिलाओं के प्रति हिंसा के मामले कैसे कम हों, इस पर बात होगी। **आप भी इस फेसबुक लाइव का हिस्सा बनें।** आप इस मुद्दे पर सवाल भी पूछ सकते हैं और अनुभव भी बता सकते हैं। फेसबुक पर Patrika Hindi News टाइप कीजिए और पत्रिका के पेज पर 'लाइव' से जुड़िए।

बॉलीवुड

ट्रेंडिंग न्यूज

डीपफेक वीडियो से माधवन खा गए धोखा

मुंबई@पत्रिका. अभिनेता आर. माधवन एक डीपफेक वीडियो से धोखा खा गए। उन्होंने फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो व क्रिकेटर विराट कोहली का वीडियो साझा किया था। विराट की पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने उन्हें संदेश भेजा कि वीडियो फर्जी है। इसे एआइ से क्रिएट किया गया।

नई परेशानी : 10 में से 7 रोगियों में मिल रही कर्व लॉस की समस्या

सोशल मीडिया और रील्स की लत... मोबाइल व लैपटॉप के लंबे इस्तेमाल से झुक रही गर्दन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. घंटों मोबाइल और लैपटॉप के इस्तेमाल से नई पीढ़ी की गर्दन आगे की ओर झुक गई। सोशल मीडिया और रील्स की लत ने इस मुश्किल को और बढ़ा दिया।

हाल ही भोपाल के डॉक्टरों के अध्ययन में सामने आया कि स्क्रीन वाले डिवाइस पर घंटों गर्दन झुकाकर समय बिताने से गर्दन व कमर दर्द के साथ सुन्नपन, भारीपन, आगे झुकने और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

शेष@पेज03

यह है प्रमुख कारण

- **घंटों** तक एक ही अवस्था में मोबाइल में व्यस्त रहना
- **गलत** ढंग से बैठकर डिस्पले डिवाइस का उपयोग करना
- **घंटों** तक बैठे या लेटे हुए गर्दन झुकाकर मोबाइल देखना

ऐसे करें बचाव

- **मॉर्निंग** वॉक
- **चिन** अप एक्सरसाइज
- **बैक** एक्सटेंशन एक्सरसाइज

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ■ अलवर ■ अहमदाबाद ■ इंदौर ■ उज्जैन ■ उदयपुर ■ कोटा ■ कोलकाता ■ खंडवा ■ ग्वालियर ■ चेन्नई ■ छिंदवाड़ा ■ जगदलपुर ■ जबलपुर ■ जयपुर ■ जोधपुर ■ झुंझुनूं ■ दिल्ली ■ नागौर ■ नर्मदापुरम ■ पाली ■ बाड़मेर ■ बांसवाड़ा ■ बिलासपुर ■ बीकानेर ■ बेंगलूरु ■ भरतपुर ■ भिलाई ■ भीलवाड़ा ■ भोपाल ■ रतलाम ■ रायपुर ■ सतना ■ सागर ■ सीकर ■ सूरत ■ शहडोल ■ श्रीगंगानगर

आज विधानसभा चुनाव के चलते बंद रहेगा मेला

विश्व पुस्तक मेला : खेल-खेल में मिल रहा ज्ञान का पिटारा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

पत्रिका के स्टाल पर कार्टून बनाने की कला सीखने के लिए पहुंचे बच्चे और अन्य लोग।

नई दिल्ली. प्रगति मैदान में चल रहे अंतरराष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में पहुंचने वाले लोग और बच्चों को पुस्तकों के साथ खेल-खेल में ज्ञान का पिटारा मिल रहा है। वहीं दिल्ली विधानसभा के मतदान के चलते बुधवार को मेला बंद रहेगा।

पुस्तक महोत्सव में **पत्रिका** और एनबीटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित क्रिएटिव कॉर्नर में आगंतुकों को कैरीकेचर और कार्टून डिजाइन के बारे में बताया जा रहा है। पत्रिका के आर्टिस्ट शिरीष ने लोगों को इस कार्टून बनाने की विधा की बारीकियों से अवगत करवाया। क्रिएटिव कॉर्नर सेक्शन में सभी आयु वर्ग के लोग उत्साह दिखा रहे हैं।

9 फरवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम में रोजाना विजीटर्स को कार्टून और कैरीकेचर के बारे मे जानकारी दी जाएगी।

वहीं महोत्सव में भारत के संविधान के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। पॉकेटबुक-स्टाइल संस्करणों से लेकर कॉफी टेबल बुक-स्टाइल हार्डबाउंड प्रतियों में मिल रही हैं। यहां ज़रूरत के हिसाब से संविधान की प्रति ली जा सकती है। वहीं बच्चों को डूडल बनाना, कैलीग्राफी, हैंडराइटिंग जोन में लिखना, पपेट बनाना समेत अन्य दूसरी आर्ट-क्राफ्ट की गतिविधि करवाई जा रही है।

कल से मेला रात नौ बजे तक चलेगा : मेला छह से नौ फरवरी तक पहले से अधिक समय के लिए सुबह 10 बजे से रात नौ बजे तक संचालित होगा।

दर्शकों को भ्रामक सामग्री से बचाने के लिए मेंटरशिप, फंडिंग और 10 लाख के पुरस्कार

लाइव प्रसारण में गलत सूचना से निपटने के लिए एआई समाधान पेश करेगा वेव्स 2025

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के तहत ट्रुथ टेल हैकाथॉन को मिले 5,600 से अधिक वैश्विक पंजीकरण

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने लाइव प्रसारण के दौरान फेक न्यूज से निपटने के लिए एआई संचालित समाधान पेश करने की दिशा में अहम पहल की है। मंत्रालय ने इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीइए) के साथ मिलकर ट्रुथटेल हैकाथॉन चैलेंज की घोषणा की है। यह हैकाथॉन, वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) के सीजन 1 का हिस्सा है। यह चैलेंज लाइव ब्रॉडकास्टिंग में गलत सूचना से निपटने के लिए एआई-संचालित समाधान विकसित करने के उद्देश्य से अग्रणी पहल है।

दरअसल, कई बार लाइव प्रसारण के दौरान गलत सूचनाएं तेज़ी से फैलती हैं। ऐसे में वास्तविक समय में झूठी सूचना का पता लगाना प्रसारकों, पत्रकारों और दर्शकों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण चुनौती है। इसके लिए यह पहल हुई है।

ट्रुथटेल हैकाथॉन चैलेंज 10 लाख रुपए के पुरस्कार पूल के साथ, हैकाथॉन डेवलपर्स, डेटा वैज्ञानिकों और मीडिया पेशेवरों से वास्तविक समय में गलत सूचना का पता लगाने और तथ्य सत्यापन के लिए एआई-संचालित उपकरण बनाने का आह्वान करता है। जीतने वाली टीमों को प्रमुख तकनीकी पेशेवरों से नकद पुरस्कार, मेंटरशिप के अवसर और इनक्यूबेशन सहायता मिलेगी। फिलहा हैकाथॉन में गहरी रुचि देखी गई है, विश्व स्तर पर 5,600 से अधिक पंजीकरण हुए हैं, जिनमें 36 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है।

मुख्य उद्देश्य

- लाइव प्रसारण में सूचना का वास्तविक समय पर पता लगाने और सत्यापन के लिए एआई-संचालित उपकरण विकसित करना।
- मीडिया परिदृश्य में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ाना।
- समाचार रिपोर्टिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग को बढ़ावा देना।

हैकाथॉन चरण और प्रमुख तिथियां

- **प्रोटोटाइप जमा करने की अंतिम तिथि:** 21 फरवरी 2025
- **अंतिम प्रस्तुतियां:** मार्च 2025 के अंत में
- **विजेताओं का प्रदर्शन:** वेव्स शिखर सम्मेलन 2025

2024 में औसतन 21 से 23 घंटे हुई बिजली आपूति

सौभाग्य योजना से रोशन किए गए 2.86 करोड़ घर : राठौड़

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केन्द्र सरकार की सौभाग्य योजना के तहत अब तक 2.86 करोड़ घरों को बिजली से रोशन किया गया है। इसके साथ ही दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना के माध्यम से देशभर में 18 हजार 374 गांवो तक बिजली पहुंचाई गई है। यह जानकारी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ की ओर से पूछे गए अतारांकित प्रश्न के जवाब में दी गई। राठौड़ ने कहा कि केन्द्र सरकार देश को बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही हर घर को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने की दिशा में काम कर रही है। इसके चलते वर्ष 2024 में देशभर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में औसतन बिजली सप्लाई भी 21.9 से 23.4 घंटे रही है।

इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि 2014 जब उन्होंने पीएम की कुर्सी संभाली थी तो देश में कुल बिजली उत्पादन 230 गीगावाट था, जो अब बढकर 462 गीगावाट हो गया है। जिससे देश बिजली की कमी से मुक्त होकर पर्याप्त उपलब्धता की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के दूरगामी निर्णयों के चलते आने वाले वर्षो में भारत बिजली उत्पादन में विश्व में अग्रणी स्थान पर होगा। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू हो गई है।

वर्ष 2032 तक देश में तापीय बिजली के उत्पादन में 80 हजार मेगावाट की बढोतरी हो जाएगी। जिसके तहत वर्ष 2023-24 में 19 हजार 200 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए अनुबंध दे दिए गए हैं। वहीं जलविद्युत उत्पादन में वर्ष 2032 तक 50 हजार 760 मेगावाट की बढोतरी होगी। इसके अलावा नवीकरणीय उर्जा के उत्पादन पर भी जोर दिया जा रहा है जो भविष्य के लिए क्रांतिकारी कदम साबित होगा।

कांग्रेस के मजबूती से चुनाव लड़ने से आप-भाजपा में कांटे की लड़ाई

दिल्ली : इवीएम में आज बंद होगा 699 उम्मीदवारों का भविष्य

8 फरवरी को आएगा 'जनादेश'

महिलाएं, फर्स्ट टाइमर और स्विंग वोटर्स की रहेगी अहम भूमिका

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. दिल्ली के विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान होगा। इसके साथ ही यहां की 70 सीटों पर चुनाव लड़ रहे 699 उम्मीदवारों का भविष्य इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (इवीएम) में बंद हो जाएगा। वहीं इसका नतीजा 8 फरवरी को मतगणना के बाद आएगा। इस चुनाव में कांग्रेस के मजबूती से चुनाव लडने से आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच जीत के लिए कांटे की लड़ाई हो गई है।

दरअसल, आप दिल्ली में लगातार चौथी बार सत्ता हासिल करने के लिए चुनाव मैदान में डटी हुई है। वहीं भाजपा यहां वापसी की तलाश में है। जबकि कांग्रेस अपनी खोई जमीन तलाश रही है। दिल्ली में 1 करोड़ 56 लाख 14 हजार मतदाता है। इनमें से करीब 5 लाख मतदाताओं के नाम लोकसभा चुनाव के बाद मतदाता सूची में जुड़े हैं। इसी तरह 72 लाख 36 हजार 560 महिला मतदाता हैं। इनके अलावा करीब 13 फीसदी स्विंग मतदाता हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में स्विंग मतदाताओं ने ने आप की झोली में भारी बहुमत डाला था। इस बार यह तीन वर्ग चुनाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

की-वोटर्स साबित हुई हैं महिलाएं

मध्यप्रदेश, झारखंड व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में महिला वोटर्स ने चुनाव नतीजों की तस्वीर बदल कर रख दी। यही वजह है कि दिल्ली में आप, भाजपा व कांग्रेस ने महिलाओं को लुभाने के लिए किसी भी दल ने कसर नहीं छोड़ी है।

कांग्रेस तलाश रही जमीन

कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक की अवधारणा से बाहर जाकर दिल्ली चुनाव में अपनी ताकत लगा दी है। आप के साथ गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने चुनाव में अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेताओं पर गंभीर आरोप तक लगाए। दरअसल, कांग्रेस के वोटों की कीमत पर आप ने दिल्ली में सत्ता हासिल की थी। यदि कांग्रेस के पास इनमें से 10 से 15 फीसदी वोट भी वापस आ गए तो आप को परेशानी हो सकती है।

फैक्ट फाइल

कुल सीटें-70

कुल उम्मीदवार	699
कुल मतदान केन्द्र	13766
कुल मतदाता	15614000
पुरुष मतदाता	8376173
महिला मतदाता	7236560
थर्ड जेंडर	1267

2020 चुनाव नतीजे

कुल सीटें-70

दल	सीटें	वोट %
आप	63	53.57
भाजपा	07	38.51
कांग्रेस	00	4.26

लोकसभा चुनाव से 16 फीसदी कम मिले थे भाजपा को वोट

लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा ने सातों सीट जीतकर 56.86 वोट हासिल किए थे। जबकि कांग्रेस को करीब 22 फीसदी और आप को 18 फीसदी वोट मिले थे। इस चुनाव के कुछ महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में तस्वीर बदल गई। भाजपा का करीब 16 फीसदी और कांग्रेस का करीब 18 फीसदी वोट कम हो गया। वहीं आप का वोट 18 से बढ़कर 53 फीसदी को पार कर गया। इसी तरह 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर 54 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए हुए हैं। जबकि आप व कांग्रेस गठबंधन को करीब 44 फीसदी वोट मिले थे।

पत्रिका
विस्तृत खबरों और फोटोग्राफ्स के लिए देखें...
patrika.com

बाड़मेर सांसद ने लोकसभा में उठाया मामला

सांसद निधि राशि 50 करोड़ रुपए की जाए : उम्मेदाराम

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने कहा कि सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना तहत सांसदों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यो के लिए प्रत्येक प्रति वर्ष 5 करोड़ रुपए की जगह 50 करोड़ रुपए आवंटित होना चाहिए। उम्मेदाराम ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद की चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग रखी। उन्होंने कहा कि सांसद निधि की राशि बेहद कम है। सांसद अपने क्षेत्र के प्रत्येक गांव में साठ हजार रुपए भी खर्च नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा कि जल जीवन योजना का 10 प्रतिशत भी कार्य पूरे नहीं हो पाए हैं, सरकारी लाखों करोड़ रुपए बजट की बर्बादी के अलावा कुछ नहीं हैं। बाड़मेर जिले में तो ग्रामीण क्षेत्रों में नई पाइपलाइन बिछाई ही नहीं पुरानी पाइपलाइन पर ठेकेदार पेमेंट उठा रहे हैं।

मेघवाल हत्याकांड का मुद्दा उठाया

सांसद ने कहा कि बालोतरा के मजदूर विशनाराम मेघवाल की दिन दहाड़े हत्या हो जाती हैं और उसका हत्यारा आज दिन तक पुलिस की पकड़ से दूर है। इससे कानून व्यवस्था की हकीकत पता चल रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट

वनों की पहचान का मामला, केंद्र-राज्यों को निर्देश

वैकल्पिक जमीन दिए बिना वन भूमि के इस्तेमाल पर रोक

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि वृक्षारोपण के लिए वैकल्पिक जमीन दिए बिना वन भूमि के इस्तेमाल का कोई कदम नहीं उठाया जाए। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के.विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि अगले आदेश तक केंद्र या कोई भी राज्य द्वारा ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे वन भूमि कम हो।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल चर्चित गोदावर्मन मामले में दी गई परिभाषा के आधार पर जंगल की जमीन चिन्हित कर रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए थे। इससे अलग सरकारी रिकॉर्ड में वन के रूप में दर्ज भूमि की पहचान करने की प्रक्रिया वन संरक्षण संशोधन कानून, 2023 तहत चल रही है।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान सेवानिवृत्त वन सेवा अधिकारियों की ओर से कहा गया कि मामला लंबित रहने के दौरान वैकल्पिक भूमि का उपयोग किए जाने के कारण वन भूमि कम हो रही है। तक मामला लंबित है, प्राधिकारियों द्वारा प्रतिपूरक वनरोपण के लिए वन भूमि का उपयोग किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वन भूमि क्षेत्र में कमी आ रही है।

जब तक वनों की पहचान नहीं हो जाती, तब तक सुरक्षा होनी चाहिए। इस पर बेंच ने केंद्र सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा और निर्देश दिया कि ऐसा कोई काम नहीं करें जिससे वन क्षेत्र में कमी आए।

राज्यसभा में उठाया भांकरोटा सड़क दुर्घटना का मामला

राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना के कारण बनने वाले यू-टर्न को बंद कराएं : तिवाड़ी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना के कारण बनने वाले यू-टर्न का चयन कर उन्हें बंद करने का सुझाव दिया। ऐसे स्थानों पर वैकल्पिक रास्तों का निर्माण करना चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके। दरअसल, जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए टैंकर के जलने से कई लोगों की मौत होने व कई वाहनों के जलने की घटना को तिवाड़ी ने मंगलवार को राज्यसभा में उठाया। तिवाड़ा ने कहा कि ज्वलनशील व अति-ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन के लिए उचित प्रबंधन व संभावित खतरों और उनकी रोकथाम के बारे में इससे जुड़े कर्मचारियों/व्यक्तियों को प्रशिक्षण देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली-अजमेर बायपास पर गैस से भरे टैंकर के ब्लास्ट के कारण काफ़ी संख्या में जान माल की हानि हुई। इस घटना में कई निर्दोषों की जान गई। इस हादसे में 4 लोग तो मौके पर ही जिंदा जल गए थे। 8 लोगों ने उसी दिन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। हादसा इतना भीषण था कि 5 शवों की पहचान डीएनए सैंपल से की गई। तिवाड़ी ने कहा कि इस प्रकार की घटना से सामाजिक स्थिति के साथ सरकार की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसी घटनाओं का मुख्यत: कारण ट्रैफिक को सुचारु रूप से क्रियान्वयन नहीं किया जाना है। जिस स्थान पर यह घटना हुई वहां राष्ट्रीय राजमार्ग पर दूसरी तरफ़ जाने के लिए यू टर्न था वहां गैस टैंकर के यू टर्न के दौरान दूसरे अनियंत्रित वाहन के कारण हादसा हुआ।

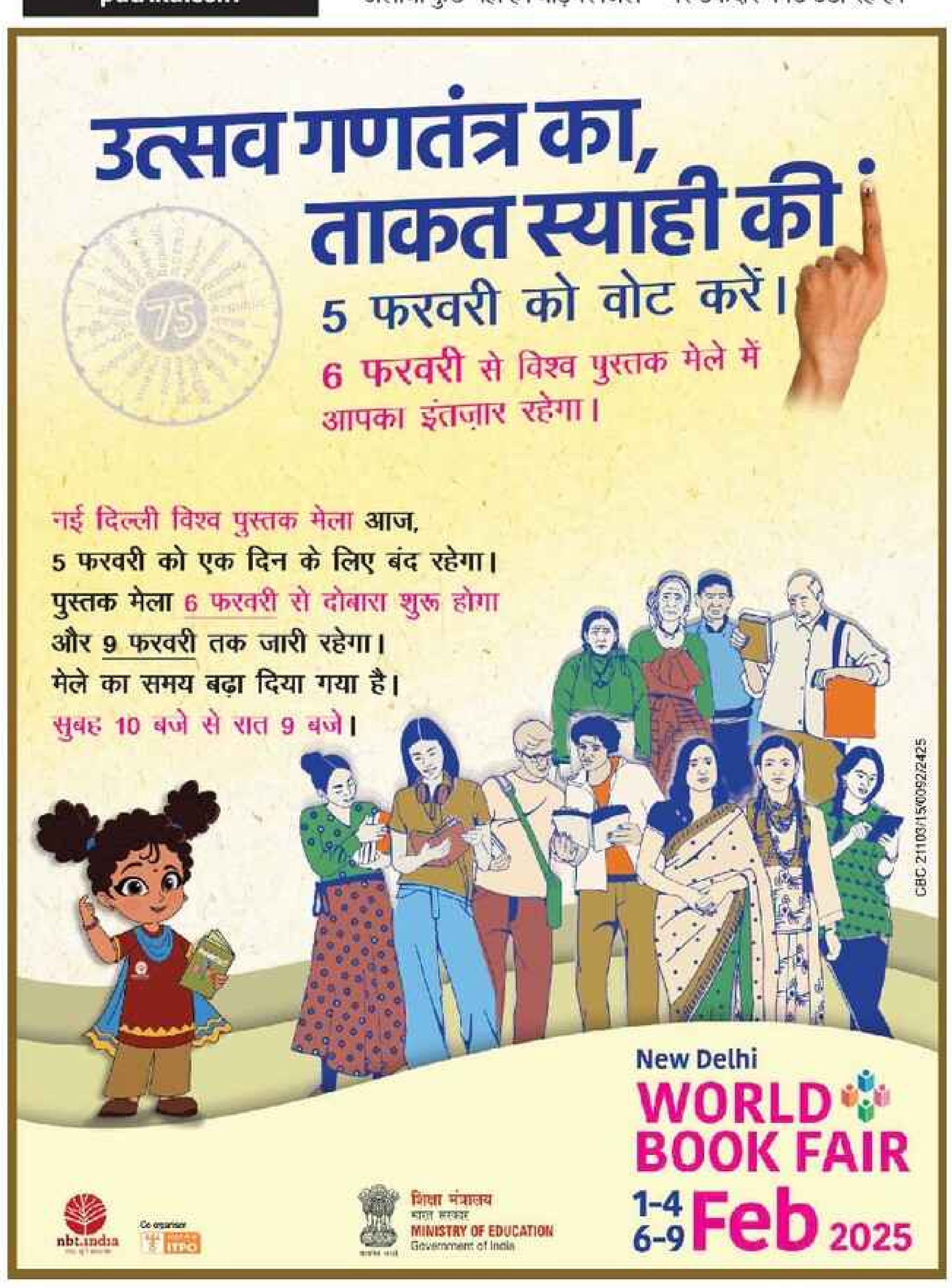

पेपर लीक मामले में भाजपा ने कांग्रेस से किया समझौता, मगरमच्छों को नहीं पकड़ा

नई आबकारी नीति से बढ़ेगा माफिया राज, कमलेश हत्याकांड में फंसे नेताओं के खिलाफ जांच हो तेज : हनुमान बेनीवाल

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर से लोक सभा सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार की नई आबकारी नीति से माफिया राज बढ़ेगा। वहीं कमलेश हत्याकांड में कुछ नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, जिनके खिलाफ सीबीआई की जांच तेज होनी चाहिए। बेनीवाल ने एक बार फिर पेपर लीक का मामला उठाते हुए इसमें भाजपा व कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए बड़े दोषियों को रियायत देने का आरोप लगाया। बेनीवाल ने यह बातें मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लेते कहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से कहा कि राजस्थान की नई आबकारी नीति एकाधिकार और माफिया राज हावी होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार में बैठे लोगों ने शराब माफियाओं से सांठगांठ की है? उन्होंने कहा कि राजस्थान के बहुचर्चित मनोहर राजपुरोहित अपहरण की जांच हाईकोर्ट के निर्देश के बाद भी सीबीआई ने शुरू नहीं की।

बाड़मेर जिले के बहुचर्चित कमलेश प्रजापत फर्जी एनकाउंटर की जांच में सीबीआई ने किसके खिलाफ क्या कार्यवाही की, अब तक किसी को मालूम ही नहीं चला। बेनीवाल ने कहा देश के किसानों पर 33 लाख करोड़ रुपए का कृषि कर्ज बकाया है। सरकार को बड़ा दिल दिखाते हुए इसे माफ करना चाहिए।

भर्ती परीक्षा नहीं हो रही रद्द

बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान में पुलिस उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर पेपर लीक होने के प्रमाण मिलने के बावजूद भाजपा सरकार इस भर्ती को रद्द नहीं कर रही है। भर्ती घोटालों की जांच सीबीआई से करवाने का वादा भाजपा भुला चुकी है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन भगदड़ में मारे गए लोगों के सही आंकड़े जारी कर दोषी अफसरों पर कार्रवाई की मांग की।

पोलमपोल भायो

मुरधर भारी माफिया, नकल-लीक का लोग।
घुस बैठ्या छै तन्त्र में, लाइलाज बण रोग!!

सरकार का फोकस: छोटे जिलों के नए पर्यटन स्थलों को दुनिया की निगाह में लाने की योजना

वन डिस्ट्रिक्ट-वन डेस्टिनेशन से छोटे जिलों में बढ़ेगा पर्यटन-रोजगार

पुनीत शर्मा
patrika.com

जयपुर. राजस्थान में पर्यटन जयपुर, अजमेर, जोधपुर जैसे बड़े जिलों तक सिमट कर रह गया है। लिहाजा पर्यटन विभाग अब छोटे जिलों के अनदेखे पर्यटन स्थलों पर भी फोकस कर रहा है।

मकसद यह है कि ये जिले भी दुनिया के नक्शे पर टूरिज्म में पहचान बना सकें। इसके लिए विभाग ने वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन स्कीम के तहत जयपुर, अजमेर, जोधपुर, भरतपुर जिलों के साथ छोटे जिलों से भी एक-एक पर्यटन स्थल का चयन किया है। इन जिलों में पर्यटन स्थलों के विकास की योजना पर भी विभाग में शीर्ष स्तर पर मंथन शुरू हो गया है। पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे जिलों के पर्यटन स्थलों का विकास और प्रचार-प्रसार होने से वहां भी पर्यटक जाएंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर समेत कई छोटे जिलों से पर्यटन स्थल चयनित

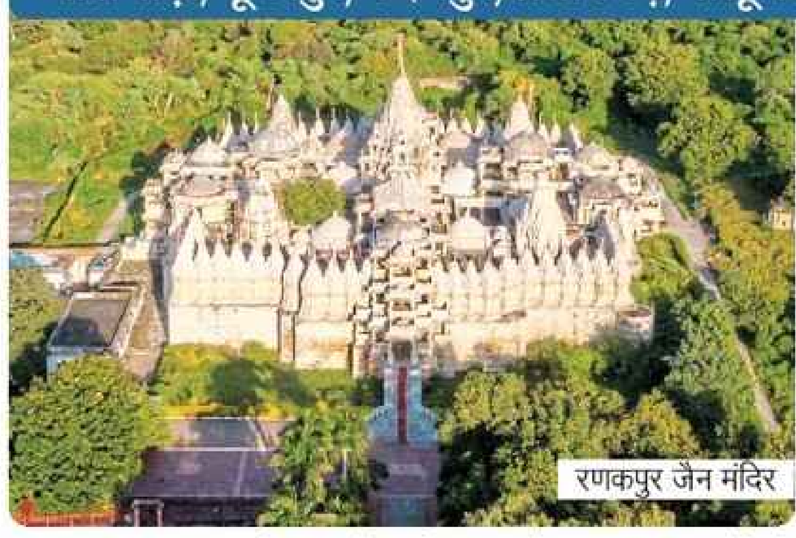
रणकपुर जैन मंदिर

इन जिलों में चयन

झुंझुनूं	लोहार्गल धाम
जोधपुर	मेहरानगढ़ पाली-रणकपुर टैंपल
बांसवाड़ा	त्रिपुरा सुंदरी
डूंगरपुर	बेणेश्वर धाम
उदयपुर	फतेहसागर और पिछोला झील
सलूंबर	जयसंमद झील
प्रतापगढ़	सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य
चित्तौड़गढ़	चित्तौड़ का किला
राजसमंद	श्रीनाथ जी मंदिर
बूंदी	रामगढ़ टाइगर रिजर्व
सीकर	खाटूश्याम, हर्षनाथ भैरव मंदिर और जीणमाता मंदिर

छोटे जिलों में भी अनदेखे पर्यटन स्थल हैं जहां पर्यटक पहुंच ही नहीं रहे हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन स्कीम से नए पर्यटन स्थल देश-दुनिया के सामने आएंगे तो राजस्थान पर्यटन की नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। - **भगत सिंह लोहागढ़,** पर्यटन मामलों के जानकार

अकेले जयपुर पहुंचे 60 लाख पर्यटक

बीते साल 31 दिसंबर तक राजस्थान में प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्थित स्मारकों पर 74 लाख से ज्यादा पर्यटक आए। इनमें से 80 प्रतिशत यानि 60 लाख पर्यटक अकेले जयपुर में आए। अन्य जिलों में केवल 14 लाख पर्यटक ही पहुंचे। कई जिले ऐसे थे जहां पूरे साल में 500 पर्यटक भी नहीं पहुंचे।

राजस्थान हाईकोर्ट ने किया स्पष्ट

संपत्ति की जरूरत तय करना मकान मालिक का अधिकार

जोधपुर. राजस्थान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि किराए की संपत्ति की वास्तविक आवश्यकता का निर्धारण मकान मालिक के दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए। यह सुझाव देना या दर्शाना किरायेदार के अधिकार क्षेत्र में नहीं है कि मकान मालिक को किराए के परिसर की वास्तविक आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह मकान मालिक का अधिकार है कि वह यह तय करे कि किराए की संपत्ति का उपयोग कब और कैसे किया जाए। न्यायाधीश विनित कुमार माथुर की एकल पीठ ने एक किरायेदार की ओर से अपील किराया न्यायाधिकरण के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। अपीलीय न्यायाधिकरण ने मकान मालिक की ओर से दायर बेदखली याचिका को स्वीकार कर लिया था, जबकि किराया न्यायाधिकरण ने मकान मालिक की याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन अपील में मकान मालिक के पक्ष में निर्णय आया। याचिकाकर्ता किरायेदार ने 1995 से पहले एक दुकान किराए पर ली थी। वर्ष 1995 में मकान मालिक ने दुकान खरीद ली और किरायेदार को बेदखल करने के लिए आवेदन दायर किया। किरायेदार ने अदालत में दलील दी कि मकान मालिक के पास पहले से ही कई दुकानें उपलब्ध हैं, इसलिए उसकी ओर से किराए की संपत्ति की आवश्यकता का दावा सही नहीं है। दूसरी ओर, मकान मालिक ने कहा कि उसे अपने व्यावसायिक कार्यों के लिए दुकान की आवश्यकता है और कोई अन्य दुकान उपलब्ध नहीं है। पीठ ने पाया कि अपील किराया न्यायाधिकरण, उदयपुर ने प्रस्तुत तथ्यों की सही व्याख्या की थी और यह निष्कर्ष निकाला कि मकान मालिक के पास कोई अन्य दुकान उपलब्ध नहीं है।

पैंथर ने बालक समेत पांच जनों पर किया हमला

मसूदा (अजमेर). गांव दौलतपुरा द्वितीय में मंगलवार को पैंथर के हमले में बालक समेत पांच जने घायल हो गए। इन्हें रामगढ चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां से उन्हें ब्यावर के अमृतकौर चिकित्सालय रेफर कर दिया। पहाडी क्षेत्र पर नौरत बकरियां चरा रहा था। पैंथर ने हमला कर दिया। पैंथर ने ग्रामीणों पर भी हमला कर दिया। इससे बाबू, दिनेश, जगदीश व नौरत और बालक राहुल घायल हो गया।

न्यूज शॉर्ट्स

पत्रिका ने उठाया था मुद्दा: अब लगी काउंसलिंग सेंटरों पर मुहर

कॅरियर मेले लगें तो युवाओं को मालूम हों नौकरी के विकल्प

पत्रिका में प्रकाशित खबर

सीकर @ पत्रिका. प्रदेश के युवाओं को कॅरियर को लेकर बढ़ती उलझन से अब राहत मिल सकेगी। सरकार ने प्रदेश के सवा दो करोड़ से अधिक युवाओं की भावनाओं को समझते हुए पंचायत स्तर पर काउंसलिंग सेंटर खोलने का ऐलान किया है। गौरतलब है कि राजस्थान पत्रिका ने 22 जनवरी के अंक में 'कॅरियर मेले लगें तो युवाओं को मालूम हों नौकरी के विकल्प' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। खबर के प्रकाशन के बाद मंत्रिमंडल की बैठक में सरकार ने यह घोषणा की है। सरकार ने पंचायत स्तर पर खुलने वाले काउंसलिंग सेंटरों के लिए जल्द विधेयक लाने की भी बात कही है।

सीबीएसई: दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं 15 से

अजमेर @ पत्रिका. सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं की सालाना परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी। बोर्ड परीक्षा सामग्री भेजने के अलावा अन्य तैयारियां पूरी करने में जुटा है। विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र भी अपलोड हो चुके हैं। सत्र 2024-25 में दसवीं-बारहवीं में 44 लाख से ज्यादा विद्यार्थी परीक्षाओं में बैठेंगे। इनमें अजमेर, दिल्ली ईस्ट, दिल्ली वेस्ट, भुवनेश्वर, पटना, गुवाहाटी, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, पंचकुला, देहरादून, बेंगलूरू, चंडीगढ़, भोपाल, विजयवाड़ा, प्रयागराज, नोएडा और पुणे सहित दुबई-शारजाह और अन्य देशों के विद्यार्थी भी शामिल होंगे। दसवीं की परीक्षाएं 18 मार्च और बारहवीं की परीक्षाएं 4 अप्रेल तक चलेंगी। विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं और आंतरिक मूल्यांकन जारी हैं। स्कूल 14 फरवरी तक आंतरिक मूल्यांकन के ग्रेड अपलोड कर सकेंगे। बोर्ड ने डाटा सावधानी से भरने के निर्देश भी दिए हैं।

उदयपुर: जीप की टक्कर से स्कूली छात्रा की मौत

कोटड़ा (उदयपुर) @ पत्रिका. तिलोई गांव में एक तेज रफ्तार जीप ने सोमवार को कक्षा 11 में पढ़ने वाली छात्रा को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल छात्रा जमकू (18) पुत्री रताराम गरासिया ने मंगलवार शाम उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार सोमवार को स्कूल से घर लौटते समय पीछे से आई एक तेज रफ्तार जीप ने छात्रा को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया।

चिंताजनक: प्रदेश में हर सप्ताह 600 लोग हो रहे लापता, 24 प्रतिशत पुरुष

राजस्थान से हर दिन 93 लोग गायब, इनमें 76% महिलाएं

लापता होने वालों में 16% नाबालिग बच्चे-बच्चियां भी शामिल

संत कौशिक
patrika.com

भरतपुर. प्रदेश में हर साल करीब 34 हजार लोग अलग-अलग कारणों से लापता होते हैं। इस तरह हर दिन करीब 93 लोग और सप्ताह में औसतन 652 लोग गायब हो रहे हैं। खास बात है कि इनमें महिलाओं की संख्या 76 फीसदी से अधिक हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो 28 जनवरी से चार फरवरी तक राज्यभर में 650 लोग लापता हुए। इनमें से 494 महिलाएं और 156 पुरुष शामिल हैं। इनमें 18 साल से कम उम्र के 111 नाबालिग शामिल हैं, जिनमें 90 बालिकाएं और 21 बालक हैं, जो करीब 16 प्रतिशत तक हैं। लापता लोगों में 13 ऐसे हैं, जिनकी आयु 60 साल से अधिक है, उनमें 7 पुरुष एवं 6 महिलाएं हैं। यह आंकड़ा पुलिस के सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) पोर्टल पर दर्ज है। आंकड़ों से साफ है कि लापता लोगों में 76 प्रतिशत महिलाएं और 24 प्रतिशत पुरुष हैं। यह आंकड़ा समाज और प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती है। खासकर महिलाओं और बच्चों की संख्या पुलिस और प्रशासन को चुनौती खड़ी कर रही है।

राज्य में किस दिन कितने लापता

महिला-पुरुष-कुल	महिला	पुरुष	कुल
28 जनवरी	70	22	92
29 जनवरी	98	31	129
30 जनवरी	43	13	56
31 जनवरी	68	22	90
01 फरवरी	61	19	80
02 फरवरी	51	16	67
03 फरवरी	75	24	99
04 फरवरी	28	9	37

60 फीसदी लापता 18 से 30 वर्ष के

लापता महिलाओं में 60 फीसदी की उम्र 18 से 30 वर्ष होती है, जो प्रेम संबंध के चलते घर से भाग जाती हैं। इनमें 90 फीसदी कुछ समय बाद मिल जाती है। बची शेष 10 फीसदी आत्महत्या या हादसे का शिकार हो जाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार बुजुर्ग बच्चों से तंग आकर ही घर छोड़ते हैं या कहीं चले जाते हैं।

60-70 फीसदी लोग आ जाते वापस

भरतपुर रेंज आइजी राहुल प्रकाश का कहना है कि गुमशुदा में करीब 60-70 फीसदी वापस आ जाते हैं तो कुछ को पुलिस तलाश कर लेती है। 5 फीसदी लोग हादसे का शिकार या आत्महत्या कर लेते हैं। जिनके शव पहले तो अज्ञात में मिलते हैं, बाद में उनमें से करीब 3 फीसदी की शिनाख्त हो जाती है, वहीं 2 फीसदी ऐसे भी होते हैं, जिनकी शिनाख्त नहीं हो पाती।

लापता होने के कारण

- महिलाएं घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव, प्रेम संबंध, दहेज और मानव तस्करी के चलते गायब होती हैं।
- बच्चे पढ़ाई के दबाव, सोशल मीडिया से प्रभावित, अपहरण और तस्करी, पारिवारिक कलह, माता-पिता के बीच तलाक के चलते घर छोड़ने को मजबूर होते हैं।
- बुजुर्ग मानसिक दबाव, पारिवारिक उपेक्षा, डिमेंशिया, आर्थिक कारण व मानसिक बीमारियों के चलते घर से गायब हो जाते हैं।

यूं ही कोई लापता नहीं होता

महिलाओं के लापता होने के पीछे मुख्यता घरेलू कारण होते हैं। वहीं, बच्चे पढ़ाई का दबाव, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव और प्रेम संबंधों के चलते घर छोड़ रहे हैं। वहीं बुजुर्गों के सामने अपने ही परिवार में उनके ही अस्तित्व पर संकट दिख रहा है। इससे वे मानसिक दबाव में रहते हैं। बच्चों द्वारा उपेक्षित होने पर वे मानसिक बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं और अचानक घर छोड़ देते हैं। - **डॉ. पवन शर्मा,** वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने लिया संज्ञान

जांच कर राशि दिलवाने के लिए हरसंभव करें मदद

बालोतरा-बाड़मेर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दिए निर्देश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बाड़मेर. बिजली के करंट से दोनों हाथ कटने के बाद मिली मुआवजा राशि क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी में अटक जाने का दर्द सुना रही लीला की व्यथा पर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने संज्ञान लिया है। प्राधिकरण ने बालोतरा-बाड़मेर जिला सेवा प्राधिकरण को मामले की जांच और राशि दिलवाने के यथासंभव प्रयास के निर्देश दिए हैं।

राजस्थान पत्रिका के 4 फरवरी के अंक में 'लीला के कटे हाथ कहां-कहां जुड़वाओगे..कितनी बार रुलाओगे' शीर्षक से प्रकाशित समाचार बाद राज्य विधिक प्राधिकरण ने राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ ने संज्ञान लिया। पत्रिका के समाचार का उल्लेख किया कि मुआवजा राशि मिलने के बाद लीला के साथ ठगी हुई। क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी बंद हो गई। बालोतरा स्थायी लोक अदालत ने भी लीला के पक्ष में फैसला करते हुए 2022 में राशि मय ब्याज और मुआवजे के देने का आदेश किया था, लेकिन राशि नहीं मिली है।

असर

लीला के कटे हाथ कहां-कहां जुड़वाओगे...कितनी बार रुलाओगे

राजस्थान पत्रिका

मुझे मेरी राशि दिलवाने में मदद करो: लीला

गौरतलब है कि बाड़मेर की बालिका लीला बीते दिनों जिला कलक्टर के सामने एक कार्यक्रम में फफक-फफक कर रो पड़ी थी। दोनों कटे हाथ दिखाते हुए उसने कहा कि मुझे पढ़ना है। पांवों से लिखकर पढ़ रही हूं। मेरी खुद की राशि है, मुझे दिलवाने में मदद करो। 2017 से लगातार कई जगह पर पहुंची हूं। कटे हाथ जोड़ रही हूं।

परिवहन निरीक्षकों का कार्य बहिष्कार

बिना अपराध दो परिवहन निरीक्षकों को एसपी ने लॉकअप में रखा बंद

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भरतपुर. राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 धौलपुर-आगरा बॉर्डर स्थित बरैठा चेक पोस्ट पर शनिवार देर रात एसपी सुमित मेहरड़ा ने चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच कर संग्रहण कर रहे दो परिवहन निरीक्षकों को रातभर थाने के लॉकअप में बंद कर दिया। इस घटना के बाद राज्य के परिवहन निरीक्षकों ने कार्य बहिष्कार कर दिया। दो विभागों के बीच विवाद को बढ़ता देखकर सारे प्रकरण की महानिरीक्षक राहुल प्रकाश ने जांच कर रिपोर्ट सरकार को भेजी है। पता लगा है कि आइजी को पुलिस अधिक्षक मेहरड़ा के खिलाफ क्षेत्र के और भी लोगों ने बजरी माफिया में फंसाने और एक मंदिर की आरती बंद कराने जैसे आरोप भी लगाए हैं।

राज्य सरकार ने इस मामले में रिपोर्ट मांगी तो आइजी ने सोमवार को धौलपुर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई। आइजी ने कहा कि सभी अधिकारियों को अपनी 'हद' पता होनी चाहिए। निरीक्षकों के काम बंद करने पर परिवहन आयुक्त शुचि त्यागी ने भी इस मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है।

भरतपुर. सर्किट हाउस में ग्रामीणों से शिकायतें सुनते रेंज आइजी।

12 लाख रुपए का प्रतिदिन नुकसान

घटना के बाद परिवहन निरीक्षकों ने काम बंद कर दिया है। भरतपुर और धौलपुर की बात करें तो दोनों जगह परिवहन विभाग के चेकिंग के लिए चार-चार नाके हैं। इन पर प्रतिदिन चेकिंग कर वाहनों पर जुर्माना लगाकर करीब एक से डेढ़ लाख रुपए वसूला जाता है।

यह था पूरा मामला: बरैठा चेक पोस्ट पर एक फरवरी 2025 की रात को उड़नदस्ते के परिवहन निरीक्षक अनिल कुमार प्रसाद व शैलेन्द्र वर्मा वाहनों की जांच कर रहे थे। रात करीब दो बजे सफेद रंग की गाड़ी चेक पोस्ट पर पहुंची। गाड़ी से पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा सादा कपड़ों में बाहर आए। दोनों परिवहन निरीक्षकों ने एसपी को सैल्यूट किया और पूछने पर अपने दस्तावेज और कैश का मिलान करवा दिया। इसके बावजूद एसपी ने दोनों निरीक्षकों को गाड़ी में लाकर मनियां थाने ले जाकर बिठा दिया। निरीक्षकों को सुबह 7.30 बजे बाद छोड़ा गया।

इनका कहना है

परिवहन निरीक्षक वाले मामले की जांच कर ली है। इस संबंध में रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रेषित की जा रही है।

- राहुल प्रकाश, पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर रेंज

एनईपी का फेर | सेमेस्टर वाले कॉलेजों में किया नया प्रावधान, कोई विषय ड्यू रहा तो होगी परेशानी

पेपर ड्यू रहा तो स्वयंपाठी होकर नहीं कर सकेंगे स्नातक

पत्रिका एक्सक्लूसिव

जितेन्द्र चौधरी
patrika.com

अलवर. प्रदेश के सरकारी और निजी कॉलेजों में रेगुलर अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अब स्वयंपाठी (नॉन कॉलेजिएट) के तौर पर पढ़ाई नहीं कर सकेंगे। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी-2020) में सेमेस्टर के माध्यम से स्नातक कराने वाले कॉलेजों में यह प्रावधान किया गया है। पॉलिसी में यह भी साफ किया गया है कि यदि रेगुलर अध्ययनरत विद्यार्थी का कोई विषय ड्यू रह जाता है तो भी वह स्वयंपाठी के तौर पर अध्ययन नहीं कर पाएगा। कॉलेज में दाखिला लेने के बाद ऐसे विद्यार्थी ही स्वयंपाठी हो सकते हैं, जिनके या तो सभी सेमेस्टर पास हो या वह फेल हो गया हो। स्वयंपाठी स्नातक के लिए नए सिरे से ही दाखिला लिया जा सकेगा।

यह था प्रावधान

अब तक रेगुलर प्रथम वर्ष पास करने पर विद्यार्थी चाहे तो दूसरे साल नॉन कॉलेजिएट होकर अध्ययन कर सकता था। एनईपी-2020 में प्रथम वर्ष पास करने पर सर्टिफिकेट, दूसरे साल में डिप्लोमा, तीन साल बाद डिग्री और चार साल बाद ऑनर्स की डिग्री दी जाएगी।

यूजी और पीजी में 7 हजार को मिलता है दाखिला

जिले के सरकारी और निजी कॉलेजों में हर साल प्रथम वर्ष में करीब 7 हजार छात्र-छात्राएं प्रवेश लेते हैं। इसके बाद भी सभी कॉलेजों में सीटें खाली रहती हैं। विशेषकर कॉमर्स कॉलेज में 30 प्रतिशत से ज्यादा सीटें खाली रह जाती हैं। वहीं रेगुलर से स्वयंपाठी में हर साल 200 से 300 बच्चे कन्वर्ट होते थे। इनमें फीस जमा नहीं कराने वाले विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा है।

एनईपी के प्रावधानों पर सेमिनार जरूरी

प्रदेश में एनईपी-2020 को लागू किया जा चुका है, लेकिन इसके प्रावधानों को लेकर अब भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में छात्र-छात्राएं इसे कैसे समझ पाएंगे। इसके लिए कॉलेज और विश्वविद्यालय में सेमिनार होना जरूरी है। इनमें विशेषज्ञों के जरिए एनईपी के व्याख्यान होने चाहिए। साथ ही स्कूलों में भी अभिभावकों को एनईपी के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

पेज एक का शेष...

अमरीकी सैन्य...

पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि भारत सत्यापित कर रहा है कि अमरीका से किन लोगों को भारत भेजा जा सकता है। ऐसे लोगों की संख्या अभी तय नहीं की जा सकती। जयशंकर ने कहा, यह समस्या हर देश के साथ है। अमरीका इसका अपवाद नहीं है। हमने हमेशा यह रुख अपनाया है कि अगर हमारे नागरिक वहां अवैध रूप से रह रहे हैं तो हम उनकी वापसी के लिए तैयार हैं।

'नोटा' मौजूद...

सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि पीआइएल में बहुत ही तार्किक मुद्दा उठाया गया है। पीआइएल में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 53(2) तथा संबंधित चुनाव संचालन नियमों को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि ये प्रावधान उम्मीदवारों की संख्या और सीटों की संख्या बराबर होने पर निर्वाचन अधिकारी को मतदान कराने से रोकते हैं, यानी अकेले उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन होता है। इन प्रावधानों से मतदाता 'नोटा' चुनने के मौलिक अधिकार से वंचित होता है। सुप्रीम कोर्ट ने पीयूसीएल के मामले में 2013 में निर्णय दिया था कि ईवीएम पर नोटा विकल्प चुनकर नकारात्मक वोट डालने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत संरक्षित है। इस मामले पर 19 मार्च को आगे सुनवाई होगी।

'उन्होंने मुस्लिम...

प्रधानमंत्री ने सोनिया गांधी के द्रौपदी मुर्मु को 'पूअर लेडी' कहने पर कहा कि राष्ट्रपति को अपमानित किया जा रहा है। मैं उनकी राजनीतिक हताशा समझ सकता हूं। इसकी यह वजह है कि भारत विकृत मानसिकता को छोड़कर आगे बढ़ रहा है और महिलाएं नेतृत्व प्रदान कर रही हैं। आधी आबादी को पूरा मौका मिल रहा है। पीएम ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि कुछ लोग खुलेआम अर्बन नक्सल की भाषा बोल रहे हैं। भारत सरकार से टकराने की बात कह रहे हैं।

क्या एसटी परिवार के तीन सांसद हुए: प्रधानमंत्री ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर कहा कि पिछले 30 साल से सभी दलों के ओबीसी सांसद ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने की मांग कर रहे थे। लेकिन, हमने यह मांग पूरी की। क्या एक ही समय में एससी या एसटी वर्ग के एक ही परिवार के तीन सांसद हुए हैं क्या? यह निशाना गांधी परिवार पर साधा।

तीन लाख करोड़ घोटाले से बचाए: मोदी ने बताया कि 10 करोड़ फर्जी लाभार्थियों को हटाकर और 40 लाख करोड़ रुपये सीधे डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में भेजकर तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के घोटाले से बचाए।

अभी तो तीसरा ही टर्म है: प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने झूठे नारे नहीं सच्चा विकास दिया, तब जाकर 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को हराया। अभी तो तीसरा ही टर्म है...आगे बड़े-बड़े कार्य होने हैं....देश को विकसित बनाना है।

अभिभाषण में अगले 25 वर्ष का संकल्प :

प्रधानमंत्री ने कहा कि विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) का बजट 11 लाख करोड़ हो गया है जो 2014 से पहले दो लाख करोड़ से भी कम होता था। राहुल गांधी ने सोमवार को कहा था विनिर्माण जीडीपी 2014 के 15.3 फीसदी के गिरकर 12.6 फीसदी पर आ गया है।

मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण आने वाले 25 वर्षों और विकसित भारत को लेकर लोगों के बीच नया आत्मविश्वास पैदा करता है और आम लोगों को प्रेरित करता है। राहुल ने अभिभाषण को दिशाहीन बताते हुए कहा था इसमें कुछ भी नया नहीं था।

मोदी ने राहुल से अपनी तारीफ पर कहा कि यह स्वाभाविक है और लोकतंत्र की परंपरा है, जहां जरूरत थी, वहां प्रशंसा हुई और जहां कुछ समस्या थी, वहां कुछ नकारात्मक बातें भी कही गईं। राहुल ने मेक-इन-इंडिया योजना पर कहा था कि आइडिया अच्छा है, मोदी ने प्रयास भी किए, लेकिन विफल रहे।

मोदी ने कहा कि 2014 से पहले देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जो बढ़कर 780 हो गए हैं। इनमें एससी सीटों की संख्या भी 7700 से बढ़कर 17,000 हो गई है। ओबीसी सीटें भी 14,000 से बढ़कर 32,000 हो गईं। राहुल ने कहा था कि दलितों-पिछड़ों को उनका हक नहीं मिल रहा है।

सोशल मीडिया...

रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अभिषेक द्विवेदी के अनुसार भोपाल में हर दिन ऐसे 10 में से 7 मरीजों के एक्सरे में कर्व लॉस की समस्या सामने आ रही है। इनमें 25 से 50 साल की उम्र के मरीज ज्यादा हैं। डॉक्टरों ने स्क्रीनटाइम कम करने और पॉश्चर सही रखने की हिदायत दी है।

ऐसे बढ़ रही समस्या: झुकी गर्दन से हड्डी पर सिर का भार दो गुना से अधिक पड़ता है। यह समस्या कर्व लॉस का कारण बनती है। इससे व्यक्ति को चलने से लेकर उठने-बैठने तक दर्द होता है। इसे मेडिकल साइंस में स्ट्रेथनिंग स्पाइन फ्लैट बेक व रिट्रोलिस्थीसिस कहते हैं। बीते दो सालों में यह केस 20 से 25 फीसदी तक बढ़े हैं।

कर्व लॉस से कमजोर हो रहीं मांसपेशियां : एमपीटी (ऑर्थोपेडिक) डॉ. सुनील पांडेय के अनुसार गर्दन का झुकाव मांसपेशियों पर वजन का दबाव बढ़ाता है। फेफड़ों की कार्यक्षमता के साथ पेट व आंतें प्रभावित होती हैं, जिससे इनकी कार्यक्षमता कमजोर होती हैं। सिर का वजन 4 से 5 किलो के बीच होता है। गर्दन के झुकने के साथ मांसपेशियों पर वजन बढ़ता है। उदाहरण के तौर पर 15 डिग्री तक झुकने पर मांसपेशियों को 12 किलो तक भार सहन करना पड़ता है। 45 डिग्री में यह भर 22 किलो तक हो जाता है।

सरकार की दोहरी नीतियां : गुजरात से सटे डूंगरपुर जिले में ही सात पेट्रोल पंप हो चुके बंद

गुजरात में पेट्रोल-डीजल सस्ता, प्रदेश के बॉर्डर क्षेत्र में बंद हो रहे पंप

पत्रिका एक्सपोज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डूंगरपुर. प्रदेश में पेट्रोल डीजल के भाव गुजरात की तुलना में अधिक होने पर उसका असर गुजरात सीमा से सटे जिलों पर भी नजर आने लगा है। हालात यह है कि राजस्थान की सीमा से गुजरने वाले वाहन पेट्रोल-डीजल गुजरात में ही भरवा रहे हैं। इसके अलावा सीमा से सटे राजस्थान के जिलों के लोग भी गुजरात की दौड़ लगा रहे हैं।

इन हालातों के चलते गुजरात की सीमा से सटे राजस्थान के हिस्से में कई पेट्रोल पंप भी बंद हो चुके हैं। अकेले डूंगरपुर जिले में विगत वर्षों गुजरात सीमा से सटे एरिये में सात पेट्रोल पंप बंद हो चुके हैं। ऐसे हालात अन्य बॉर्डर से सटे क्षेत्रों में भी होने से नकारा नहीं जा सकता है।

गुजरात की तुलना में पेट्रोल के भाव 11 रुपए व डीजल के एक रुपए अधिक

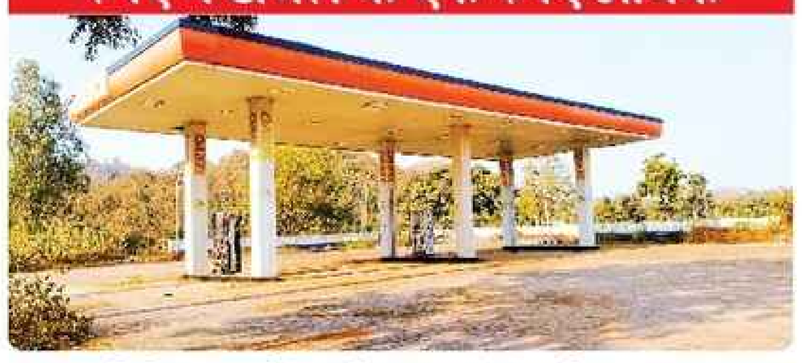

डूंगरपुर. बिछीवाड़ा खजूरी के समीप बंद पड़ा पेट्रोल-डीजल पंप।

डूंगरपुर जिले में पेट्रोल के भाव 106.21 रुपए व डीजल के भाव 91.73 रुपए प्रति लीटर है।

वहीं, गुजरात राज्य में पेट्रोल के भाव 94.47 रुपए व डीजल के 90.68 रुपए प्रतिलीटर है। गुजरात में प्रदेश से लगभग 11 रुपए व डीजल पर एक रुपए के लगभग कम है। इससे डूंगरपुर जिले से गुजरात जाने वाले वाहन गुजरात राज्य में पेट्रोल व डीजल भरवाते हैं। इससे जिले में कई पम्प बंद हो चुके हैं और कई पम्प बंद होने की कगार पर हैं।

टैक्स में हो कमी

प्रदेश सरकार को पेट्रोल व डीजल के टैक्स गुजरात के बराबर करना चाहिए या फिर इनको जीएसटी के दायरे में ले आना चाहिए। इससे व्यापारियों को काफी राहत मिलेगी।

- गजेंद्र जैन, सचिव, पेट्रोल पम्प एसोसिएशन डूंगरपुर

नकली डीजल ने भी तोड़ी कमर

जिले में नेशनल हाइवे पर नकली डीजल ने भी पेट्रोल पम्प संचालकों की कमर तोड़ दी है। हाइवे पर दुकानों व होटलों के बाहर धड़ल्ले से नकली डीजल बेचा जा रहा है। नकली डीजल के भाव में पेट्रोल पम्प पर मिलने वाले डीजल से लगभग 15 से 20 रुपए का अंतर है। बिछीवाड़ा पुलिस की ओर से भी कुछ दिनों पहले नकली डीजलों से भरे दो टैंकर जब्त किए थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि नकली डीजल का खेल किस कदर चल रहा होगा।

हाइवे पर ऐसे हालात

जिले में राष्ट्रीय राज मार्ग-48 से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरात सीमा में प्रवेश करते हैं। 48 से 50 किलोमीटर के हाइवे पर लगभग 12 से अधिक पेट्रोल पम्प है। इसमें से सात पेट्रोल पम्प बंद हो चुके है और इसमें भी लगभग दो से तीन बंद होने की कगार पर है। वहीं, जिले में लगभग 112 से अधिक पम्प है। इसमें सागवाड़ा व चीखली में एक पम्प बंद हुआ है। हालांकि जिले में कुछ पेट्रोल पम्प खुले भी है, लेकिन ये केवल नेशनल हाइवे को छोड़कर है।

नारेबाजी कर सौंपा ज्ञापन

हाड़ेतर के ग्रामीणों ने दिया संघर्ष समिति को समर्थन

सांचौर. जिला बहाल करने की मांग को लेकर धरना देते ग्रामीण।

सांचौर @ पत्रिका. राज्य सरकार द्वारा सांचौर जिले को खत्म करने के विरोध में संघर्ष समिति द्वारा दिया जा रहा धरना जारी रहा। इस दौरान हाड़ेतर के ग्रामीणों ने संघर्ष समिति को समर्थन देकर विरोध प्रदर्शन कर रैली निकाली। ग्रामीणों सांचौर जिला बहाली की मांग को लेकर सीएम के नाम उपखंड अधिकारी के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सरकार जनहित की भावनाओ को देखते हुए सांचौर जिला बहाल करे। सांचौर जिला दूरी की दृष्टि सहित अन्य मापदंडों पर खरा उतरता है। सरकार द्वारा जिला हटाने का निर्णय गलत है, जिसका विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार सांचौर को जिला बहाल नहीं किया जाता। ग्रामीणो ने रैली में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई, भीमाराम चौधरी, पुनमाराम, अमलूराम सारण, पीराराम देवासी, नरेन्द्र मेघवाल, अनिल कुराड़ा, भंवरलाल गोदारा, सुजानाराम, रिडमलराम ढाका सहित कई लोग मौजूद रहे।

पाली : माजीसा मंदिर के वार्षिक महोत्सव को लेकर बैठक

पाली @ पत्रिका. चामुंडेरी ग्राम में श्री राणी भटियाणी सा माजीसा मंदिर के 9वें वार्षिक महोत्सव को लेकर माजीसा मंदिर प्रांगण में ग्रामीणों की बैठक हुई। पूर्व सरपंच डॉ. महावीर सिंह राणावत व माजीसा के उपासक रुकमणी बाईसा विक्रम सिंह राव ने बताया कि चामुंडेरी ग्राम में 9 फरवरी को भजन संध्या और 10 को महाप्रसादी होगी। महाप्रसादी के लाभार्थी दलपत सिंह तख्तसिंह राव करौली व भजन संध्या के लाभार्थी दलपत सिंह लादू सिंह राव पोसालिया होंगे।

मल्टीपल मायलोमा से ग्रसित मरीज का बदला गया बोन मैरो

एम्स जोधपुर में बोन मैरो ट्रांसप्लांट शुरू

गजेंद्र सिंह दहिया
patrika.com

जोधपुर. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में नए साल से बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू हो गई है। ब्लड कैंसर यानी ल्यूकेमिया से ग्रसित बड़ों और बच्चों का बोन मैरो अब बदला जा सकेगा। एम्स ने इसकी शुरुआत वयस्क मरीज से की है। यह मरीज मल्टीपल मायलोमा से ग्रसित है। इसका बोन मैरो एक पखवाड़े पहले बदला गया है। मरीज अभी उपचाराधीन है। वयस्क में बोन मैरो ट्रांसप्लांट पूरी तरीके से सफल रहने के बाद बच्चों को भी ऑपरेट किया जा सकेगा।

एम्स के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. प्रमोद और पैथोलॉजिस्ट (ब्लड ट्रांसफ्यूजन एक्सपर्ट) डॉ. अनुभव गुप्ता ने बोन मैरो ट्रांसप्लांट किया है। मरीज मल्टीपल मायलोमा से ग्रसित था। मल्टीपल मायलोमा एक प्रकार का ब्लड कैंसर है, जो हड्डियों की बोन मैरो यानी अस्थि मज्जा की प्लाज्मा कोशिकाओं में विकसित होता है।

मल्टीपल मायलोमा

कैंसर के तीनों उपचार मौजूद

एम्स जोधपुर कैंसर के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर विकसित हो रहा है। यहां कैंसर के तीनों उपचार सर्जरी, रेडियोथैरेपी और कीमोथैरेपी मौजूद हैं। सर्जरी में भी ओपन, लेप्रोस्कोपिक और रोबोटिक तीनों हो रही हैं।

मल्टीपल मायलोमा में प्लाज्मा कोशिकाएं कैंसर कोशिकाओं में बदलकर एम प्रोटीन नामक एक असामान्य एंटीबॉडी बनाती है, जिससे मरीज की संक्रमण से लड़ने की क्षमता खत्म हो जाती है।

200 करोड़ में बन रहा सेंटर शुरू नहीं हो पा रहा

एक डॉक्टर मिले तो रीजनल कैंसर सेंटर पटरी पर आए

जोधपुर @ पत्रिका. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में केन्द्रीय बजट में कैंसर रोगियों को बड़ी राहत देने की बात कही है। हर जिला चिकित्सालय में डे केयर सेंटर खुलेंगे। लेकिन जोधपुर मुख्यालय पर एडवांस रीजनल कैंसर सेंटर, जिसका निर्माण पूरा हो चुका है, 10 करोड़ से ज्यादा का बजट भी लगाया जा चुका है, वह अब तक शुरू ही नहीं हो पाया है। तीन मंजिला इस इमारत में आधुनिक मशीनरी लग चुकी है, लेकिन इनको संचालित करने के लिए एक विशेषज्ञ डॉक्टर की व्यवस्था नहीं हो पा रही है।

क्या है न्यूक्लीयर मेडिसिन : रीजनल कैंसर सेंटर में जो मशीन लगी है, उसको चलाने के लिए लाइसेंस की जरूरत होगी और वह लाइसेंस मेडिकल कॉलेज को तब मिलेगा जब न्यूक्लीयर मेडिसिन का कोई विशेषज्ञ डॉक्टर होगा। वर्तमान में पूरे मेडिकल कॉलेज में इस विभाग में कोई चिकित्सक नहीं है। यह विशेषज्ञ रोग का निदान और उपचार करने के लिए रेडियोधर्मी ट्रेसर (रेडियोफार्मास्यूटिकल्स) का उपयोग करते हैं। इस डॉक्टर के आने से पेट स्कैन जैसी मशीनों का संचालन सरकारी अस्पताल में हो सकेगा।

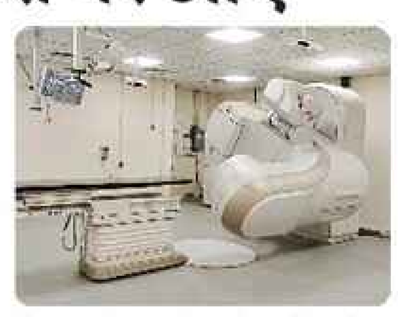

रीजनल कैंसर सेंटर में लगी मशीन। न्यूक्लीयर मेडिसिन का एक्सपर्ट मिलने के बाद संचालित होगी।

सर्वाधिक संख्या ऊंटों की, गोवंश दूसरे स्थान पर

रामदेव पशु मेले में पशुओं की आवक तीन हजार के पार

नागौर @ पत्रिका. रामदेव पशु मेला में पशुओं की आवक तेज हो गई है। मेले में पशुओं की संख्या तीन हजार का आंकड़ा पार कर चुकी है। सर्वाधिक आवक ऊंट की रही। ऊंटों की डेढ़ हजार से ज्यादा आवक रही है। इस बार गोवंश की संख्या ऊंटों की अपेक्षा कम है। मेले में अब तक आवक गोवंश 1139, भैंसवंश 48, ऊंट 1757 एवं घोड़े 126 है। कुल पशुओं की संख्या 3070 तक हो चुकी है।

रामदेव पशु मेला पशुओं की आवक से गुलजार है। मुख्य गेट के सामने का मैदान गोवंशों से भरा हुआ है,जबकि जोधपुर रोड की ओर से मैदान का पिछला हिस्सा ऊंटों से भरा है। मेला मैदान में पशुओं की आवक बढ़ने के साथ ही विदेशी सैलानी भी नजर आ रहे हैं। ऊंटों के साथ सेल्फी खिंचाना, पशु पालकों से बातचीत करना, और दुकानों में सामानों को देखना सरीखे दृश्य रोजाना नजर आने लगे हैं। मेला मैदान में आने वाले स्थानीय एवं विदेशी सैलानी ऊंटों की सवारी का लुफ्त ले रहे हैं।

नहीं लगी सरकारी विभागों की प्रदर्शनी : रामदेव पशु मेला में प्रति वर्ष सभी सरकारी विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाती है। इसमें विभागीय उपलब्धियों को बैनर, पोस्टर आदि से दर्शाने के साथ संबंधित विभाग के कर्मचारी भी यहां बैठते थे, लेकिन इस बार ज्यादातर सरकारी विभागों ने प्रदर्शनी नहीं लगाई।

प्रतियोगिता में शामिल होने पहुंचे नागौर बैल।

आज का राशिफल बुधवार 05 फरवरी, 2025

राशि	फल
मेष	चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ जिद्दी व्यवहार से नुकसान कर लेंगे। कारोबार में चल रही परेशानी समाप्त होगी। प्रेम-प्रसंग से परिवार में तनाव रहेगा।
वृषभ	ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो लंबे समय से चली आ रही पारिवारिक कलह समाप्त होगी। नए वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति संभव। आलस्य की अधिकता।
मिथुन	क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह कारोबार में चल रहे विवाद यथावत रहेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक आस्था बढ़ेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं।
कर्क	हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो मकान-दुकान के निर्माण में आर्थिक व्यवस्था सुगम होगी। कर्मचारियों के व्यवहार से दु:खी होंगे। दोस्तों का संग मिलेगा।
सिंह	मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे बिना सोचे-समझे कार्य करने से बचे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मित्रों से मनमुटाव संभव। तरक्की में आ रही बाधाएं दूर होंगी।
कन्या	टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो लंबे समय से चली आ रही पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। जीवन साथी के व्यवहार में आए बदलाव से चिंता रहेगी।
तुला	रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते दिन की शुरुआत में पारिवारिक माहौल बिगड़ सकता है। कारोबार में आ रही आर्थिक परेशानी का समाधान होगा।
वृश्चिक	तो, ना, नी, नू, या, यी, यू लेन-देन के वक्त सतर्क रहें। कार्य क्षेत्र में मेहनत और लगन से कार्य करने के बावजूद सफलता न मिलने से दु:खी रहेंगे।
धनु	ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे दिन आर्थिक दृष्टि से मजबूत रहेगा। संतान के कॅरियर में आ रही समस्या का समाधान होगा। प्रेम-प्रसंग में सफल होंगे।
मकर	भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी स्वास्थ्य को नजरअंदाज ना करें। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार-विस्तार के लिए कर्ज की व्यवस्था होगी।
कुम्भ	गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा अधिकारों का गलत प्रयोग ना करें। माता-पिता के साथ व्यवहार ठीक होगा। भाइयों से मनमुटाव समाप्त होगा।
मीन	दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि स्वास्थ्य में सुधार होगा। राजनीति से जुड़े बड़े नेताओं से मुलाकात संभव। पारिवारिक समस्याओं से तनाव बढ़ेगा।

ज्यो. पं. चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद : पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	शिशिर
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास :	सावान-06	मास:	माघ
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

बुधवार, 05 फरवरी, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 09-51 तक लाभ व अमृत, पूर्वाह्न 11-19 से दोपहर 12-41 तक शुभ तथा अपराह्न 03-24 से सूर्यास्त तक चर व लाभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं। बुधवार को अभिजित नामक मुहूर्त शुभकार्यों में त्याज्य है।

शुभ तिथि: अष्टमी जया संज्ञक तिथि रात्रि 12-36 तक, तदन्तर नवमी रिक्ता संज्ञक तिथि प्रारम्भ हो जायेगी। अष्टमी तिथि में नाचना, गाना, रत्न परीक्षण, अलंकार, विवाह, प्रतिष्ठा, गृहारम्भ, शस्त्र धारण आदि कार्य सिद्ध होते हैं। नवमी तिथि में शुभ व मांगलिक कार्य शुभ नहीं कहे गए हैं।

नक्षत्र: भरणी ''उग्र व अधोमुख'' संज्ञक नक्षत्र रात्रि 08-33 तक, तदुपरान्त कृतिका ''मिश्र व अधोमुख'' संज्ञक नक्षत्र है। भरणी नक्षत्र में साहस, दारुण, शत्रुमर्दन, बन्धन, कुआं-बावड़ी आदि विषयक कार्य और कृतिका नक्षत्र में सभा-साहस आदि विषयक कार्य सिद्ध होते हैं। शुभ व मांगलिक कार्य शुभ नहीं कहे गए हैं।

योग: शुक्ल नामक नैसर्गिक शुभ योग रात्रि 09-19 तक, तदुपरान्त ब्रह्म नामक नैसर्गिक शुभ योग रहेगा।

विशिष्ट योग: सर्वार्थसिद्धि नामक शुभ योग रात्रि 08-33 से सूर्योदय तक रवियोग नामक दोष समूह नाशक शुभ योग रात 08-33 से तथा ज्वालामुखी नामक अशुभ योग रात्रि 08-33 से रात्रि 12-36 तक है।

करण: भद्रा संज्ञक विष्टि नामकरण दोपहर बाद 01-33 तक, तदन्तर बव-बालवादि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव: आज भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी तथा बुधाष्टमी है।

चंद्रमा : चंद्रमा मेष राशि में रात्रि 02-16 तक, तदुपरान्त वृष राशि में होगा।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज किसी शुभ व मांगलिक कार्यादि के शुभ व शुद्ध मुहूर्त नहीं है।

दिशाशूल: बुधवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज पूर्व दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यमान से): दोपहर 12-00 बजे से दोपहर बाद 1-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे-आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (लू, ले, लो, अ, इ) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। रात्रि 02-16 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि मेष व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्म राशि वृष है। मेष राशि के स्वामी मंगल व वृष राशि के स्वामी शुक्र हैं। इनका जन्म स्वर्णपाद से है। सामान्यत: ये जातक सत्यप्रिय, स्वस्थ्य, दीर्घायु, सुमार्गी, शत्रुजयी और कुछ काम लोलुप होते हैं। इनका भाग्योदय 25 वर्ष की आयु के बाद होता है। मेष राशि वाले जातकों का राशि स्वामी मंगल वक्री होने से कुछ क्लेश व मानसिक तनाव रहेगा। अति संघर्ष के बाद अल्प लाभ होगा।

बाहरी कलाकारों में इस बार मनीषा शर्मा, डी नवीन, ज्योति नुरान, काका, कबीर बैंड देंगे पेशकश

चार दिवसीय मरु महोत्सव 9 से, बिखरेंगे संस्कृति के विविध रंग

फाइल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जैसलमेर. अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मरु महोत्सव-2025 का आयोजन 9 से 12 फरवरी तक आयोजित होगा। आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। इसके अंतर्गत लोक कलाकारों के साथ सूफी सिंगर ज्योति नुरान, काका, कबीर कैफे और कुटले खां आकर्षण के मुख्य केन्द्र होंगे। जिला कलक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि जैसलमेर, सम व पोकरण में होने वाले चार दिवसीय मरु महोत्सव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

सहायक निदेशक पर्यटक स्वागत केन्द्र कमलेश्वर सिंह ने बताया कि परमाणु नगरी पोकरण में 9 फरवरी को प्रातः 9 बजे सालमसागर तालाब पर स्थित नेपालेश्वर महादेव मंदिर में आरती की जाएगी एवं पोकरण फोर्ट से शोभायात्रा का आयोजन होगा। शोभायात्रा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंचेगी।

यहां पर प्रातः 11 बजे महोत्सव का उद्घाटन होगा एवं इसके बाद मिस पोकरण, मिस्टर पोकरण जैसी रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। बाद में रस्साकसी, कुश्ती, म्यूजिकल चेयर व पोट रेस की प्रतियोगिताएं होगी। शाम को लोक संस्कृति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं हरियाणवी गायक मनीषा शर्मा और डी नवीन प्रस्तुतियां देंगे।

10 फरवरी को प्रातः सोनार दुर्ग स्थित भगवान लक्ष्मीनाथजी के मंदिर में सुबह आरती की जाएगी। प्रातः 9 बजे गड़ीसर सरोवर से रंगारंग शोभायात्रा का आयोजन होगा। शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में मरु महोत्सव का आगाज होगा एवं यहां पर मरुश्री एवं मिस मूमल, मिसेज जैसलमेर के साथ मूमल-महेन्द्र, साफा बांधो एवं मूंछ प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

मारपीट के वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई

जमीन विवाद में मारपीट, सदर सहित 9 आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा @ पत्रिका. जमीन विवाद में मारपीट के वीडियो वायरल होने के बाद राजतालाब थाना पुलिस ने अंजुमन इस्लामिया सदर सहित 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामले में एक परिवार की रिपोर्ट पर अलग से मामला भी दर्ज किया गया। सीआई दिलीप सिंह ने बताया कि अहमदीपुरा निवासी सदर शोएब उर्फ विक्की, हुसैनी चौक निवासी जुबेर, अकबर उर्फ कालू, गोरख इमली निवासी वसीम, इंद्रा कॉलोनी निवासी तौफीक, शोहराब, मोडासा निवासी साहिल, सलाउद्दीन और इंद्रा कॉलोनी निवासी हनीफ को गिरफ्तार किया गया। डीएसपी गोपीचंद मीणा ने बताया कि फिलहाल सभी आरोपियों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दर्ज प्रकरण में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सड़क उधड़ी, 150 मीटर में पांच लीकेज, नहीं हो रहा समाधान

पोकरण. कस्बे में केन्द्रीय बस स्टैंड से भवानीपुरा और रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर केवल 150 मीटर की दूरी में जलदाय विभाग की भूमिगत पाइपलाइन में 5 लीकेज पड़े है। प्रतिदिन सैकड़ों गैलन शुद्ध पानी व्यर्थ बह रहा है और यहां जमा कीचड़ के कारण आमजन को परेशानी हो रही है। जानकारी के अनुसार कस्बे में केन्द्रीय बस स्टैंड से भवानीपुरा बस्ती और रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाली सड़क पर जलदाय विभाग की ओर से वर्षों पूर्व भूमिगत पाइपलाइन लगाई गई थी। ऐसे में यहां आबादी क्षेत्र में घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं। वर्षों पुरानी पाइपलाइन धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होने लगी है। इसके साथ ही आए दिन लीकेज हो रही हैं और पानी व्यर्थ बहता रहता है। बस स्टैंड से भवानीपुरा की तरफ जाने वाले मार्ग पर केवल 150 मीटर की दूरी में 5 जगहों पर पाइपलाइन लीकेज है।

पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय

भूमि आवंटन के बाद भी शुरू नहीं हो रहा निर्माण, ज्ञापन सौंपा

शिवगंज @ पत्रिका. सिरोही में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के लिए भूमि का आवंटन होने के बावजूद अभी तक सरकार की ओर से निर्माण की स्वीकृति नहीं मिल रही। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री सलाहकार एवं पूर्व विधायक संयम लोढा ने पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत से मुलाकात कर तत्कालीन सरकार के समय वर्ष 2023-24 की बजट घोषणा में सिरोही में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की हुई घोषणा के बाद पशुपालन विभाग की ओर से चाही गई भूमि का आवंटन होने के बावजूद अभी तक सरकार की ओर से निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जनहित में कार्य यथाशीघ्र शुरू करवाने की मांग की है। पशुपालन मंत्री ने लोढा को भरोसा दिलाया है कि इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व विधायक लोढा ने पशुपालन मंत्री कुमावत को बताया कि राजस्थान सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2023-24 में सिरोही में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय स्वीकृत करने की घोषणा की गई थी। गत वर्ष इसके लिए पशुपालन विभाग की ओर से चाही गई 75 बीघा भूमि का सिरोही जिला कलक्टर द्वारा आवंटन करने के बाद तहसीलदार ने उस भूमि का पशु पालन विभाग के नाम नामांतरण कर दिया।

माइनर फूटने के साथ खेतों में भरा पानी, फसलें डूबीं

हाड़ेचा @ पत्रिका. बालेरा वितरिका से निकलने वाली जाणवी माइनर जानवी गांव के पास डिग्गी नंबर 5 से 6 के बीच में ओवरफ्लो होकर करीब 50-60 फीट तक लंबाई में टूट जाने से खेतों में पानी भर गया। पानी के बहाव से आस पास के 18 बीघा क्षेत्र में जीरा, गेहूं, रजका की फसल में पानी भर गया। ग्रामीणों का आरोप है कि नर्मदा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह माइनर फूटी। किसान राजू सिंह के खेत में छह बीघा में जीरा बोया हुआ था, यहां पूरी फसल में पानी में बह गई। इसी तरह प्रभु राम के आठ बीघा में गेहूं व जीरा, गीता मेघवाल के खेत में चार बीघा में जीरा बोया हुआ था, जो पानी में डूब गया। किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग की। नर्मदा केनाल से जुड़ी वितरिकाओं और माइनर के टूटने की यह पहली घटना नहीं है। पिछले एक दशक में दर्जनों बार केनाल टूटने की घटनाएं हुई हैं।

मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं होने से हजारों लोग प्रभावित

मोबाइल पर बात करने जाना पड़ता है दूसरे गांव

डडूका @ पत्रिका. जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर गढ़ी उपखंड के डडूका के कुछ हिस्सों व करीबी खेरन का पारडा, अवलपुरा गांवों में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं होने से लोग परेशान हैं। ग्रामीण कई बार प्रशासन से बीएसएनएल का टावर लगवाने की मांग कर चुके हैं। चुनावों में नेताओं से आग्रह पर भी आश्वासन ही मिले। अवलपुरा के ग्रामीणों पवन पाटीदार, संजय, वेलजी पाटीदार, वजेंग पाटीदार, विमल पाटीदार, तेजपाल, रमेश, दिनेश, कुबेर, मेगजी सहित कई ग्रामीणों ने हाल ही में ज्ञापन भी दिया, लेकिन अधिकारियों ने तवज्जो नहीं दी। प्रवीण पाटीदार ने बताया कि दो हजार की आबादी के गांव में 200 से अधिक युवा कुवैत व दुबई में हैं। गांव के कई लोग सरकारी सेवाओं में हैं। विदेश में कार्यरत अपनों की खैर-खबर के लिए मोबाइल ही सहारा है, लेकिन नेटवर्क नहीं मिलने से संवाद नहीं हो पाता।

मोबाइल टावर लगाने की मांग को लेकर ज्ञापन देते अवलपुरा के ग्रामीण।

टावर लगाया, मगर आधे गांव में नेटवर्क नहीं

एमएससी के छात्र नीरज पाटीदार ने बताया कि गांव में मोबाइल टावर नहीं है। इससे ऑनलाइन क्लास लेने वाले बच्चों को बहुत परेशानी होती है। मोबाइल गांव के बाहर जाने पर ही काम में लिए जाते हैं। डडूका के योगेश सोनी ने बताया कि डडूका में टावर लगा हुआ है, लेकिन आधे गांव में नेटवर्क नहीं आ रहा है।

तीसरे स्नान पर्व वसंत पंचमी तक 37.54 करोड़ श्रद्धालु लगा चुके संगम में डुबकी: 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा, 26 को आखिरी स्नान महाशिवरात्रि

महाकुंभ: अमरीका की जनसंख्या से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुंभनगर. अमृत स्नान के दूसरे दिन संगम के तट पर महाकुंभ मेले में स्नान करते, पूजन और विश्राम करते श्रद्धालु।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ के तीसरे स्नान पर्व वसंत पंचमी तक 37.54 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगायी जो विश्व में तीसरी बड़ी आबादी वाले देश अमरीका की जनसंख्या से अधिक है।

हाल ही 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में माघ मेला के तीसरे अंतिम अमृत स्नान में रात आठ बजे तक 2.47 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई थी। दो फरवरी तक कुल 34.97 करोड़ श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर चुके थे। इस प्रकार मौनी अमावस्या की रात आठ बजे तक दुनिया के कोने-कोने से पहुंचे 37.54 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाकर विश्व में तीसरी सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश अमरीका की आबादी 34.64 करोड़ का रिकार्ड तोड़ दिया।

दुनिया के 195 में से 192 देश ऐसे हैं, जिनकी जनसंख्या 30 करोड़ से कम है। जनसंख्या के लिहाज से विश्व के चौथे एवं पांचवें सबसे बड़े देश इंडोनेशिया और पाकिस्तान की आबादी भी 30 करोड़ से कम है। ऐसे में 22 दिनों में ही अमेरिका, पाकिस्तान और इंडोनेशिया की जनसंख्या से कहीं ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इंडोनेशिया और पाकिस्तान की जनसंख्या क्रमशः करीब 28.50 करोड़ एवं 25.35 करोड़ है।

विश्व में तीसरी सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश संयुक्त राज्य अमरीका की आबादी 34.64 करोड़ है। यह दुनिया की कुल आबादी का 4.22% है। जनसंख्या के मामले में अमेरिका दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। महाकुंभ शुरू होने के पहले से ही राज्य सरकार का दावा था कि इस बार 40 करोड़ से ज्यादा लोग पहुंचेंगे। अब 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा और 26 को आखिरी महाशिवरात्री स्नान बाकी है।

न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने सीएम योगी को खून से लिखा पत्र

अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ खुला मोर्चा, मेले से बाहर करने की अपील

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुए हादसे को लेकर ज्योतिर्मठ पीठ के महंत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा सरकार की आलोचना और मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करने के बाद उनके खिलाफ

तीखे हमले शुरु हो गये हैं। मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखकर उन्हें मेला से बाहर करने की अपील की गई है।

श्री कृष्णा जन्मभूमि संघर्ष न्यास (मथुरा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने मंगलवार को सेक्टर पांच में हरिशचंद्र मार्ग स्थित अपने शिविर में बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने खून से पत्र लिख कर स्वामी अविन्मुतेश्वरानंद सरस्वती को कुंभ से बाहर करने के अपील की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी राजनीतिक पार्टियों से मिलकर कथित कथित शंकराचार्य दिव्य महाकुंभ में अफवाह फैला रहे हैं। वह चांदी के सिंहासन पर बैठकर सरकारी सुविधा लेकर विपक्षी पार्टियों की भाषा बोल रहे हैं।

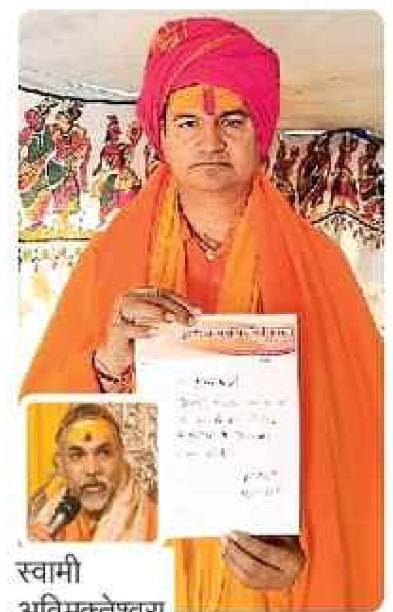

स्वामी अविमुक्तेश्वरा नंद सरस्वती | दिनेश फलाहारी

गौरतलब है कि यह वही दिनेश फलाहारी हैं जिन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से ईदगाह मस्जिद नहीं हट जाती तब तक अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। आज कई वर्ष बीत जाने के बाद भी अनशन पर हैं।

56 इस्लामिक राष्ट्र, विपक्षी पार्टियां कर रहे बदनाम

उन्होंने आरोप लगाया कि 56 इस्लामिक राष्ट्र और विपक्षी पार्टियां मिलकर कुंभ को बदनाम करने में लगी हुई है। सभी 13 अखाड़ों ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विरोध करना शुरू कर दिया है। योगी आदित्यनाथ हिंदुओं के ह्रदय सम्राट है। उनको इस्तीफा नहीं देने देंगे। कथित शंकराचार्य ने तब इस्तीफा नहीं मांगा जब राम भक्तों पर गोलियां चलाई गई थी, हिंदुओं के आराध्य भगवान श्री राम को काल्पनिक बताया गया उनसे इस्तीफा क्यों नहीं मांगा। जब तक योगी हैं तब तक ही हिंदू सुरक्षित है, हम इनको खोना नहीं चाहते हैं।

प्रयागराज में अधिवक्ताओं से दुर्व्यवहार, एएसआइ सस्पेंड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्रयागराज. उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के कर्नलगंज क्षेत्र के नाका प्रभारी को अधिवक्ताओं से कथित दुर्वव्यहार के कारण मंगलवार को निलंबित कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि नाका पुलिस चौकी प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने हिंदू हास्टल चौराहे पर वीवीआइपी फ्लीट निकलने के दौरा अधिवक्ताओं के साथ दुर्वव्यहार किया। इस कारण चौराहे पर जाम की स्थित उत्पन्न हो गयी और पुलिस की छवि धूमिल हुई।

पुलिस आयुक्त (नगर) अभिषेक भारती ने सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज की रिपोर्ट पर पुलिस उप निरीक्षक अतुल कुमार सिंह निलंबित किया गया। उन्हें पुलिस लाइन्स से सम्बद्ध किया गया है।

पहले चरण में कामाख्या पीठ से जोधपुर की यात्रा

महामंडलेश्वर संजनानन्द गिरी ने किया चतुष्पथ यात्रा का जयघोष

द्वितीय चरण में रामेश्वर से कश्मीर तक जाएगी यात्रा

चतुष्पथ यात्रा का उद्घोष किया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ . कामाख्या पीठ की साधिका व निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी संजना नंद गिरी ने सनातन धर्म के प्रचार प्रसार और धर्म के प्रति लोगों में फैल रही गलत धारणाओं के निवारण के लिये चतुष्पथ यात्रा का उद्घोष किया है।

यात्रा मार्च से शुरू होकर करीब दो माह तक चलेगी, संपूर्ण यात्रा को दो चरणों में आयोजित किया गया है। इसका पहला चरण महामंडलेश्वर संजनानंद के मूल स्थान कामाख्या पीठ से शुरू होकर जोधपुर तक और द्वितीय चरण रामेश्वरम से शुरू होकर कश्मीर के लाल चौक पर जाकर संपूर्ण होगा। इस आध्यात्मिक यात्रा के दौरान संजना नंद धर्म के प्रचार प्रसार के लिए देश के लगभग सभी प्रमुख शहरों में धर्म को लेकर विभिन्न आयोजन व व्याख्यानों को संबोधित करेंगी। इसके अलावा मार्ग में पड़ने वाले सभी प्रमुख धर्म स्थान, शक्ति पीठों, देवस्थानों के साथ-साथ सनातन धर्म से जुड़े विद्वानों के साथ मुलाकात भी करेंगी।

फिल्म व कला जगत ने दिया समर्थन

इस धर्म यात्रा में कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों व पक्ष विपक्ष के जनप्रतिनिधियों के भी भाग लेने की संभावना है। यात्रा के लिये अलग-अलग कई विभागों का गठन महामण्डलेश्वर संजनानंद गिरी के ऑफिस द्वारा किया गया है। संपूर्ण यात्रा के प्रचार अभियान व संपर्क प्रमुख का दायित्व फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक दुष्यंत प्रताप सिंह स्वयं देख रहे हैं। उनके मुताबिक भारतीय फिल्म व कला जगत के बड़े सितारों ने अपना समर्थन महामण्डलेश्वर को दिया है। यात्रा में शैक्षिक वर्ग, व्यावसायिक वर्ग, कला जगत के साथ-साथ अन्य धर्म व संस्कृतियों से जुड़े लोग भी मूर्त रूप से हिस्सा लेंगे। हरियाणा के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व सरपंच खाप के पूर्व प्रधान वेद प्रकाश ने यात्रा को अपना समर्थन दिया है।

सीएम योगी संग लगाई डुबकी, गंगा आरती कर अक्षयवट और लेटे हनुमान के दर्शन किए

महाकुंभ: वैभव देख अभिभूत हुए भूटान नरेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई। भूटान नरेश महाकुंभ का वैभव देख अभिभूत हुए।

भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भी गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में 'पुण्य की डुबकी' लगाने मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। नामग्याल वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री प्रयागराज पहुंचे और संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

पुरोहितों ने मुख्यमंत्री और भूटान नरेश का विधिविधान से पूजन संपन्न कराया। मुख्यमंत्री और भूटान नरेश में गंगा मां को दुग्ध और माला अर्पित किया। दोनों महानुभावों ने मां गंगा की आरती उतारी। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से भूटान नरेश को छोटा चांदी का कलश सौंपा।

सीएम योगी आदित्यनाथ और राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने गंगा की जलधारा पर कलरव कर रहे साइबेरिया पक्षियों को अपने हाथों में पीले रंग की बास्केट में दाना रखकर चुगाया।

संगत तट पर गंगा की आरती करते सीएम योगी आदित्यनाथ और भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक।

भारत-भूटान मित्रता होगी सुदृढ़

संगम में स्नान-ध्यान के उपरांत भूटान नरेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्षयवट का दर्शन करने पहुंचे। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान जी के मंदिर में मत्था टेका। दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान मंदिर के नजदीक बने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र पहुंचकर महाकुंभ के दिव्य-भव्य और डिजिटल स्वरूप का भी अवलोकन किया। भूटान नरेश का यह दौरा भारत-भूटान मित्रता एवं सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मंत्री और महंत भी हुए शामिल

महाकुंभ नगर में भूटान नरेश की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ के महंत जगद्गुरू संतोष दास (सतुआ बाबा) सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। गौरतलब है कि भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही लखनऊ पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहीं मंगलवार को नामग्याल वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री प्रयागराज पहुंचे और संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

रेलवे ने वसंत पंचमी पर्व पर किया 300 से अधिक ट्रेनों का संचालन

200 नियमित और 106 मेला स्पेशल ट्रेनें चली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. प्रयागराज रेल मण्डल ने तीर्थ यात्रियों के लिए वसंत पंचमी पर्व के दिन 106 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया। इसके साथ ही लगभग 200 नियमित ट्रेनें भी शहर के सभी स्टेशनों से चलाई गई।

इस वर्ष महाकुंभ में वसंत पंचमी पर्व पर 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। जिनके सुगम और सुरक्षित आवागमन के लिए प्रयागराज रेल मण्डल ने लगभग 200 नियमित और 106 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया। मेला स्पेशल ट्रेनें शहर के सभी स्टेशनों से दिशावार गंतव्य स्टेशनों के मुताबिक चलाई गई। लखनऊ, रायबरेली के लिए प्रयाग, फाफामऊ स्टेशन से तो वारणसी की ओर जाने के लिए रामबाग और झूंसी स्टेशन से स्पेशल ट्रेने चलाई गई। दिल्ली, आगरा और कानपुर की ओर प्रयागराज जंक्शन और सूबेदारगंज से, जबकि सतना, मैहर, मानिकपुर दिशा के लिए नैनी और छिवकी स्टेशन से ट्रेनों का संचालन किया गया। अनुमान के मुताबिक वसंत पंचमी पर्व पर लगभग 10 लाख यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य स्टेशनों तक पहुंचा गया।

क्राउड मैनेजमेंट से बनी रही व्यवस्था: पीआरओ अमित मालवीय ने बताया कि वसंत पंचमी पर्व के लिए प्रयागराज से सबसे अधिक 55 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। जबकि छिवकी से 11, नैनी से 2 और सूबेदारगंज से 8 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। वहीं उत्तर रेलवे के प्रयाग और फाफामऊ स्टेशनों से लगभग 15 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, 3 बाराती मरे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहराइच. उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के हुजूरपुर क्षेत्र के गोंडा-बहराइच मार्ग पर एक सड़क हादसे में तीन बाइक सवार युवकों की जान चली गई।

पुलिस ने बताया कि क्षेत्र के ग्राम मोकला निवासी राम आशीष के बेटे का विवाह गोंडा जिले के गडरहवा गांव में तय हुआ था। सोमवार को बारात गांव से रवाना हुई और इस खुशी के मौके पर सनी सिंह (25), टिंकू (20) और बबलू (25) एक ही बाइक पर सवार होकर विवाह समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। रात लगभग 10 बजे, जब वह गोंडा-बहराइच मार्ग पर उधरना सरहदी गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में सनी सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टिंकू और बबलू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी भी मौत हो गई।

बिहार-झारखंड अपडेट
BIHAR-JHARKHAND UPDATE

गैर प्रशासनिक सेवा के छह अधिकारियों का प्रमोशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. भारत सरकार ने गैर झारखंड प्रशासनिक सेवा के छह अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी बनाया है। इसकी अधिसूचना केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने जारी कर दी है। इन 6 अधिकारियों में एक नाम आईपीएस अफसर की पत्नी का भी है। कुछ दिन पहले गैर प्रशासनिक सेवा से आइएएस में चयन के लिए छह रिक्तियों के विरुद्ध यूपीएससी ने इंटरव्यू लिया था। छह पदों के लिए 21 अफसरों के साक्षात्कार हुए थे। इसके बाद अंतिम रूप से छह अफसरों का चयन कर लिया गया।

6 चयनित लोगों में 3 महिलाएं: अधिसूचना झारखंड सरकार को भेज दी गई है। वर्ष 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध इन्हें आईएएस अफसर बनाया गया है। छह नामों में से तीन महिलाएं हैं। इनमें कंचन सिंह, धनंजय कुमार सिंह, सीता पुष्पा, विजय कुमार सिन्हा, प्रीति रानी व राजेश प्रसाद के नाम शामिल हैं।

पुलिस बल ने 20 करोड़ की अफीम खेती को नष्ट किया

रोहतास @ पत्रिका. रोहतास जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र में 20 करोड़ रुपए मूल्य की अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने मंगलवार को बताया कि भादारा गांव के समीप अफीम की खेती देख पुलिस बल ने जेसीबी से नष्ट कराया। उन्होंने बताया कि कुछ अगल-बगल के गांवों के लोगों की मिलीभगत से काफी भू भाग में अफीम की खेती की गई है। अफीम की फसल के फूल और फल भी आ गए थे।

10 फरवरी से राज्य के 24 जिलों में सर्वजन दवा सेवन अभियान होगा शुरू : मंगल पांडेय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए राज्य सरकार 10 फरवरी से राज्य के 24 जिलों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी सर्वजन दवा सेवन अभियान शुरू करने जा रही हैं।

पांडेय ने मंगलवार को बताया कि यह अभियान हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिससे लोग फाइलेरिया से बचाव के लिए फाईलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करें। जागरूकता की कमी के कारण अब भी कई लोग दवा नहीं खाते हैं, जिससे इस गंभीर बीमारी का खतरा बना रहता है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को भी दवा खाने के लिए प्रेरित करें।

घर-घर जाकर दवा दी जाएगी

पांडेय ने बताया कि इस अभियान में पंचायती राज, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, नगर विकास एवं आवास सहित 15 से अधिक विभागों को शामिल किया गया है। इन विभागों की सहभागिता से समाज के हर वर्ग तक फाइलेरिया उन्मूलन का संदेश पहुंचेगा। सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र व्यक्ति दवा खाने से वंचित न रहे।

करोड़ों लेकर भागने का आरोपी गिरफ्तार

दरभंगा @ पत्रिका. दरभंगा समेत कई जिले में रुपए जमा कराकर फरार होने वाले कंपनी के एक कर्मी को गिरफ्तार किया गया है। एसपी जगुन्नाथ रेड्डी ने बताया कि स्वर्ण इंडिया नामक कंपनी बनाकर बहुत लोगों के कई करोड़ रुपए लेकर भागे आरोपी को पकड़ लिया गया है।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत

छपरा @ पत्रिका. बिहार में सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि अरना गांव निवासी संतु साह का पुत्र गजाधर साह मजदूरी कर साइकिल से वापस लौट रहा था। इसी दौरान थाना के सामने अनियंत्रित कार चालक ने उसकी साइकिल को चपेट में ले लिया और फरार हो गया। घायल गजाधर साह को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा।

नीतीश सरकार ने 7000 लोगों को बांटे नियक्ति पत्र

पटना @ पत्रिका. सीएम नीतीश कुमार की सरकार ने विभिन्न विभागों में वर्षों से खाली पड़े करीब 7,000 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इन पदों पर भर्ती कानूनी अड़चनों की वजह से रुकी हुई थी। एक समारोह में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 6,341 जूनियर इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

कानूनी अड़चनों की वजह से रुकी थी भर्ती

चौधरी ने बताया कि बिहार तकनीकी सेवा आयोग (BTSC) ने इन पदों की अधिसूचना 2019 में जारी की थी, लेकिन कई अभ्यर्थियों, जिनमें संविदा पर काम कर रहे कर्मचारी और गैर-सरकारी संस्थानों से डिप्लोमा प्राप्त करने वाले शामिल थे, सभी ने इस भर्ती प्रक्रिया को पटना हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। मंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री के निर्देश पर हमने इन कानूनी अड़चनों का समाधान निकालने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक प्रस्ताव रखा, जिसे मंजूरी मिल गई और भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ी।

हेमंत सोरेन से मिले झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी बेला प्रसाद, झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर राज्य एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ राज्य में संचालित विकास एवं जन कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर भी चर्चा हुई।

कांग्रेस सांसद और प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह मंगलवार को पटना के सदाकत आश्रम में प्रेसवार्ता में पत्रकारों से चर्चा करते वक्ता।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

शव के बंटवारे की मांग नैतिक पतन की पराकाष्ठा

बदलते सामाजिक परिवेश में यों तो रिश्तों को तार-तार करती खबरें आए दिन सामने आती रहती हैं। ऐसा इसलिए भी है कि भौतिकवादी दौर में व्यक्ति स्वार्थी होता जा रहा है। लेकिन मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ में अपने पिता के शव का आधा हिस्सा मांग लेने की घटना समूची मानवता को झकझोरने वाली है। ऐसी खबर जो किसी के इंसान होने पर भी सवाल खड़े करती है। खून के रिश्तों में आई ऐसी कड़वाहट जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। टीकमगढ़ में पिता की मौत पर दो भाइयों ने ऐसा रूप दिखाया कि गमी में आए बुजुर्गों तक के चेहरों पर हवाइयां तैर गईं। दोनों में पिता के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद इस हद तक पहुंच गया कि बड़े ने शव के दो हिस्से करने की मांग उठा दी।

पारिवारिक विवादों की वजहें आमतौर पर एक जैसी होती हैं। कहीं संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद तो कहीं ईर्ष्या का भाव। आपस की ये लड़ाई किसी भी घर की दीवारों को कमजोर करने को काफी है। पुलिस के दखल से शव का बंटवारा किए बिना अंतिम संस्कार तो हो गया लेकिन यह घटना सैंकड़ों सवालों को पीछे छोड़ गई है। सबसे बड़ा सवाल तो यही कि संस्कारों में गिरावट का यह कौनसा दौर है? क्या कोई अपने जन्मदाता को लेकर ऐसी सोच रख सकता है? खून के रिश्तों में आखिर इतनी कड़वाहट कैसे हो सकती? कोई बेटा अपने पिता के शव के दो टुकड़े करने की बात कैसे कह सकता है? पिता की मृत देह के सामने हक की मांग का ऐसा तांडव तो बेहद शर्मसार करने वाला ही है। नैतिक मूल्यों में आई गिरावट का दौर किसी से छिपा नहीं है। आपसी विवाद में खून के रिश्ते भी एक दूसरे के खून के प्यासे होने लगे हैं। संस्कारों में आती जा रही गिरावट इसकी सबसे बड़ी वजह है। पिछले वर्षों में हमारे यहां संयुक्त परिवार जैसी संस्था को जिस तरह से नुकसान हुआ है वह भी सबके सामने है। बार-बार यह कहा जाता रहा है कि भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत संयुक्त परिवार है। संयुक्त परिवार, आपदा के हर मौके पर न केवल परिवार के सदस्यों बल्कि अपने दूसरे प्रियजनों की भी ढाल बनकर सामने आते रहे हैं। लेकिन एकल परिवारों ने रिश्तों में कटुता लाने का काम भी खूब किया है, इसमें संशय नहीं।

बात-बात में माता-पिता का तिरस्कार, उन्हें वृद्धाश्रम भेजने और यहां तक कि उनसे मारपीट के मामले नैतिक मूल्यों में आती जा रही गिरावट के प्रतीक हैं। लेकिन टीकमगढ़ की यह घटना तो जैसे अमानवीयता की तमाम सीमाएं लांघने वाली है। ये गंभीर चिंतन का विषय भी है। परिवारों के लिए बड़ी सीख यही है कि आपसी विवाद घर की दहलीज पर ही खत्म करना जरूरी है।

ट्रंप के कदम : टैरिफ बढ़ाने का फैसला अमरीका के कुल आयात के लगभग 40% भाग को प्रभावित करेगा

'टैरिफ वॉर' से अमरीका की भी राह आसान नहीं

वेद माथुर
लेखक पूर्व बैंकर तथा आर्थिक व राजनीतिक मामलों के जानकार हैं
@patrika.com

ट्रंप ने भारत को फिलहाल इस टैरिफ विवाद से अलग रखा है। इसके दो प्रमुख कारण हैं- एक ओर तो भारत एक विशाल उपभोक्ता बाजार है तथा दूसरी ओर भारत अमरीका के साथ बातचीत के जरिए टैरिफ विवाद हल करने के लिए तत्पर है।

अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के नए टैरिफ फैसलों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मचा दी है। मैक्सिको, कनाडा और चीन से आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ वृद्धि कर उन्होंने इन देशों के साथ व्यापारिक तनाव बढ़ा दिया है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या टैरिफ केवल एक आर्थिक नीति है, या यह अब 'शीत युद्ध' का हिस्सा बन चुका है? ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको से आयातित वस्तुओं पर 25% तथा चीन से आयातित वस्तुओं पर 10% टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। हालांकि ट्रंप ने फिलहाल 30 दिनों के लिए मेक्सिको और कनाडा पर अपने नियोजित टैरिफ को रोकने का निर्णय लिया है। यह फैसला कनाडा और मेक्सिको की ओर से सीमा सुरक्षा और मादक पदार्थों की तस्करी के मुद्दे पर अमरीका की चिंताओं को दूर करने के लिए उठाए गए ठोस कदमों के बाद लिया गया है।

अमरीका द्वारा मैक्सिको, कनाडा और चीन पर टैरिफ बढ़ाने तथा यूरोपीय देशों को भी टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी देने के क्या परिणाम होंगे, यह भविष्य बताएगा। लेकिन इससे अमरीकी उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी और कई देश अमरीकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाकर जवाब देंगे, जिससे अमरीका का निर्यात प्रभावित होगा और आर्थिक वृद्धि की गति धीमी हो सकती है। वैसे अमरीका का टैरिफ संबंधी निर्णय लागू होने पर उसके कुल आयात के लगभग 40% भाग को प्रभावित करेगा, क्योंकि अमरीका अपने अधिकांश उत्पाद इन्हीं तीन देशों से आयात करता है। इस फैसले का असर अन्य देशों की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। मैक्सिको की 80% और कनाडा की 70% अर्थव्यवस्था अमरीकी व्यापार पर निर्भर है। यदि ये टैरिफ जल्द नहीं हटाए गए, तो सीमा-पार व्यवसायों को भारी नुकसान होगा। इसके चलते मैक्सिको मंदी में जा सकता है, अमरीका में महंगाई और आर्थिक विकास की गति धीमी हो सकती है और कनाडा की अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कमजोर मैक्सिकन अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी बढ़ेगी, जिससे अमरीका में अवैध प्रवास और संगठित अपराध की समस्या और गंभीर हो सकती है।

ट्रंप ने अमरीकियों को टैरिफ से बचाने के लिए प्रति दिन 800 डॉलर तक के शुल्क-मुक्त आयात की पात्रता या छूट समाप्त करने का भी आदेश दिया है। ऐसा लगता नहीं कि ट्रंप प्रशासन इस फैसले को वापस लेगा। यह चीन की ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए बड़ा झटका है। चीन की 'टेमू' और 'शीन' जैसी ऑनलाइन कंपनियों ने अमरीकी खुदरा विक्रेताओं को दरकिनार कर चीन के कारखानों से सीधे अमरीकी उपभोक्ताओं तक सामान की डिलीवरी करके अरबों डॉलर का लाभ कमाया है। ट्रंप के नए आदेश से इन कंपनियों की बिक्री और लाभ में भारी गिरावट आ सकती है। मैक्सिको, कनाडा और चीन से ट्रंप की नाराजगी के मुख्य रूप से ये कारण हैं- अमरीका में बढ़ते आयातों के कारण व्यापार घाटे में निरंतर वृद्धि हो रही है। साथ ही सस्ते विदेशी उत्पादों के कारण औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई है। अमरीका में लगभग 1.1 करोड़ अवैध प्रवासी रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश मैक्सिको से आए हैं। अमरीका का आरोप है कि मेक्सिको से भारी मात्रा में नशीली दवाएं अमरीका में अवैध रूप से भेजी जाती हैं और मेक्सिको की सरकार संगठित अपराध और नशीले पदार्थों की तस्करी को संरक्षण दे रही है। अमरीका, कनाडा और मैक्सिको की ऑटो इंडस्ट्री आपस में जुड़ी हुई हैं। अमरीका में बिकने वाली हर पांच में से एक कार या ट्रक कनाडा या मैक्सिको में निर्मित होता है। 2023 में अमरीका ने मैक्सिको से 69 बिलियन डॉलर और कनाडा से 37 बिलियन डॉलर की कारें और ट्रक आयात किए। 25% टैरिफ लागू होने से ऑटोमोबाइल उत्पादन लागत बढ़ जाएगी और अमरीका में कारों की कीमत औसतन 3000 डॉलर तक बढ़ सकती है। इन प्रतिबंधों से भारत को नए व्यापारिक अवसर मिल सकते हैं। अमरीका भारत से अधिक आयात कर सकता है, विशेष रूप से आईटी, फार्मा और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भारत को बड़ा लाभ हो सकता है। हालांकि, अमरीका द्वारा कुछ देशों पर टैरिफ दरों में अप्रत्याशित वृद्धि से उत्पन्न आर्थिक अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे भारत में महंगाई बढ़ने की आशंका हो जाएगी।

अमरीका भारत द्वारा आयात किए जाने वाली सामग्री पर लगाए गए टैरिफ को ज्यादा बता रहा है लेकिन ट्रंप ने भारत को फिलहाल इस टैरिफ विवाद से अलग रखा है। इसके दो प्रमुख कारण हैं- एक ओर तो भारत एक विशाल उपभोक्ता बाजार है तथा दूसरी ओर भारत अमरीका के साथ बातचीत के जरिए टैरिफ विवाद हल करने के लिए तत्पर है। अब सवाल यह है कि क्या मैक्सिको, कनाडा और चीन को अपनी नीतियों में बदलाव करना पड़ेगा या अमरीका को टैरिफ को हथियार की तरह उपयोग करने की रणनीति छोड़नी होगी? इस प्रश्न के जवाब के लिए अभी कुछ समय प्रतीक्षा करनी होगी।

फैक्ट फ्रंट

ओलिव रिडले सी-टर्टल

समुद्र में पाए जाने वाली एक छोटी आकार की कछुए की प्रजाति है ओलिव रिडले सी-टर्टल, जो मुख्य रूप से उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय समुद्रों में रहती है। इनका वैज्ञानिक नाम लेपिडोचेलेसि ओलिवसिया है और इनकी पहचान उनके हल्के जैतून रंग के खोल से होती है। ओलिव रिडले कछुए विशेष रूप से अपनी अरेंबडा प्रजनन प्रक्रिया के लिए प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों कछुए एक साथ समुद्र तट पर आकर अंडे देते हैं। यह प्रजाति संकटग्रस्त है और इनके संरक्षण के लिए कई अंतरराष्ट्रीय प्रयास किए जा रहे हैं।

अर्थ जगत : उच्च मुद्रास्फीति की वजह से क्रयशक्ति प्रभावित हो रही थी

मध्यम वर्ग को आयकर में छूट के बाद भी राजकोषीय विवेक वाला बजट

अजित रानाडे
वरिष्ठ अर्थशास्त्री तथा राजनीतिक विश्लेषक
(द बिलियन प्रेस)
@patrika.com

किसी भी वित्त मंत्री के लिए केंद्रीय बजट प्रस्तुत करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। उन्हें आर्थिक विकास को गति देने, वंचित वर्गों को सब्सिडी देने के साथ वित्तीय संतुलन बनाए रखना होता है। कभी-कभी विरोधाभासी उद्देश्यों को संतुलित करना भी शामिल होता है। इसी परिप्रेक्ष्य में, वित्त मंत्री ने लगातार आठवीं बार बजट पेश किया, जिसमें 51 लाख करोड़ रुपए खर्च करने और 35 लाख करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा गया है। इस अंतर का प्रबंधन कर्ज लेकर किया जाएगा जो उधार से पूरा किया जाने वाला घाटा है। भले ही, बजट का मुख्य आकर्षण व्यक्तिगत आयकर में बड़ी कटौती का होना है, फिर भी राजकोषीय विवेक की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं किया गया है।

कुछ साल पहले जैसा कि सरकार ने प्रतिबद्धता जताई थी, अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.5 प्रतिशत से कम करने का लक्ष्य है। राजकोषीय घाटा कम करने की भारत की यात्रा में यह मील का पत्थर है जो औसतन जीडीपी वृद्धि 7% बनाए रखने और पिछले कुछ वर्षों से पूंजीगत व्यय में वृद्धि के बावजूद हासिल किया गया है। आयकर संग्रह से होने वाली आय में लगभग एक लाख करोड़ रुपए की कमी आने के बावजूद राजकोषीय घाटे को वित्त वर्ष 2025-26 तक घटाकर जीडीपी के 4.4 प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास किया गया है। आयकर में छूट की सीमा को 12.75 लाख रुपए तक बढ़ाना वर्ष 2019 में घोषित सात लाख की सीमा के मुकाबले बड़ी छलांग है। मुख्यतः यह छूट मध्यम वर्ग को संबोधित करती है। इतनी भारी कर छूट से लाखों लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। हालांकि यह व्यक्तिगत करदाता आधार यानी करदाताओं की संख्या बढ़ाने के सिद्धांत के खिलाफ है। भारत में 8 करोड़ लोग आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं, पर इनमें मुश्किल से ढाई करोड़ लोग ही शून्य से थोड़ा अधिक कर चुकाते हैं। देखा जाए तो उपभोग व्यय में सुस्त वृद्धि के चलते विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, कर में छूट जरूरी हो गई थी। मध्यम वर्ग की भी शिकायत थी कि उच्च मुद्रास्फीति की वजह से उनकी क्रयशक्ति प्रभावित हो रही है। भले ही सरकार ने करों में कटौती की हो, फिर भी वित्त मंत्री को उम्मीद है कि कुल कर संग्रह नाममात्र जीडीपी से अधिक तेजी से बढ़ेगा, जो अगले वर्ष 10.5% अनुमानित है। हालांकि वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल और आर्थिक सर्वेक्षण के गंभीर अनुमानों के मद्देनजर यह साहसिक अवधारणा है। उम्मीद है कि अगले साल राजकोषीय घाटा कम होने, मुद्रास्फीति में नरमी और बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ने से रिजर्व बैंक अपनी अगली बैठक में ब्याज दरें कम करने की ओर बढ़ सकता है।

बजट की प्रमुख विशेषताओं में एक है- रेग्युलेटरी समाधान के लिए लगातार प्रयास करना। आर्थिक सर्वेक्षण में भी इसे चिह्नित करते हुए प्रभावशाली तरीके से सरकार से व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने को कहा गया है। उद्यमियों को अपना व्यवसाय चलाने दें और इंस्पेक्टर-राज और अनुमति-अनुपालन के बोझ में न फंसें। जुलाई में वित्तमंत्री के भाषण में एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव से जुड़ी कुछ घोषणाएं थी, यह योजना उत्पादन प्रोत्साहन की समान तर्ज पर थीं। तथ्य तो यह है कि मजदूरी स्थिर है क्योंकि रोजगार नहीं बढ़ रहे हैं। रोजगार सृजन तभी संभव है जब लगभग पांच लाख नए लघु एवं मध्यम उद्यम धरातल पर उतरें। इसके लिए जरूरी है कि नियामकों में सुधार किए जाएं, न केवल व्यापार चलाने बल्कि शुरू करने और बंद करने के लिए भी। उम्मीद है कि रेग्यूलेटरी रिफॉर्म्स कमेटी की सिफारिशों में यह सारे तथ्य आएंगे। उम्मीद करें कि रेग्यूलेटरी रिफॉर्म्स निवेश नीतियों की स्थिरता, अनुरूपता और अनुमान को सार्थकता देने वाले होंगे। ये रिफॉर्म्स घरेलू स्तर पर आर्थिक विकास को पुनर्जीवित करने में देश की जनसांख्यिकी, शहरीकरण और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था की मदद से सकारात्मक प्रभाव लिए होंगे।

द मड मेड : प्रकृति और मानव के बीच सुंदर संबंध

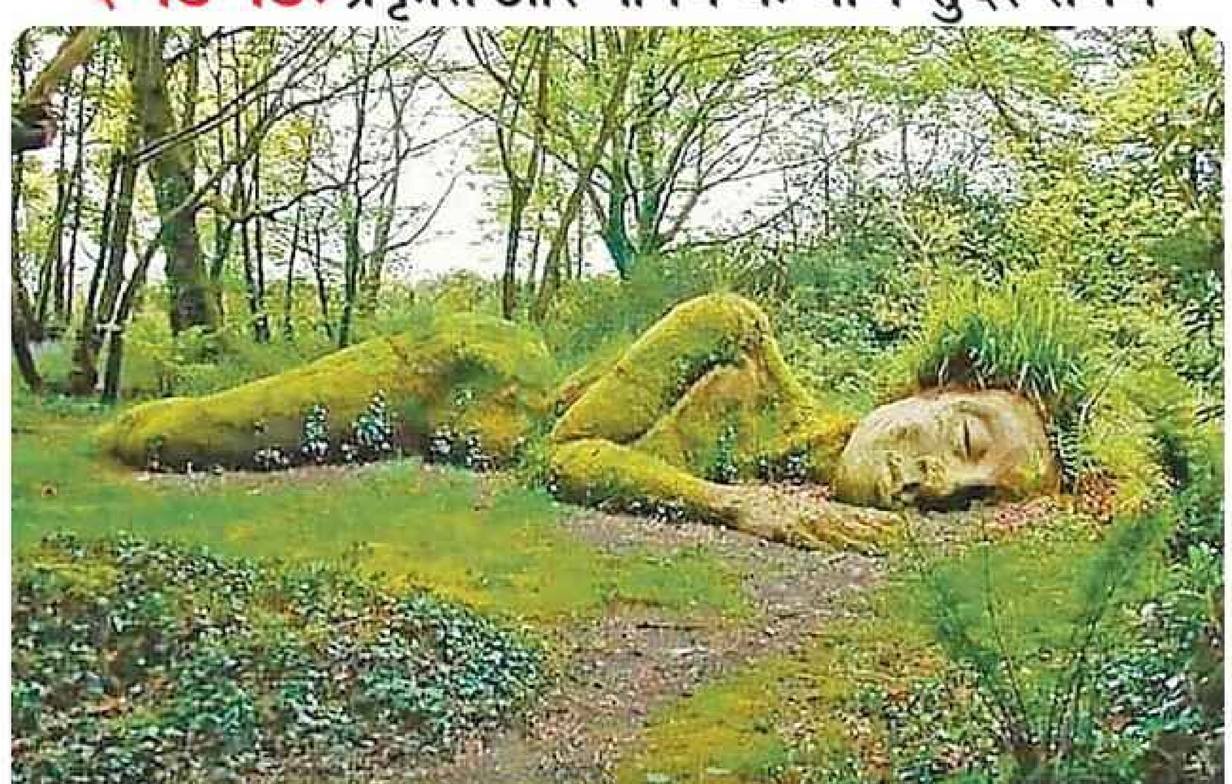

सुए हिल की बनाई 'द मड मेड' को इंग्लैंड के कॉर्नवाल स्थित लास्ट गार्डन्स ऑफ हेलिगन में देखा जा सकता है। यह एक अद्भुत मिट्टी की मूर्ति है, जिसकी खासियत यह है कि इसके बाल और पहनावा मौसम के अनुसार बदलते रहते हैं। स्थानीय पौधे और काई समय के साथ मूर्ति को ढक लेते हैं, जिससे वह हर मौसम के साथ नई रूप-रंग में दिखाई देती है। इस अद्वितीय कलाकृति को प्रकृति और मानव के बीच एक सुंदर संबंध के रूप में देखा जा सकता है, जो समय के साथ और बदलते पर्यावरण के साथ जीवित रहती है।

प्रसंगवश

प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखना बड़ी चुनौती

पेपर आउट होना सिर्फ गोपनीयता पर ही सवाल खड़े नहीं करता, बल्कि सिस्टम को भी चुनौती देता है

प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर युवा वर्ग हर कहीं कुंठा का शिकार दिखता है। यह कुंठा परीक्षाओं की तैयारी से ज्यादा इस बात की व्यथा से उपजती है कि भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष हो पाएंगी अथवा नहीं? सख्त कानून बनाने और एसओजी की लगातार कार्रवाई के बाद भी राजस्थान में पेपरलीक के मामले सामने आने से युवाओं की कुंठा बढ़ रही है। पिछली सरकार के समय दस से अधिक बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपरलीक होने की वजह से 40 लाख से अधिक बेरोजगारों को दर्द मिला था। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। नई सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी यह खेल थम नहीं रहा। पिछले दिनों नर्सिंग का पेपरलीक होने से परीक्षा तक को स्थगित करना पड़ा। डीएलएड द्वितीय वर्ष की अंग्रेजी विषय का पर्चा आउट होने के बाद शिक्षा विभाग ने परीक्षाएं स्थगित की। वहीं नेशनल सीड्स कॉर्पोरेशन की एग्री ट्रेनी परीक्षा में ऑनलाइन ऐप से बिछाया नकल का जाल प्रतिभाओं के बुने सपनों को फांसता मिला। पेपर आउट होने के बाद परीक्षाएं स्थगित या निरस्त होने से युवाओं का मनोबल भी टूटता है।

पेपर आउट होना सिर्फ परीक्षाओं की गोपनीयता पर ही सवाल खड़े नहीं करता बल्कि सिस्टम को भी चुनौती देता है। पेपर लीक और हाईटेक नकल के प्रकरण सरकार के लिए बड़ी चुनौती हैं। पिछले कुछ सालों में ऐसे मामलों का खराब इतिहास रहा है। परीक्षा से पहले लगातार कई पेपर बाहर आए हैं। जिनकी पहुंच है, उन्हें मिल जाते हैं और ऐसे लोग मेहनत को मुंह चिढ़ाने का काम भी करते हैं। पिछले घटनाक्रमों से चिंतित कई युवा अब प्रदेश में नौकरी के लिए होने वाली परीक्षाओं की बजाय केंद्र की प्रतियोगी परीक्षाओं को तरजीह देने लगे हैं। प्रतिभाओं का ऐसा भरोसा टूटना सरकार के लिए बड़ा सवाल है। सरकार का दायित्व है कि वह व्यवस्था का ऐसा शिकंजा कसे कि कोई पेपर लीक या नकल का दुस्साहस न कर सके। सिस्टम को इस कदर दुरुस्त बनाए कि किसी का परीक्षाओं से विश्वास न टूटे। इसके लिए प्रक्रिया की खामियों को पहचानना होगा और इन्हें दूर करने का जतन करना होगा। उनकी धरपकड़ भी जरूरी है जो पेपर को परीक्षा से पहले बाजार में लाकर युवाओं के हित पर कुठाराघात कर रहे हैं। देखा जाए तो आगामी दिनों की प्रतियोगी परीक्षाएं भी खुद सरकार के लिए भी परीक्षा की घड़ी हैं। - **आशीष जोशी**

ashish.joshi@epatrika.com

एल्बम 'त्रिवेणी' के लिए ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाली चंद्रिका कृष्णामूर्ति टंडन का जीवन के प्रति नजरिया

संगीत मुझे अंतर्मन की गहराइयों तक लेकर जाता है...

स्पीक & कनेक्ट

मैं बेहद ही साधारण तमिल परिवार से ताल्लुक रखती हूं। जब पहली बार 23 साल की उम्र में अमरीका आई तो मेरे पास सर्दी के लिए कोट भी नहीं था। हल्के सिल्क की दो साड़ियां, एक पीले व एक नीले रंग की, जिसमें मैंने मैकेंजी के इंटरव्यू दिए और कामयाबी पाई। हम भारतीय मेहनत से नहीं डरते क्योंकि हमें कठिन परिश्रम करना सिखाया जाता है। अपनी मेहनत के दम पर अमरीका की धरती, जो कभी मेरे लिए परदेस था, अब मेरे डीएनए में है, वहां सफलता के पायदान चढ़े। 1999 तक अपनी कंपनी खड़ी कर चुकी थी, लेकिन इतना करने के बाद भी मन में संतुष्टि नहीं थी, पैसा कमाने के बाद भी लगता था कि सफलता क्या है?

मैं 'क्राइसिस ऑफ स्पिरिट' से गुजर रही थी। यह मुझे शांति से बैठने नहीं दे रहा था। मैं बहुत कुछ कर रही थी, लेकिन अंदर से संतुष्टि नहीं मिल पा रही थी। मेरे दिमाग में हर वक्त एक ही सवाल रहता था कि मैं यहां क्यों हूं, मुझे किस चीज से खुशी मिलेगी? जीवन बहुत छोटा है, हो सकता है कि आप अपने 80वें बसंत तक भाग्यशाली रहे हों, पर आपको क्या चीज खुशी दे रही है, उसके बारे में सोचना होगा। फिर मैंने अपने चारों तरफ खोजना शुरू किया कि मुझे क्या-क्या चीजें खुशी देती हैं। मुझे अपने जवाब के तौर पर अंदर की खुशी केवल संगीत में नजर आई। मैंने अपने जीवन की यात्रा को संगीत के साथ ही आगे बढ़ाने का फैसला कर लिया। संगीत मेरे लिए वह है, जो मुझे खुद से कनेक्ट करता है। वह मुझे मेरे अंतर्मन की गहराइयों में लेकर जाता है। मैं सोचती हूं कि जब तक आपका दिमाग शांत न हो, तब तक आप अच्छे संगीतकार नहीं बन सकते। इसमें मेडिटेशन बहुत मदद करता है।

मैंने इंग्लिश, फ्रेंच, पुर्तगाली बहुत-सी भाषाओं में गाने गाए हैं। संगीत ही वह माध्यम बना, जिसने मुझे मेरी असली पहचान से जोड़ा। 'सोल कॉल' मेरा दूसरा एलबम था। मैं पहले 'सोल मंत्र' के बारे में बताना चाहूंगी कि चूंकि भारतीय संस्कृति मेरे अंदर आज भी रची-बसी है तो उसका प्रभाव हमेशा मुझ पर रहा। मैंने सोचा चलो एक एलबम बनाते हैं, जो मेरे ससुर के लिए एक उपहार सरीखी थी।

1999 तक अपनी कंपनी खड़ी कर चुकी थी, लेकिन इतना करने के बाद भी मन में संतुष्टि नहीं थी, पैसा कमाने के बाद भी लगता था कि सफलता क्या है?

मेरे ससुर 90 वर्ष के थे, 90 वर्ष में आदमी क्या चाहता है। वह वास्तव में कुछ नहीं चाहते थे। मैंने एक एलबम बनाया जिसमें ओम नमः शिवाय को विभिन्न तरह से इंडियन स्केल में तैयार करने का विचार आया। यह सिर्फ मेरे ससुर के लिए था, क्योंकि उन्हें मंत्र पसंद था। उसके बाद 'सोल कॉल' आया।

जब 'सोल कॉल' रिलीज हुआ तो लोगों से मुझे उसका काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। इसमें मंत्र था, ओम नमो नारायणा। इसको लेकर मुझे लोगों के मेल प्राप्त होने लगे, जिसमें किसी ने कहा कि मेरा बेटा एल्कोहॉलिक था, लेकिन कुछ महीनों तक उसने यह एलबम सुना और शराब छोड़ दी। किसी ने कहा कि उसकी बहन को ब्रेन ट्यूमर है, वह रिस्पॉन्स नहीं करती, लेकिन इस एलबम को सुनने के बाद आंखों से रिस्पॉन्स करने लगी है। हर स्टोरी ने मुझे बहुत भावुक कर दिया। मेरे अंतर्मन को छुआ। तब मैंने महसूस किया कि मेरा म्यूजिक हीलिंग कर रहा है। इसने मुझे आंतरिक सुख का अनुभव कराया। एक दिन कोई मेरे पास आया और वह बोला कि वह कई समय से 'सोल कॉल' सुन रहा है और इससे बेहतर महसूस करता है।

भारतीय परम्परा के मुताबिक उस समय 16-17 साल की उम्र में शादी हो जाती थी। आपको ताज्जुब होगा कि कॉलेज में एडमिशन के लिए मैंने भूख हड़ताल कर दी थी। मेरी स्कूल की नन ने जब मां को समझाया तो वह कॉलेज एडमिशन पर राजी हुईं। जहां तक शादी की बात है, मेरी मां ने रिश्ते बहुत देखे लेकिन मैंने सब रिजेक्ट कर दिए। अपनी पति से मैं ब्लाइंड डेट पर न्यूयॉर्क में मिली। मेरे पति भारतीय हैं, लेकिन हमसे बिल्कुल अलग थे। वे नॉन वेजिटेरियन थे। यह बात जब मेरी मां को पता चली तो वह बहुत शॉक्ड हो गई थीं।

मैं भारतीय संस्कृति का बेहद सम्मान करती हूं। मैं मानती हूं कि भारतीय परंपराओं में निहित योग, आयुर्वेद और प्राणायाम जीवन को स्वस्थ और समृद्ध बनाने का अद्भुत तरीका है। भारत की संस्कृति दुनियाभर में फैल चुकी है और यह पश्चिमी देशों में भी देखा जा सकता है। हमारे भारतीय मूल्यों और परंपराओं ने दुनियाभर में अपना प्रभाव छोड़ा है। भारत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बहुत मजबूत है, इसलिए वहां के लोग देश-दुनिया में बेहद सफल हैं। भारत में कठिन परिश्रम सिखाया जाता है, गुरुओं का आदर सिखाते हैं। मानवीय मूल्यों का सम्मान किया जाता है। वहां अतिथि देवो भवः का कल्चर है।

(चंद्रिका कृष्णामूर्ति टंडन के विभिन्न साक्षात्कारों से लिए गए प्रमुख अंश)

आपकी बात

आत्मविश्वास बढ़ाने की जरूरत

खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाना होगा। पुरुषों की तरह उन्हें भी खेल सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। तभी खेलों में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। - **नरेश कानूनगो, देवास**

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'खेलों में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए किस तरह के प्रयास किए जाने चाहिए?' ऑनलाइन भी देखें।

इसे स्कैन करें

https://shorturl.at/EX8e8

आज का सवाल

बच्चों को परीक्षा की तैयारी में तनाव न हो, इसके लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

सीबीआई

सैक्स सीडी कांड की सुनवाई 25 को

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. सीबीआई के स्पेशल कोर्ट में सैक्स सीडीकांड की सुनवाई 25 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर रायपुर की सीबीआई अदालत में मामले की सुनवाई शुरु होने पर मंगलवार को बचाव पक्ष के अधिवक्ता यूबी पांडेय ने बताया कि चुनाव एवं अन्य कारणों से उनके पक्षकार बाहर हैं। इसे देखते हुए अदालत ने सुनवाई को आगे बढ़ा दिया। बता दें कि 2018 के विधानसभा चुनाव के ठीक पहले एक सीडी विभिन्न माध्यमों से सार्वजनिक हुई थी। इसे प्रचारित किया गया कि सीडी में तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री राजेश मूणत हैं।

कांग्रेस अपना घोषणा पत्र संस्थापक एओ ह्यूम को समर्पित करे : झा

रायपुर@पत्रिका. भाजपा के घोषणा पत्र के बाद कांग्रेस द्वारा मोदी व अटल पर निशाना साधने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस को चुनौती दी कि उनहें अपना घोषणा पत्र संस्थापक एओ ह्यूम को समर्पित करना चाहिए। पंकज कुमार झा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि अटल विश्वास पत्र में अटलजी के नाम पर सवाल उठाया है। यह उनकी खिसियाहट के अलावा और कुछ नहीं हैं।

डीजीपी जुनेजा रिटायर, नहीं मिला एक्सटेंशन

वरिष्ठ आईपीएस अरुण देव गौतम बने प्रभारी पुलिस महानिदेशक

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. भारतीय पुलिस सेवा 1992 बैच के अरुण देव गौतम को प्रभारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बनाया गया है। उन्हें डीजी नगर सेना, संचालक लोक अभियोजन एवं एसडीआरएफ के साथ ही डीजीपी की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वे डीजीपी अशोक जुनेजा के स्थान पर प्रभारी डीजीपी बनाए गए हैं। राज्य सरकार के निर्देश पर गृह विभाग के विशेष सचिव अभिजीत सिंह द्वारा मंगलवार को इसका आदेश जारी किया गया है। इसमें आगामी आदेश तक के लिए अस्थाई रूप से डीजीपी का प्रभार दिए जाने का आदेश जारी किया गया है। वर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा को एक्सटेंशन नहीं मिलने पर अरुण देव गौतम पुलिस महकमे के मुखिया होंगे। हालांकि अंतिम समय तक अशोक जुनेजा को एक्सटेंशन मिलने को लेकर अंतिम समय तक असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। राज्य और केंद्र सरकार से किसी भी तरह का संकेत नहीं मिलने पर माना जा रहा था कि दूसरी बार फिर एक्सटेंशन मिल सकता है। लेकिन, किसी भी तरह का आदेश नहीं आने पर एडी गौतम को डीजीपी बनाने का आदेश जारी किया गया।

किसान परिवार से ताल्लुक : आईपीएस अरुण देव उत्तर प्रदेश के कानपुर के पास फतेहपुर जिले के अभयपुर गांव के रहने वाले हैं। उनका जन्म 2 जुलाई 1967 को हुआ। वे किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। पिता कृषक हैं। वे पांच भाई और एक बहन हैं। अभयपुर गांव फतेहपुर जिले में जरूर आता है मगर कानपुर से दूरी मात्र 30 किलोमीटर है। अरुण देव गौतम ने आठवीं तक की स्कूली शिक्षा अपने गांव के ही सरकारी स्कूल से की। फिर आगे की पढ़ाई करने के लिए वे अपने बड़े भाई के पास इलाहाबाद आ गए। इसके बाद दसवीं और बारहवीं उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज इलाहाबाद से पूरी की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से आर्ट्स लेकर बीए किया। इसके बाद राजनीति शास्त्र में एमए किया। इस दौरान उनके कई दोस्तों ने यूपीएससी की परीक्षा दी। इसको देखते हुए जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय कानून में एमफिल की डिग्री हासिल की। इसके बाद पीएचडी करना प्रारंभ किया। यूपीएससी परीक्षा में पहली बार असफल रहने के बाद दूसरी बार में आईपीएस के लिए सलेक्शन हुआ।

नक्सल इलाके में आईजी की जिम्मेदारी निभाई

अरुण देव गौतम

बिलासपुर में पहली बार सीएसपी के पद पर पदस्थ होने के बाद उसी जिले में एसपी और फिर आईजी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। झीरम घाटी में हुए 2013 नक्सली हमले में कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं की मौत के बाद अरुण देव गौतम को बस्तर आईजी बना कर भेजा गया। इसके कुछ ही माह बाद नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव सफलतापूर्वक चुनाव करवाने में अरुण देव गौतम की भूमिका रही।

पहली पोस्टिंग सीएसपी बिलासपुर

अरुण देव गौतम 1992 बैच के आईपीएस अफसर बनने के बाद पहले मध्यप्रदेश कैडर एलॉट हुआ था। प्रशिक्षु आईपीएस के तौर पर उनकी जबलपुर में पोस्टिंग हुई। इसके बाद बिलासपुर के सीएसपी, एसडीओपी कवर्धा और फिर एएसपी एसपी भोपाल पदस्थ किया गया था। इस दौरान मध्यप्रदेश पुलिस में 23 वीं बटालियन के कमांडेंट भी रहे। एसपी के रूप में पहली बार मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ कैडर आवंटित किया गया था। राज्य निर्माण के बाद कोरिया, रायगढ़, जशपुर, राजनांदगांव, सरगुजा और बिलासपुर जिले के एसपी रहे। इसी लंबे समय तक वे गृह सचिव के रूप में पदस्थ रहे हैं। 2009 में राजनांदगांव में नक्सली हमले में तात्कालीन एसपी विनोद चौबे सहित 29 पुलिसकर्मियों के शहीद होने के बाद अरुण देव गौतम को वहां का एसपी बन कर भेजा गया। पदोन्नति के बाद डीआईजी बनाए जाने पर पुलिस हेडक्वार्टर, सीआईडी, वित्त और योजना, प्रशासन व सीएम सुरक्षा के महत्वपूर्ण विभागों में पदस्थ रहे।

सियासी दांव : अंबिकापुर में प्रचार के दौरान कहा-

टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ेंगे अगला चुनाव: चरणदास महंत

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

अंबिकापुर. छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने अंबिकापुर में सियासी बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अगला विधानसभा चुनाव टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में हम एक नहीं थे, इस वजह से चुनाव हारे, अब हम एक हैं और अगले चुनाव में हम कांग्रेस की सरकार बनाएंगे।

चरणदास महंत के बयान के दौरान मंच पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव भी मौजूद थे। अंबिकापुर नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस व भाजपा अपने-अपने पक्ष में जनता को करने जुटी हुई हैं।

मंगलवार को महंत मेयर चुनाव को लेकर अंबिकापुर के घड़ी चौक पर कांग्रेस द्वारा आयोजित आमसभा के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव टीएस सिंह देव के नेतृत्व में लड़ने की बात कही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कही ये बातें

महंत ने कहा कि हमेशा जो कुछ भी हुआ है, सरगुजा व बस्तर के नेतृत्व में हुआ है। आगामी चुनाव हम टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ेंगे। हम सब साथ रहेंगे। टीएस सिंहदेव को सीएम बनाए जाने के सवाल पर कहा कि हम सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। बाबा के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे तो जीतेंगे भी और कांग्रेस की सरकार भी बनाएंगे।

निकाय चुनाव : आज जारी होगा कांग्रेस का घोषणा पत्र

रायपुर@पत्रिका. नगरीय निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र 5 फरवरी को सुबह 11 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन सहित प्रदेश के सभी मुख्य शहरों में एक साथ जारी किया जाएगा।

कोरबा : नदी में तलाश जारी, अनहोनी की आशंका

3 युवक लापता, नदी किनारे मिले कपड़े और मोबाइल

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

कोरबा. तीन युवक घर से घूमने की बात कहकर बाहर निकले और इसके बाद नहीं लौटे। खोजबीन के दौरान युवकों का कपड़ा घर से थोड़ी दूर हसदेव नदी किनारे मिला है। यहां तीनों का जूता, बाइक और मोबाइल भी पड़ा हुआ है। गोताखोरों के साथ मिलकर पुलिस हसदेव नदी के पानी में पतासाजी कर रही है। दर्री थानांतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य बिजली उत्पादन कंपनी के के-2 विहार में रहने वाला सागर चौधरी (22), आशुतोष सोनीकर (22) अयोध्यापुरी निवासी बजरंग शाह (19) दोपहिया वाहन में सवार होकर सोमवार सुबह घर से घूमने के लिए बाहर निकले। शाम तक तीनों युवक घर नहीं लौटे तब परिवार की चिंता बढ़ने लगी। परिवार के लोगों ने आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की। अनहोनी की आशंका से ग्रसित परिवार के लोगों ने घटना की सूचना देर रात दर्री थाना को दी।

दर्री क्षेत्र से तीन युवक लापता हैं। उनका कपड़ा, जूता, मोबाइल फोन और बाइक हसदेव नदी किनारे ढांढपारा में मिला है। डूबने की आशंका है। गोताखोरों के साथ मिलकर नदी में तलाश जारी है।

- **विमल पाठक,** नगर पुलिस अधीक्षक, दर्री

भाजपा अब थीम सांग के जरिए वोटरों को लुभाएगी

छह दिन में बड़े नेताओं को भी धुआंधार प्रचार करने की नसीहत

रायपुर@पत्रिका. नगरीय निकाय चुनाव में अब सिर्फ छह दिन ही बाकी है। 11 फरवरी को मतदान होगा। इसके बाद 15 फरवरी को रिजल्ट आएगा। चुनाव के दिन कम बचे हैं, इसलिए अब भाजपा-कांग्रेस ने पूरी ताकत लगानी शुरू कर दी है। भाजपा जहां निकाय चुनाव को लेकर पहले घोषणा पत्र जारी किया। इसमें हर वर्ग को लुभावने की कोशिश की गई है। अब भाजपा ने चुनाव का थीम सांग जारी कर लोगों को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की जा रही है। छत्तीसगढ़ी में थीम बनाई गई है, जो सुनने में मधुर है। साथ ही वोटरों को अपील की भी कर रहा है।

मेयर से लेकर पार्षद तक के लिए प्रचार: वरिष्ठ नेता भाजपा के मेयर प्रत्याशी से लेकर अपने खास प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। ताकि निकायों में मेयर और अध्यक्ष ज्यादा से जीतकर आए। साथ ही पार्षदों की संख्या में कांग्रेस से अधिक जीतकर आए। ताकि सामान्य सभा में मेयर और अध्यक्ष की परिषद द्वारा लाए जाने वाले एजेंडे बहुमत से पास हो सकें।

प्रचार में वरिष्ठ नेताओं का दौरा जारी

प्रदेश भाजपा संगठन निकाय चुनाव के लिए जिलेवार वरिष्ठ नेताओं की ड्यूटी लगाई है। साथ ही चुनाव संचालक का जिम्मा भी सौंपा है। इन सबसे इतर साय सरकार के मंत्रीगण भी अपने-अपने प्रभार वाले जिले और गृह क्षेत्रों के निकायों में पूरी जोर लगाने में लगे हुए हैं। धुआंधार प्रचार भी कर रहे हैं। साथ ही रूठों को मनाने की कोशिश हो रही है, ताकि पार्टी से बागी कर भाजपा के वोट काटने वाले समय पर आ जाए।

सोशल मीडिया के जरिए दोनों राजनीतिक दल एक-दूसरे पर साध रहे निशाना

निकाय चुनाव : भाजपा-कांग्रेस में परिवारवाद को लेकर पोस्टर वार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। कांग्रेस-भाजपा में टिकट वितरण के बाद परिवारवाद को लेकर सियासत तेज हो गई है। दोनों एक-दूसरे के खिलाफ सोशल मीडिया पर आक्रमक रूख अपना रहे हैं। परिवारवाद के नाम पर तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कहावत चरितार्थ कर रहे हैं। कांग्रेस-भाजपा दोनों ने प्रत्याशियों के खिलाफ परिवारवाद को लेकर पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर नगर निगम चुनाव से जुड़ा हुआ है।

भाजपा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर परिवारवादी कांग्रेस करके एक पोस्टर जारी किया है। इसमें लिखा हुआ है कि निकाय चुनाव में कांग्रेस का बंदरबाट। इसके साथ ही इसमें परिवारवाद से जुड़े नेताओं की तस्वीर भी साझा की गई है। इसमें सबसे पहले पूर्व महापौर व पूर्व सभापति प्रमोद दुबे का नाम है। कांग्रेस ने इस बार रायपुर नगर निगम से दीप्ति दुबे को महापौर प्रत्याशी बनाया है। वे प्रमोद दुबे की पत्नी हैं। इसके बाद रायपुर की पूर्व महापौर किरणमयी नायक का नाम भी है।

भाजपा के पोस्टर में बताया गया कि बिलासपुर में कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी प्रमोद नायक, किरणमयी के देवर हैं। इसके बाद चिरमिरी नगर निगम के महापौर प्रत्याशी विनय जायसवाल का नाम है। वे पूर्व विधायक भी रहे हैं। इससे पहले चिरमिरी नगर निगम की महापौर उनकी पत्नी कंचन जायसवाल थी। अंत में पूर्व महापौर एजाज ढेबर और उनकी पत्नी अर्जुमन ढेबर का नाम है। कांग्रेस ने दोनों को अलग-अलग वार्ड से पार्षद प्रत्याशी बनाया है।

इसके जवाब में कांग्रेस ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्टर जारी किया है। इसमें लिखा हुआ है कि भाजपा का भाई-बहू-बेटीवाद। इसमें कांग्रेस ने भाजपा के पांच नेताओं का फोटो जारी किया है। इसमें सबसे पहले भाजपा के पूर्व पार्षद छगन चौबे और उनकी पत्नी मीनल चौबे का नाम शामिल हैं। इस बार भाजपा ने रायपुर नगर निगम से मीनल चौबे को महापौर प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले मीनल रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष भी थीं। दूसरे नम्बर पर पूर्व पार्षद तिलक साहू का नाम है। भाजपा ने इस बार उनकी पत्नी सुषमा तिलक साहू को पार्षद प्रत्याशी बनाया है। तीसरे नम्बर पर भाजपा विधायक संपत अग्रवाल का नाम है।

कांग्रेस ने अपने पोस्टर में बताया कि भाजपा ने नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए संपत अग्रवाल की बहू खुशबू अग्रवाल को टिकट दिया है। बता दें कि उनकी बहू का नगर पंचायत बसना से निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। यहां के कांग्रेस प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया था। इसके अलावा सुनील चंद्राकर और उनकी पत्नी गायत्री चंद्राकर का नाम भी पोस्टर में दिया गया है। कांग्रेस ने सबसे अंत में भाजपा के संगठन चुनाव प्रभारी खूबचंद पारख का नाम लिखा है। इसमें उनकी बेटी शीतल जैन को प्रत्याशी बनाने की बात कहीं गई है।

छह साल तक पार्टी में नहीं हो पाएंगे शामिल

भाजपा ने 100 से अधिक बागियों को पार्टी से निकाला

रायपुर@पत्रिका. निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ने वाले करीब 100 प्रत्याशियों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इन बागियों को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को भी चेतावनी दी गई कि यदि बागियों के साथ किसी प्रकार का चुनाव प्रचार में भाग लिया तो उनके खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

निकाय चुनाव में सबसे ज्यादा बागी: बता दें कि भाजपा ने निकाय चुनाव में सबसे ज्यादा पार्षदों के टिकट काटे हैं। ऐसे में कई सीनियर और जूनियर पार्षदों को भी टिकट नहीं मिला है। ऐसे में ये पार्टी से बगावत कर भाजपा प्रत्याशियों के लिए चुनाव में मुसीबत बन गए हैं।

रायपुर नगर निगम में 15 से 20 बागी

रायपुर नगर निगम के चुनाव में ही 15 से 20 बागी होकर भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में भाजपा के वोट बंटने के आसार हैं। इन सबको देखते हुए भाजपा शहर जिला ने प्रदेश संगठन को इन बागियों को तत्काल निष्कासित करने की अनुशंसा की है। आजकल में ऐसे बागियों का निष्कासन आदेश जारी हो जाएगा। बताया जाता है कि कुछ बागियों का निष्कासन भी कर दिया गया है।

अब कांग्रेस ने भी भूपेश से किया किनारा : किरण देव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर@पत्रिका. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के उस बयान पर कटाक्ष किया है, जिसमें महंत ने अगला विधानसभा चुनाव पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ने का ऐलान किया है। देव ने कहा, महंत का यह बयान कांग्रेस के भीतर चल रहे सत्ता-संघर्ष और गुटीय घमासान का ही परिचायक है।

देव ने कहा, यही कांग्रेस की विचारधारा है। कांग्रेस के डीएनए में रचा-बसा भ्रष्टाचार कभी खत्म नहीं होगा, चाहे नेतृत्व कांग्रेस में कोई भी करें। कांग्रेस को अपने नित-नए 'एटीएम' खोलने वाले नेता चाहिए, वह कौन होगा, कांग्रेस को उससे कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा, प्रदेश की जनता ने इस बात को माना था कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में प्रदेश में भयंकर भ्रष्टाचार हुआ, घपले-घोटाले हुए, छत्तीसगढ़ महतारी के खजाने को लूटा गया, जनता के अधिकारों को छीना गया। जनता ने कांग्रेस से किनारा कर लिया तो अब कांग्रेस भी बघेल से किनारा कर रही है।

कैट के राष्ट्रीय चेयरमैन के सामने रखी मांग : 50 लाख से अधिक की खरीदी-बिक्री के टीडीएस-टीसीएस पर 0.1 प्रतिशत टैक्स समाप्त

रायपुर@पत्रिका. कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल रायपुर पहुंचे। इस दौरान रायपुर के कैट पदाधिकारियों ने उनका सम्मान किया। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल से रायपुर के पदाधिकारियों ने मांग भी रखी। इसमें उन्हें कहा गया कि प्रदेश के राइस मिलर्स के लिए खाद्य मंत्रालय भारत सरकार से भारतीय खाद्य निगम में जगह उपलब्ध कराई जानी चाहिए और प्रदेश में चावल की गुणवत्ता प्रयोगशाला की स्थापना की मांग की गई।

बीजापुर : तर्रेम थाना क्षेत्र की घटना

तीन ग्रामीणों की मुखबिरी के शक में युवाओं की हत्या

शिक्षित आदिवासी युवाओं की हत्याओं से बढ़ रहा आक्रोश

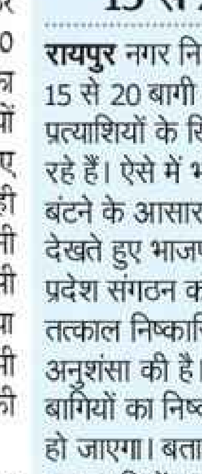

माड़वी मुन्ना

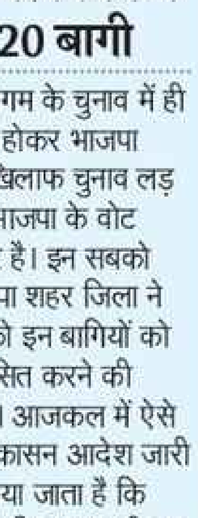

कारम राजू

पत्रिका ब्यूरो @ बीजापुर. जिले के नक्सल प्रभावित तर्रेम थाना क्षेत्र के ग्राम बुड़गीचेरू के दो व पेगडापल्ली गांव के एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। इन सभी पर नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक सोमवार की रात अज्ञात लोगों ने पेगड़ापल्ली निवासी कारम राजू और माड़वी मुन्ना का धारदार हथियार से गला रेत दिया। दोनों के शव को बासागुड़ा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि माड़वी मुन्ना 12 वीं तक की पढ़ाई पूरी कर चुका था। कारम राजू पूर्व में नक्सल संगठन के तरफ था फिर वापस लौट कर सामान्य जीवन यापन कर रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक दोनों ही युवा ग्राम और इलाके के विकास, शिक्षा जैसे मुद्दे उठते थे। नक्सली अब ऐसे पढ़े-लिखे युवाओं का हत्या कर न जाने क्या संदेश देने वाले हैं।

इसके साथ ही तर्रेम थाना क्षेत्र के पेगडापल्ली गांव के युवक बारसे फागू की भी बीते शुक्रवार को बाजार से लौटते समय नक्सलियों ने हत्या कर दी। परिजनों ने भयवश इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी गई थी। एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि पेगडापल्ली घटना की तस्दीक की जा रही हैं।

आईईडी ब्लास्ट में तीन जवान घायल

बीजापुर. गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत नक्सल विरोधी अभियान में निकले सुरक्षा पार्टी के दो जवान आईईडी ब्लास्ट में घायल हो गए हैं। घायलों में मड़कम भीमा डीआरजी व प्रमोद कुमार यंग प्लाटून बस्तरिया बटालियन शामिल है। इसके अलावा बस्तर फाइटर 1348 डीआरजी दंतेवाड़ा में पदस्थ विजय कश्यप नक्सलियों के छिपाए हुए वूबी ट्रैप में गिरकर घायल हो गया।

मुनाफे की डोज | मेडिकल स्टोर वाले दे रहे ज्यादा दवा, फूड एंड ड्रग विभाग की कार्रवाई शून्य

डॉक्टर लिखते हैं 6 टेबलेट, मेडिकल स्टोर वाले देते हैं 10 की स्ट्रिप, दवा के ओवरडोज से मरीज हो रहे हैं बीमार

पत्रिका एक्सक्लूसिव

पीलूराम साहू
patrika.com

केस 1 *55 वर्षीय एक व्यक्ति को ग्लूकोमा के बाद नेत्र रोग विशेषज्ञ ने तीन दिन के लिए डायनोक्स का 6 टेबलेट लिखा। मरीज मेडिकल स्टोर पहुंचा तो वहां 10 टेबलेट दे दिया। मरीज ने पूरा टेबलेट खा लिया। इसके बाद उनके शरीर में झुनझुनी होने लगी। जांच से पता चला कि शरीर में पोटेशियम का स्तर काफी कम हो गया है। मरीज को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।*

केस 2 *25 वर्षीय युवक के लिए जनरल फिजिशियन ने स्टेरायड दवा लिखी। मरीज को रोजाना एक टेबलेट, केवल तीन दिन खाने के लिए कहा गया। इस मरीज को भी 3 के बजाय 10 टेबलेट दिया गया। मरीज भी तीन के बजाय पूरा टेबलेट खा गया। बाद में भी मर्जी से दवा खाने लगा। जांच में पता चला कि युवक का शुगर लेवल काफी बढ़ गया है और व डायबिटीक हो गया है।*

रायपुर. राजधानी के मेडिकल स्टोर वाले डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन के अनुसार दवा नहीं दे रहे हैं। इससे मरीजों की जान पर आफत आ रही है। अगर डॉक्टर ने 6 टेबलेट लिखा है तो मेडिकल स्टोर वाले मरीजों को पूरा स्ट्रिप यानी 10 टेबलेट दे रहे हैं। मरीज भी दुकानवाला दिया है करके पूरा दवा गटक रहे हैं। इससे मरीजों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। डॉक्टरों के अनुसार मेडिकल स्टोर वालों का ऐसा करना गलत है। इस पर फूड एंड ड्रग विभाग को कार्रवाई करना चाहिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। राजधानी में सप्ताहभर पहले ग्लूकोमा के मरीज का इलाज पुरानी बस्ती स्थित एक आई सर्जन ने किया।

ग्लूकोमा के मरीजों को तीन दिनों के लिए डायनोक्स टेबलेट दिया गया। मरीज ने मेडिकल स्टोर से मिले सभी टेबलेट को धोखे से खा गया। इसके बाद मरीज का पोटेशियल लेवल कम हो गया। यही नहीं हार्ट की धड़कन भी बढ़ गई। डॉक्टर ने पत्रिका को बताया कि जब मरीज फॉलोअप के लिए नहीं आया तो उन्हें शक हुआ। परिजनों से पड़ताल करने पर पता चला कि उनके यहां इलाज कराने के बाद वह बीमार पड़ गया है। उन्हें रायपुरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वस्थ होने के बाद मरीज जब क्लीनिक पहुंचा, तब डॉक्टर को बताया कि उन्होंने मेडिकल स्टोर से मिले सभी टेबलेट खा लिये थे। जांच रिपोर्ट देखने पर पता चला कि दवाई के ओवरडोज से उन्हें परेशानी हुई है। डॉक्टर के अनुसार डायनोक्स टेबलेट तीन दिनों से ज्यादा नहीं ले सकते। दरअसल ग्लूकोमा बीमारी में सर्जरी के बाद आंख के अंदर प्रेशर बढ़ जाता है। इस प्रेशर को कम करने के लिए ही डायनोक्स टेबलेट दिया जाता है, लेकिन ओवरडोज से लेने के देने पड़ सकते हैं।

कटा हुआ स्ट्रिप बिकेगा, इस तर्क पर पूरा टेबलेट थमाते हैं लोगों को : किसी भी मेडिकल स्टोर में 10 से कम दवा मांगने पर दुकानदार पूरी स्ट्रिप थमा देता है। दरअसल उनका तर्क होता है कि बाकी दवा नहीं बिकेगी। हालांकि कुछ ही दुकानदार हैं, जो पर्ची के अनुसार टेबलेट की निर्धारित मात्रा देता है। हालांकि ये देखने में छोटी बात है, लेकिन स्वास्थ्य की दृष्टि से ये गंभीर मामला है। मरीज भी डॉक्टरों के डोज के अनुसार दवा खाएं। इससे बीमारी ठीक होने में मदद मिलती है। कम डोज लेने पर भी बीमारी ठीक नहीं होती। ज्यादा डोज लेने पर नुकसान होता है।

> ग्लूकोमा के एक मरीज डायनोक्स टेबलेट के ओवरडोज से बीमार हो गया। उनका पोटेशियम लेवल कम हो गया और हार्ट की धड़कन भी बढ़ गई थी। दरअसल मरीज मेडिकल स्टोर से मिले सभी 10 टेबलेट को धोखा से खा गया था। दुकानदारों को चाहिए कि डॉक्टर की पर्ची के अनुसार टेबलेट दें। मरीज भी डोज के अनुसार ही दवा खाए। फूड एंड ड्रग विभाग के अफसरों को भी ऐसे मामले में ध्यान देने की जरूरत है।
>
> **डॉ. सुभाष मिश्रा,** सीनियर नेत्र रोग विशेषज्ञ व रिटायर्ड डिप्टी डायरेक्टर स्वास्थ्य विभाग

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 24-25 को | भोपाल में पीएम मोदी करेंगे शुभारंभ, 21 हजार निवेशक जुटने का अनुमान, इसमें राज्यों के भी उद्योगपति शामिल

अमरीका, जर्मनी, चीन जैसे 61 देशों के निवेशक लेंगे जीआइएस में हिस्सा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआइएस) में यूके, जर्मनी और जापान ही नहीं, बल्कि अमरीका, जर्मनी और चीन जैसे 61 देशों के निवेशक व बड़े औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसके लिए सरकार ने कई देशों के निवेशकों को निमंत्रण भेज दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद यूके, जर्मनी व जापान जाकर वहां के निवेशकों को न्योता दे चुके हैं। अब अन्य देशों के प्रमुखों को न्योता देने राज्य के आइएएस अधिकारियों का दल जाएगा। ज्यादातर को न्योता भेजा जा रहा है।

और बढ़ सकती है संख्या

सरकार की ओर से जिन देशों के उद्योगपतियों को बुलावा भेजा जा रहा है उनमें कनाडा, जर्मनी, जापान, पोलैंड, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड, आयरलैंड, यूके, इटली, स्लोवेनिया, कोरिया, हांगकांग, थाईलैंड, रोमानिया, श्रीलंका, टोगो, मलेशिया, मंगोलिया, मोरक्को, बुर्किना फासो, म्यांमार, जिम्बाब्वे, ताइवान, सिंगापुर, नेपाल, बुल्गारिया, अंगोला, युगांडा, मेक्सिको, उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, एस्टोनिया, संयुक्त राज्य अमरीका, साइप्रस, अर्जेंटीना, नाइजीरिया, सऊदी अरब, बहरीन, चेक गणराज्य, कुवैत, ओमान, फिलीपींस, गुयाना और स्वीडन जैसे अन्य देश शामिल हैं।

अफसरों का कहना है कि अन्य देशों के निवेशकों से बातचीत चल रही है। सहमति बनी तो संख्या 61 से ज्यादा हो सकती है।

ऐसा है गणित: जीआइएस मानव संग्रहालय परिसर में होगी। पीएम मोदी 24 फरवरी को शुभारंभ करेंगे। इसमें 21 हजार निवेशकों के शामिल होने का अनुमान है। ज्यादातर अलग-अलग राज्यों के होंगे तो 1500 से ज्यादा निवेशक 61 देशों के आएंगे।

लाखों करोड़ के निवेश की आस

मोहन सरकार को जीआइएस से लाखों करोड़ के निवेश की उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि मप्र के पास हर क्षेत्र में निवेश की असीमित संभावनाएं हैं। यह निवेशक जानते हैं इसलिए अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

पांच विभागीय समिट होंगी, इन्हीं में सबसे ज्यादा निवेश आने की उम्मीद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। नगर निगम व लोक निर्माण विभाग शहर को संवार रहे हैं। इसी तरह मप्र टूरिज्म बोर्ड मेहमानों की खातिरदारी की व्यवस्था में लगा हुआ है।

नामी कंपनियों को आमंत्रण

पांच सेक्टर एमएसएमई, खनिज, आईटी, ऊर्जा और नगरीय विकास में सबसे ज्यादा निवेश प्रस्ताव आकर्षित करने के लिए अलग-अलग समिट कराई जाएंगी। इन क्षेत्रों से संबंधित विभाग तैयारी में जुटे हैं। इन समिट में कम से कम एक हजार उद्योगपतियों और निवेशकों को लाने का टारगेट दिया गया है। हालांकि इन समिट में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। 24 को दो विभागीय समिट होंगी। **पहली** आइटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की। तैयारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और मप्र इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा की जा रही है। टीसीएस, इंफोसिस, आइबीएम जैसी कंपनियों को भी न्योता दिया जा रहा है। हाल ही में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसियों को लॉन्च किया गया है।

दूसरी समिट: डाटा सेंटर में निवेश के प्रयास भी किए जा रहे हैं। पहले दिन ही दूसरी समिट ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा की होगी। इसमें खासतौर पर मोहासा बाबई में बन रहे ऊर्जा पार्क को प्रोजेक्ट कर उसमें बड़ी कंपनियों से निवेश आमंत्रित किया जाएगा।

दूसरे दिन यह होगा

25 को पहली समिट एमएसएमई और स्टार्टअप को लेकर होगी। प्रदेश के एमएसएमई और स्टार्टअप परिदृश्य की ब्रांडिंग की जाएगी। माइनिंग की दूसरी समिट में प्रदेश में उपलब्ध क्रिटिकल मिनरल जैसे ग्रेफाइट, रॉक फॉस्फेट, ग्लूकोनाइट आदि की ब्रांडिंग होगी। एक्सप्लोरेशन और खनिज संबंधी उद्योगों की स्थापना पर फोकस रहेगा। तीसरी समिट नगरीय विकास की होगी। शहरों के विकास, मूलभूत सुविधाओं, बड़ी कचरा प्रबंधन परियोजनाओं, सीवेज ट्रीटमेंट परियोजनाओं आदि के लिए निवेश आमंत्रित किया जाएगा।

कैबिनेट बैठक: मल्टी स्टोरी मकान पहली बार जिला और तहसीलों के शहरी गरीबों को

10 लाख शहरी पीएम आवास, ड्रोन संवर्धन और सेमीकंडक्टर नीति को मंजूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. राज्य सरकार प्रदेश में 10 लाख शहरी प्रधानमंत्री आवास बनाएगी। ज्यादातर आवास मल्टी स्टोरी में होंगे। ऐसा पहली बार होगा कि मल्टी स्टोरी के आवास भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे बड़ों के अलावा जिला व तहसील स्तर पर बनाए जाएंगे। 50 हजार करोड़ से चार साल में निर्माण पूरा होगा। सरकार 23 हजार करोड़ से ज्यादा की सब्सिडी देगी। शहरी गरीबों के अलावा मध्यमवर्गीय ईडब्ल्यूएस, कल्याणी महिलाएं, थर्ड जेंडर जैसी कई श्रेणी में आने वाले परिवारों को भी लाभ मिलेगा। प्रदेश को झुग्गीमुक्त बनाना इसका मकसद है।

सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इन आवासों को हरी झंडी दी गई। इसके अलावा प्रदेश की पहली ड्रोन संवर्धन नीति को मंजूरी दे दी है। अब प्रदेश में नए शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है, आइटीआइ कॉलेजों में भी इसकी शिक्षा दी जाएगी। 370 करोड़ के निवेश से 8 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

सीएम के जापान यात्रा से लौटने के बाद यह पहली कैबिनेट थी। इस दौरान मंत्रियों ने सीएम का स्वागत किया।

आवास का लाभ ऐसे

- ईडब्ल्यूएस वर्ग को स्वयं की जमीन पर आवास बनाने पर अनुदान मिलेगा।
- शहरी निकाय, राज्य की एजेंसियां, निजी डेवलपर से आवास खरीद सकेंगे, आरएचवी के तहत सरकार एजेंसियों, बिल्डरों को अनुदान देगी।
- कामकाजी महिलाएं, श्रमिकों, शहरी प्रवासियों, बेघर, निराश्रित, एवं अन्य छात्रों के लिए किराये के आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।
- कल्याणी महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, अजा और अजजा, अल्पसंख्यक समाज के कमजोर लोगों को वरियता मिलेगी।

भीड़ प्रबंधन में ड्रोन की मदद

- इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करेंगे, ड्रोन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना होगी, इस क्षेत्र में पेटेंट कराने वालों को मदद मिलेगी।
- ड्रोन कौशल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाएगा, इस क्षेत्र में काम करने वालों को नियमों के तहत सब्सिडी दी जाएगी।
- ड्रोन शिक्षा को बढ़ावा दिया जाकर इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर दिए जाएंगे।
- सिंहस्थ 2028 में भीड़ प्रबंधन, खेतों में फसल बर्बादी के सर्वे, खाद छिड़काव को प्रोत्साहित करने, आपदा प्रबंधन में ड्रोन की मदद ली जाएगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट से पहले बहुप्रतीक्षित सेमीकंडक्टर नीति को भी कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी है, इसके जरिए राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर निर्माण क्षेत्र का केंद्र बनाया जाएगा। इस नीति के प्रभावी होने से 50 हजार करोड़ रुपए के निवेश की संभावना खुल गई है।

ये भी निर्णय

1. पशु चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर, महू और रीवा में इंटर्नशिप करने वाले छात्रों को 10 हजार रुपए मानदेय। अभी 7600 रुपए मिलते हैं। इसका लाभ 300 छात्रों को होगा।
2. हुकुमचंद मिल के प्रभावित मजदूरों को हक देने के बाद मिल की जमीन व इंदौर नगर निगम की जमीन को मिलाकर रहवासी, व्यावसायिक निर्माण होगा। 3500 करोड़ निवेश होगा।

इन विषयों पर चर्चा

सीएम ने जापान यात्रा का विवरण साझा किया। बताया कि जापान आर्थिक, तकनीकी सहयोग के लिए तैयार है। इसके लिए मप्र अपनी कुछ और भी नीतियों में बदलाव करेगा।

भोपाल-इंदौर में मेट्रो चलाने, नए रूट पर काम में तेजी लाने को मदद ली जाएगी।

हर जिले का मास्टर प्लान जल्द बनेगा। दूसरे राज्यों के प्लान का अध्ययन होगा।

कर्मकार मंडल के तहत आने वाले दो लाख मजदूरों को पात्रता सूची में जोड़ा। शेष को भी जोड़ा जाएगा।

एमबीबीएस पार्ट-2 के परीक्षा फॉर्म आठ तक

जबलपुर. मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस फाइनल पार्ट-2 के छात्र आठ फरवरी तक ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। लेट फीस के साथ फॉर्म भरने के लिए 10 फरवरी तक का अवसर होगा। एमयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ. सचिन कुचिया ने बताया कि कई मेडिकल कॉलेजों के छात्र परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए थे। इस कारणा अतिरिक्त समय देने की मांग की गई थी।

विद्यार्थियों को सीएम आज प्रदान करेंगे वाहन

भोपाल. मुख्यमंत्री बुधवार को शासकीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को निःशुल्क दोपहिया वाहन प्रदान करेंगे। आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में सुबह 11 बजे से होगा। सत्र 2023-24 में शासकीय विद्यालय के किसी भी संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले करीब सात हजार 900 विद्यार्थियों को निःशुल्क दोपहिया वाहन वितरित किए जाएंगे।

ओपन स्कूल और केंद्र के संस्थान में हुआ एमओयू

भोपाल. मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के मध्य मंगलवार को एमओयू किया गया। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। एमओयू के बाद प्रदेश में राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संस्थान के 93 प्रकार के कौशल उन्नयन के कोर्स किए जा सकेंगे। एमओयू पर संचालक प्रभात राज तिवारी और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के सचिव शकील अहमद ने हस्ताक्षर किए। कौशल विकास के पाठ्यक्रम शुरू होने से जन-सामान्य और लाड़ली बहनें लाभान्वित होंगी।

सीएम आज खुले में छोड़ेंगे दो चीते

श्योपुर. सीएम डॉ.मोहन यादव बुधवार को कूनो नेशनल पार्क के दो चीतों को खुले जंगल में छोड़ेंगे। उसके बाद चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा करेंगे। सीएम करीब 40 मिनट रुकेंगे। वे दोपहर 1.35 बजे ग्वालियर पहुंचेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर से पार्क में जाएंगे। कार्यक्रमों में भागीदारी के बाद ग्वालियर रवाना हो जाएंगे।

डीजे से नींद में खलल, तीन को भेजा था जेल

चुरहट टीआइ पर गाज; एक वेतनवृद्धि रोकी

जांच चलने तक लाइन अटैच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीधी. पीएचई विभाग से सेवानिवृत्त पिता को डीजे पर जश्न मनाते हुए घर ले जा रहे बेटे और उसके साथियों को जेल भेजने वाले चुरहट टीआइ पुष्पेंद्र मिश्रा पर कार्रवाई की गाज गिरी है। एक वेतनवृद्धि रोकने के साथ टीआइ को लाइन अटैच कर दिया गया है।

रीवा डीआइजी साकेत प्रसाद पांडेय ने बताया, वायरल वीडियो की प्रथम दृष्टया जांच कराई गई है, जिसमें कुछ आपत्तिजनक चीजें मिलने पर थाना प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया गया है। लाइन अटैच की कार्रवाई जांच होने तक के लिए की गई है, ताकि जांच प्रभावित न हो। शेष कार्रवाई जांच प्रतिवेदन के आधार पर की जाएगी। साथ ही डीआइजी ने कहा कि अभी एक पक्ष का ही वीडियो सामने आया है, उसमें पुलिस की ओर से कहा जा रहा है कि अधूरा वीडियो है, दूसरे पक्ष द्वारा भी पुलिस के साथ अभद्रता की गई है, इसकी भी जांच की जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई होगी।

खबर का असर

यह है मामला

31 जनवरी को चुरहट के मिसिरगवां निवासी गणपति पटेल की सेवानिवृत्ति के बाद उनका बेटा आर्यन पटेल और उसके डीजे पर जश्न मनाते हुए उन्हें घर ले जा रहे थे। काफिला पुलिस कॉलोनी में पहुंचने पर डीजे की तेज आवाज से नींद में खलल पड़ने पर थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने डीजे बजाने वालों को गाली-गलौच करते हुए थाने ले गए और कोलाहल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर तीन को जेल भेज दिया था।

पोषण आहार डकारने वालों को बचा रही सरकार: कांग्रेस

भोपाल. प्रदेश में पोषण आहार घोटाला हुआ, लेकिन जिम्मेदारों पर एक्शन लेने के बजाय सरकार बचाने में जुटी है। मामले पर पर्दा डाला जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कैग ने भी यह घोटाला उजागर किया। पोषण आहार सप्लाई में परिवहन करने वाले वाहनों में स्कूटर, बाइक का उपयोग किया गया है। एक साथ सैकड़ों क्विंटल माल सप्लाई का हवाला दिया गया है।

पोषण आहार सप्लाई में 110 करोड़ का घोटाला किया गया है। उन्होंने कहा कि एक ऑर सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में मध्याह्न भोजन योजना में 428 करोड़ का घोटाला सामने आया है। नायक ने दावा किया कि देश में मप्र कुपोषण के मामले में नंबर एक पर है। नायक ने आरोप लगाते हुए दावा किया कि गलत आंकड़े देकर पोषण आहार के नाम पर पुरस्कार लिया गया है।

एनसीसी, एनएसएस का हिस्सा जरूर बनें युवा: राज्यपाल

भोपाल. राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नई पीढ़ी एनसीसी और एनएसएस का हिस्सा जरूर बने। इससे चरित्र निर्माण के साथ राष्ट्र निर्माण के संस्कारों पर आधारित शिक्षा मिलती है। व्यक्ति में राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण और समर्पण की भावना पैदा करती है। राज्यपाल पटेल ने एनसीसी और एनएसएस के एट होम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन भी मौजूद रहे। राज्यपाल ने उत्कृष्ट प्रतिभागियों का सम्मान किया। एनसीसी मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ निदेशालय के एडीजी मेजर जनरल विक्रांत एम. धुमने और एनएसएस के राज्य अधिकारी डॉ. मनोज अग्निहोत्री ने राज्यपाल का स्वागत किया। मप्र-छत्तीसगढ़ एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती ने आभार व्यक्त किया।

जन कल्याण में अव्वल रहा भोपाल

भोपाल@पत्रिका. राज्य सरकार ने एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर जनकल्याण अभियान शुरू किया था, जो 26 जनवरी तक चला। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में उपलब्धि पर चर्चा की गई। पाया कि जिलों में 30,716 शिविरों में 42.96 लाख आवेदन मिले। 41.71 लाख का निराकरण किया गया।

आयुष्मान योजना के सर्वाधिक 9.91 लाख आवेदन मिले। 9.81 लाख मंजूर किए। भोपाल में 2.40 लाख आवेदन, छिंदवाड़ा 2.18 लाख, उज्जैन 2.13, इंदौर 1.20 और मुरैना 1.19 लाख आवेदन मिले। इनमें से 8.64 लाख आवेदन चालू खसरा/खतौनी, 3.24 लाख चालू नक्शा की प्रतिलिपि, 2.7 लाख नो ड्यूज प्रमाण-पत्र, 2.2 लाख निर्माण श्रमिक पंजीयन और 1.27 लाख आवेदन नक्शा शुद्धिकरण के मिले थे, जिन पर कार्रवाई की गई।

ये दिए सुझाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर के कारण राजस्व अधिकारी जुडिशरी में व्यस्तता और राजस्व के रोजमर्रा कामों के बीच संतुलन रखने में कठिनता महसूस करते हैं। इस पर विचार किया जाना है। कुछ राजस्व अधिकारियों को कलेक्टर के साथ लॉ एंड ऑर्डर के लिए और कुछ को राजस्व के काम के लिए, के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

पावर मैनेजमेंट कंपनी और एनटीपीसी में बिजली खरीदने का हुआ अनुबंध

भोपाल. राज्य की दीर्घकालिक ऊर्जा मांग की आपूर्ति के लिए एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी ने एनटीपीसी के साथ बिजली खरीदने का अनुबंध किया। अनुबंध पावर मैनेजमेंट कंपनी के एमडी अविनाश लवानिया और एनटीपीसी के जनरल मैनेजर शंकर सरण के बीच हुआ। एनटीपीसी के रीजनल एक्सक्यूटिव डायरेक्टर पीके मिश्रा ने बताया, गाडरवाड़ा में 800-800 मेगावाट की दो यूनिट स्थापित की जा रही हैं।

प्रमाण-पत्र को लेकर इंदौर हाईकोर्ट में लगी है याचिका

जाति प्रमाण-पत्र विवाद में भाजपा पार्षद कालरा व चार अफसरों के खिलाफ वारंट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. भाजपा पार्षद कमलेश कालरा को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। जाति संबंधी विवाद के चलते हाईकोर्ट ने उनके सहित चार अफसरों के खिलाफ वारंट जारी कर दिया है। कोर्ट में तीन मार्च को सभी को पेश होना होगा।

अभिभावक मनीष यादव और करण बैरागी ने बताया कि पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित वार्ड 65 से कमलेश कालरा ने चुनाव लड़ा था। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी रहे सुनील यादव ने उनके जाति प्रमाण पत्र को चुनौती दी थी। उन्होंने हाईकोर्ट में भी याचिका लगाते हुए कालरा के जाति प्रमाण पत्र को फर्जी बताते हुए उसे खारिज करने की अपील की थी। इस याचिका पर हाईकोर्ट ने 6 फरवरी 2024 को आदेश जारी किए थे जिसमें 6 माह में राज्य उच्च स्तरीय जाति जांच समिति को जांच कर मामले को निपटारा करने के लिए आदेशित किया गया था। आदेश के सालभर बाद में भी कोई निराकरण नहीं हुआ था जिसके चलते सुनील यादव ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी।

घर पर हुआ था हमला

भाजपा से निष्कासित एमआइसी सदस्य जीतू यादव से फोन पर विवाद के बाद पार्षद कालरा के घर पर 40-50 बदमाशों ने हमला किया था। वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें एमआइसी सदस्य यादव से जुड़े लोग कालरा के घर में अभद्रता करते नजर आए। इस मामले में पुलिस ने जहां कई लोगों को गिरफ्तार किया है, तो यादव को आरोपी बनाने पर एसआइटी जांच कर रही है। हालांकि भाजपा ने यादव को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उनसे एमआइसी ले ली।

यह रखा तर्क

कोर्ट को बताया गया कि चूंकि पार्षद कालरा सत्ताधारी पार्टी से आते हैं और पार्टी के दबाव में अधिकारी इस बारे में कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं। कोर्ट ने तर्क मान्य करते हुए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के पीएस अजीत केसरी, डॉ. नीलेश देसाई, सचिव पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, आयुक्त पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौरभ कुमार सुमन, घनश्याम धनगर एसडीएम जूनी इंदौर और पार्षद कमलेश कालरा के खिलाफ पांच हजार का जमानती वारंट जारी किया है।

हाईटेक होगी व्यवस्था | इसी बजट सत्र से विधायकों को दिया जाने लगेगा प्रशिक्षण

पेपरलेस सदन: हर विधायक की टेबल पर होगा टैबलेट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मध्यप्रदेश विधानसभा का सदन बदला-बदला सा नजर आएगा। प्रत्येक विधायक की टेबल पर पेपर के स्थान पर टैबलेट होगा। सदन संबंधी सभी जानकारी उन्हें टैबलेट से मिलती रहेगी। विधायकों को काम के लिए अलग से टैबलेट दिया जाएगा। उन्हें हाईटेक किया जाएगा। बजट सत्र के दौरान विधायकों का प्रशिक्षण होगा। यह लगातार जारी रहेगा। मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य विधायकों ने नई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान प्रमुख सचिव एपी सिंह भी मौजूद रहे।

60% राशि की केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

केंद्र की नेवा परियोजना के तहत ई-विधान लागू किया जा रहा है। खर्च का 60% भार केंद्र और 40% राज्य सरकार उठाएगी। दोनों ने राशि मंजूर कर दी है। क्रियान्वयन के लिए गठित हाउस कमेटी की बैठक मंगलवार को हुई। इसमें अध्यक्ष तोमर सहित उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक राजेंद्र भारती, अजय विश्नोई, सुरेश राजे, गौरव सिंह पारधी सहित एनआइसी के अधिकारी थे। इस दौरान सिस्टम की बारीकी को समिति सदस्यों, विधायकों ने समझा।

ऐसा होगा ई-विधान

विधानसभा के सदन में प्रत्येक सदस्य की सीट पर डिजिटल स्क्रीन लगाई जाएगी। विधायकों को जिस विषय पर जानकारी चाहिए, वह सिंगल क्लिक पर मिलेगी। प्रश्नकाल के दौरान सभी प्रश्न और उनके उत्तर स्क्रीन पर उपलब्ध होंगे। कागज का इस्तेमाल कम होगा। इससे पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान होगा। ई-विधान परियोजना को लागू करने का पूरा कार्य राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआइसी) की देखरेख में किया जाएगा।

एक प्लेटफॉर्म पर सभी सदन: नेवा परियोजना के तहत देश की सभी विधानसभाओं को एक प्लेटफॉर्म नेवा पर लाया जा रहा है। इससे एक-दूसरे के नवाचार पता लगेंगे। विचारों का आदान प्रदान होगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने पत्रिका से चर्चा में कहा कि व्यवस्था लागू होने के बाद कार्यवाही के दौरान कागज पर खर्च होने वाले करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष बचेंगे। बजट सत्र से विधायकों को प्रशिक्षण की शुरुआत की जाएगी।

निर्णय पर सवाल न उठें इसलिए की जा रही कवायद

कुलगुरुओं के चयन पर राजभवन अलर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. विश्वविद्यालयों में कुलगुरुओं के मामले में राजभवन इस बार ज्यादा अलर्ट है। ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि इस साल पांच विश्वविद्यालयों के लिए, नए कुलगुरुओं का चयन होना है। चयन पर सवाल न उठें इसलिए पहले से ही इनकी कुंडली ही देख ली जाए। राजभवन विचार कर रहा है कि किसी भी विवि के कुलगुरु को दोबारा मौका न दिया जाए, यानी नया कुलगुरु मिले। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के तत्कालीन कुलगुरु प्रो. सुनील गुप्ता पर भ्रष्टाचार का मामला दर्ज होने पर सवाल उठे थे। इन्हें रिपीट किया गया था, हालांकि दूसरे कार्यकाल में काम-काज पर सवाल उठे और हटना पड़ा। जीवाजी विवि, ग्वालियर के कुलगुरु प्रो. अविनाश तिवारी पर भी एफआइआर दर्ज हुई है। मामला जांच में है।

अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा के लिए कुलगुरु की तलाश तेज हो गई है, क्योंकि कुलगुरु प्रो. रामकुमार आचार्य का कार्यकाल 31 दिसंबर 2024 को पूरा हो चुका है। राजभवन ने नए कुलगुरु नियुक्त होने तक कार्य करने को कहा है। रीवा के बाद अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विवि के कुलगुरु की तलाश शुरू होगी। मौजूदा कुलगुरु प्रो. खेमचंद डेहरिया का कार्यकाल 29 जुलाई तक ही है।

इसी वर्ष समाप्त होगा कार्यकाल

- महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विवि, उज्जैन के कुलगुरु विजय कुमार का कार्यकाल 20 अगस्त तक।
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोद्योग विवि के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा का कार्यकाल 28 नवंबर तक।
- जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलगुरु प्रो. अविनाश तिवारी का कार्यकाल 9 दिसंबर तक।

परिवार

बहुत सी महिलाएं सामाजिक दबावों और अपेक्षाओं के मुताबिक खुद को ढाल लेती हैं। वह उससे बाहर निकलने के लिए छटपटाती तो हैं, लेकिन चुनौती देने का साहस नहीं जुटातीं क्योंकि यहां 'गुड वुमन' या 'प्लीजिंग पर्सनेलिटी' टैग काम करता है।

टॉक्सिक फेमिनिटी! आप खुद दें इसे चुनौती, तभी समाज में आएगा सकारात्मक बदलाव

TOXIC FEMININITY

आईने के सामने रोज खुद से ऐसा कहें...

टॉक्सिक फेमिनिटी के प्रभाव से बाहर निकलने के लिए जरूरी है कि कुछ समय खुद से बात करें। आईने के सामने खड़े होकर खुद से कहें कि मैं यह कर सकती हूं-

- **मैं खुद से प्यार करती हूं, खुद की देखभाल करती हूं।**
- **मेरी भावनाएं और इच्छाएं महत्त्वपूर्ण हैं।**
- **मैं बिना किसी डर के अपने आत्म-सम्मान और आत्म-स्वतंत्रता के लिए खड़ी हो सकती हूं।**
- **मैं अपने परिवार के प्रति समर्पित रहूंगी लेकिन खुद को खोने नहीं दूंगी।**
- **मैं परिवार की धुरी हूं। मैं अपनी ताकत और इच्छाओं को भी पहचानती हूं और उन्हें पूरा करने का प्रयास भी करती हूं।**
- **मैं अपनी सीमाएं जानती हूं। उन्हें निर्धारित करना मेरा अधिकार है।**

हमारे समाज ने पुरुष और महिलाओं के लिए कुछ ऐसे निश्चित मानक स्थापित किए हैं, जिनका पालन अनिवार्य माना जाता है। अगर कोई उसे फॉलो न करे तो उसे आलोचना का सामना करना पड़ता है। परिणाम स्वरूप हम अक्सर अपनी असली पहचान और क्षमताओं को दबाकर उन आदर्शों के अनुसार खुद को ढालने की कोशिश करते हैं। यहीं से जन्म होता है 'टॉक्सिक फेमिनिटी' का। यह वह सोच है जो महिलाओं को गलत मानकों और अपेक्षाओं में बांध देती है और उनकी स्वाभाविक पहचान को बाधित कर देती है। यह केवल महिलाओं को दबाने का एक तरीका नहीं है बल्कि इससे समाज के हर व्यक्ति की मानसिकता और विकास प्रभावित होता है। कई महिलाएं जानबूझकर भी इसका शिकार बन जाती हैं।

'गुड वुमन या 'प्लीजिंग पर्सनेलिटी' टैग करता है काम

दरअसल, बहुत सी महिलाएं सामाजिक दबावों और अपेक्षाओं के मुताबिक खुद को ढाल लेती हैं। वह उनसे बाहर निकलने के लिए छटपटाती तो हैं, लेकिन चुनौती देने का साहस नहीं जुटातीं क्योंकि यहां 'गुड वुमन' या 'प्लीजिंग पर्सनेलिटी' टैग काम करता है। जैसे उस महिला की ज्यादा अच्छी छवि मानी जाती है, जो अपनी भावनाओं को दबाकर अपने से जुड़े लोगों की परवाह करने में जुटी रहती हैं। समाज में इसी प्लीजिंग पर्सनेलिटी वाली स्वीकृति पाने के लिए बहुत सी महिलाएं 'टॉक्सिक फेमिनिटी' के दायरे में रहने लगती हैं।

कहीं आप भी तो नहीं कर रहीं ऐसा

- **अपनी** क्षमताओं को दिखा रही हैं कम, जिससे पुरुष पार्टनर को कमजोर नहीं दिखना पड़े।
- **लगातार** लेती हैं मेल पार्टनर का सहारा, यह मान कर आप अपना कोई काम खुद नहीं कर सकतीं।
- **समाज** के नियमों के चलते करती हैं खुद को परेशान, खुद से पहले पुरुषों की इच्छा को रखती हैं आगे।

स्त्रीत्व का मतलब हमेशा कमजोर होना नहीं

स्त्रीत्व का मतलब हमेशा कमजोर होना नहीं है। असल में स्त्रीत्व का मतलब किसी महिला की पहचान, उसकी ताकत, संवेदनशीलता, आत्मनिर्भरता और व्यक्तित्व से है।

अपनाएं WOMEN फॉर्मूला

वुमन फॉर्मूला को अपनाकर महिलाएं अपने जीवन को सशक्त, संतुलित और आत्म-निर्भर बना सकती हैं। यह फॉर्मूला उन्हें मानसिक रूप से भी सशक्त बनाने में मदद करता है।

W - Wake up to Self-Awareness
खुद को समझें

- महिलाओं को अपनी सोच और मानसिकता को ठीक तरह से समझना चाहिए। उन्हें इस बात की समझ होनी चाहिए कि ऐसे कौनसे सामाजिक दबाव हैं जो समाज में उन्हें पीछे धकेल रहे हैं। खुद को याद दिलाएं कि आप किसी से कम नहीं हैं। सेल्फ लव और आत्म-निर्भरता को प्राथमिकता दें।

O - Own Your Choices
खुद लें अपने फैसले

- जरूरी है कि महिलाएं अपने जीवन के फैसले बिना किसी बाहरी दबाव के पूरी जिम्मेदारी से खुद लें। परिवार और दोस्तों की खुशी का ध्यान रखने के साथ खुद की खुशी का ध्यान रखना भी जरूरी है।

M - Mental Strength
मनोबल बढ़ाएं

- अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और खुद को यह याद दिलाएं कि आप किसी से कम नहीं हैं। महिलाओं को मानसिक रूप से मजबूत होना चाहिए, तभी वह किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। याद रखें कि आलोचना से डर कर कदम पीछे हटाने से तनाव और हताशा ही पैदा होती है। इसलिए जरूरी है कि वह अपनी उपलब्धियों को सेलिब्रेट करें, चाहे वे कितनी भी छोटी क्यों न हों।

E - Empathy
दूसरों के साथ रखें समानुभूति

- दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना भी बेहद जरूरी है क्योंकि किसी के प्रति नकारात्मक भावना रखना या उसे दबाने का प्रयास करना भी कई बार 'टॉक्सिक फेमिनिटी' का हिस्सा हो सकता है। इसलिए इससे दूरी बना कर रखें।

N - Nurture Yourself
खुद की देखभाल करें

- यह समझें कि आप अपनी जिंदगी की नायिका हैं। शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक देखभाल को प्राथमिकता दें क्योंकि जब आप खुद को पोषित करती हैं तो आप दूसरों के लिए भी बेहतर मददगार साबित हो सकती हैं। अपनी देखभाल करने से महिलाएं समाज के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकती हैं।

डॉ. अनामिका पापड़ीवाल
काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट
@patrika.com

प्रोटेक्टर या प्रोवाइडर नहीं

यदि महिला की मानसिकता यह हो कि पुरुष हर समस्या का समाधान करेंगे और उनसे हमेशा 'स्ट्रॉन्ग' और 'सपोर्टिव' बने रहने की अपेक्षा करे तो इससे कई बार पुरुषों को भावनात्मक रूप से सहयोग देने वाला साथी नहीं मिल पाता। उनकी भूमिका केवल 'प्रोटेक्टर' या 'प्रोवाइडर' तक सीमित होकर रह जाती है। इससे उनके व्यक्तित्व के अन्य पहलू दब जाते हैं। कई बार इससे रिश्तों में दूरियां भी बढ़ जाती हैं।

इस विषय पर एक्सपर्ट का वीडियो देखने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

परिवार पकौड़ा @हॉट टॉपिक

बातचीत में बरतें सौम्यता

*पिछले सप्ताह का सवाल था कि **अपने बात करने के तरीके को कैसे प्रभावशाली बनाया जा सकता है?** अधिकतर पाठकों का कहना था आपके बात करने का तरीका सौम्य और प्रभावशाली होना चाहिए।*

आंतरिक गुणों का विकास करें

***प्रभावशाली** तरीके से बात करने के लिए आंतरिक गुणों का भी विकास करना नितांत आवश्यक है। सकारात्मक सोच और दृष्टिकोण व्यक्तित्व को आकर्षक बनाते हैं। विवेकपूर्ण दूरदर्शिता बहुत आवश्यक है।*

पवन पाराशर, भरतपुर

आत्मविश्वास से बोलना जरूरी

***जब** आप आत्मविश्वास से बोलते हैं, तो लोग आपकी बातों को गंभीरता से लेते हैं। सीधे और स्पष्ट तरीके से बात करने की कोशिश करें। सामने वाले की बात को अच्छे से सुनना भी जरूरी है।*

राहुल गुर्जर, जयपुर

चेहरे पर रहे मुस्कुराहट

***नजर** से नजर मिलाकर नम्रता और आत्मविश्वास के साथ मीठी आवाज में बात करना सबसे बेहतर तरीका है। मुस्कुराहट भी बनाए रखें। वाद-विवाद से बचें और जल्दबाजी नहीं करें।*

डॉ. सतीश कुमार, किशनगढ़

परिवार पकौड़ा का इस हफ्ते का सवाल है। **आपकी नजरों में सच्चा प्यार किसे कहते हैं?** *अपनी राय हमें* **9057531688** *नंबर पर अपने फोटोग्राफ के साथ साझा करें।*

पर्सनल फाइनेंस...

हो जाए कोई इमरजेंसी तो काम आएगा फ्लेक्सी पर्सनल लोन

आज के समय में अचानक कोई वित्तीय संकट आ जाए, तो सही समय पर सही मदद मिलना बेहद जरूरी हो जाता है। खासकर जब आपके पास तत्काल पैसे नहीं हों, तब फ्लेक्सी पर्सनल लोन बेहतरीन समाधान साबित हो सकता है। यह वित्तीय परेशानियों से संभालने का मौका देता है। यह तब उपयोगी होता है जब आपको अस्थायी रूप से पैसे की आवश्यकता हो।

- **आपातकालीन मेडिकल खर्च:** अगर किसी बीमारी या हादसे के कारण अचानक मेडिकल खर्च आ जाए और आपके पास तुरंत पैसे न हों, तो फ्लेक्सी पर्सनल लोन एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **शिक्षा से संबंधित खर्च:** यदि आपके बच्चे की शिक्षा के लिए तुरंत पैसे की आवश्यकता हो, तो इस लोन का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- **टूर या ट्रैवल खर्च:** कभी-कभी अचानक यात्रा की आवश्यकता पड़ जाती है, जैसे किसी रिश्तेदार की शादी या एक जरूरी काम के लिए यात्रा करनी हो। इस लोन से आप तुरंत पैसे जुटा सकते हैं।

- **घरेलू मरम्मत और सुधार:** घर के किसी जरूरी हिस्से की मरम्मत या सुधार की जरूरत हो, तो आप इस लोन का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- **व्यक्तिगत खर्च:** जैसे शादी, छुट्टियां, या किसी बड़े इवेंट के खर्च को पूरा करने में काम आ सकता है।
- **कार या अन्य सामान खरीदना:** आप कोई महंगे सामान की खरीदारी करना चाहते हैं, तो फ्लेक्सी लोन आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है।

क्या है फ्लेक्सी पर्सनल लोन?

फ्लेक्सी पर्सनल लोन एक तरह का रिवॉल्विंग क्रेडिट है, इसे एक प्री-अप्रूव्ड लिमिट के तहत दिया जाता है। उधार लेने वाले इस लिमिट के भीतर किसी भी समय पैसे निकाल सकते हैं। इसके अलावा जब चाहें इसे वापस कर सकते हैं। यह लोन एक ओवरड्राफ्ट की तरह काम करता है।

इन दस्तावेजों की जरूरत

- **फ्लेक्सी** पर्सनल लोन के लिए कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट्स आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, यूटिलिटी बिल, ड्राइविंग लाइसेंस, वेतन पर्ची, बैंक स्टेटमेंट या फॉर्म 16, बैंक स्टेटमेंट, आइटीआर आदि की जरूरत होती है।
- **फ्लेक्सी** पर्सनल लोन का एक फायदा यह है कि इसमें आपको केवल उसी रकम पर ब्याज देना होता है, जो आपने इस्तेमाल की है। यानी, आपको जरूरत के अनुसार पैसे निकालने की सुविधा होती है, और आप जब चाहें उसे चुका सकते हैं, जिससे लोन की पूरी प्रक्रिया काफी लचीली हो जाती है। हालांकि, इसका उपयोग करने से पहले ब्याज दरों और शर्तों को समझना भी जरूरी है, ताकि आप इसे समझदारी से इस्तेमाल कर सकें।

अशोक जालान
वित्तीय सलाहकार
@patrika.com

कुटुंब इनकम...

फूलों का बिजनेस करें, होगी कमाई

हमारे देश में फूलों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। खासतौर पर शादी, पार्टी, त्योहार और अन्य विशेष अवसरों पर। अगर आप भी ऐसा कुछ करना चाहती हैं तो यह आपके लिए अतिरिक्त कमाई का साधन बन सकता है। इसके लिए सबसे पहले आपको अपने इलाके में फूलों की डिमांड के बारे में रिसर्च करनी होगी।

कोल्ड स्टोरेज की जरूरत

***फूलों** को ताजा रखने के लिए सही भंडारण की जरूरत होती है। आपको एक कोल्ड स्टोरेज का इंतजाम करना होगा ताकि फूल लंबे समय तक ताजा बने रहें।*

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर करें मार्केटिंग, बनाएं अपना नेटवर्क

सोशल मीडिया का उपयोग कर आप बिजनेस को बढ़ावा दे सकती हैं। अपने फूलों को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत कर कस्टमर्स को अट्रैक्ट कर सकती हैं। फूलों का बिजनेस ऑनलाइन और होम डिलीवरी के तौर पर हो सकता है। एक स्थान से फूलों की सप्लाई का अच्छा नेटवर्क बनाने के लिए आपको खेती से लेकर डिलीवरी तक हर पहलू को समझने की जरूरत है। विशेष अवसरों (जैसे वेलेंटाइन डे, शादी, जन्मदिन) पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर या पैकेज बनाएं। इवेंट प्लानर्स- होटलों के साथ टाईअप कर सकती हैं।

क्वालिटी का ध्यान रखना जरूरी

ग्राहकों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना जरूरी है। सुनिश्चित करें कि फूलों की गुणवत्ता और डिलीवरी समय पर हो। अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक पैकिंग और सजावट प्रदान करें ताकि वे आपके उत्पाद से संतुष्ट रहें। फूलों के ट्रेंड्स और डिजाइनों को समय-समय पर अपडेट करते रहें, ग्राहकों को यह पसंद आएगा। अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें और मार्जिन का हिसाब सही से लगाएं। बिजनेस शुरू करने से पहले आपको स्थानीय प्रशासन से लाइसेंस प्राप्त करना होगा। यह आपको वैध रूप से बिजनेस करने में मदद करेगा। बिजनेस के लिए करों की जानकारी रखें और सही तरीके से करों का भुगतान कर आप अपनी आय को बढ़ा सकती हैं।

काम की बात...

दिन में नहीं खोल सकते मिडिल बर्थ

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे ने कई नियम बनाए हैं। लेकिन अधिकांश यात्रियों को इसकी जानकारी नहीं होती और उन्हें यात्रा के दौरान कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तो आइए जानते हैं उन नियमों के बारे में।

अगर आपको ट्रेन में बीच वाली बर्थ दी गई है तो आप रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ही अपनी बर्थ पर सो सकते हैं। इस समय के अलावा आप अपनी बर्थ को नहीं खोल सकते। यदि आप ऐसा करते हैं, तो निचली बर्थ वाला आपका सह-यात्री आपको रोक सकता है। इसके अलावा, यदि आपके साथी यात्री निचली बर्थ पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच भी बैठे रहते हैं, तो आप उनसे सोने के लिए कह सकते हैं और अपनी बर्थ खोल सकते हैं। किसी यात्री की लोअर बर्थ पर मिडिल और अपर बर्थ का व्यक्ति रात 10 बजे के बाद नहीं बैठ सकता है।

भारतीय रेलवे के नियमों के मुताबिक आप ट्रेन में सफर करते समय तेज आवाज में बातचीत नहीं कर सकते हैं। ट्रेन में तेज आवाज में बातचीत करने से साथी यात्रियों की नींद खराब हो सकती है।

ट्रेंड सेटर...

कॉमेडी और फिटनेस वीडियो बनाते हैं आशीष

आशीष चंचलानी के यूट्यूब चैनल पर लगभग 3 करोड़ से भी ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। उन्होंने अपना यूट्यूब चैनल 7 जुलाई 2009 को बनाया था लेकिन पहला वीडियो उन्होंने साल 2014 में अपलोड किया था। तब वह शॉर्ट वीडियो भी अपने यूट्यूब चैनल पर डाला करते थे। कॉलेज के समय उन्होंने एक्टिंग के लिए अपना लगाव महसूस कर यूट्यूब पर कॉमेडी वीडियो की शुरुआत की और इंडिया के टॉप यूट्यूबर में से एक बन गए। उनके पास सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री भी है। वह अपनी फिटनेस के लिए भी चर्चा में रहते हैं। एक लंबे समय बाद जब उन्होंने यूट्यूब पर वापसी की थी तो लोग उन्हें देख कर चौंक गए थे। पहले आशीष गोल-मटोल हुआ करते थे लेकिन उन्होंने अपना वजन 40 किलो कम करके अपने फैंस को चौंका दिया था।

शॉर्ट रीड | **70** *फीसदी लोगों का मानना है कि वैज्ञानिक महत्त्वपूर्ण रिसर्च करने में सक्षम हैं।- **(ज्यूरिख यूनिवर्सिटी का शोध)***

सकारात्मक भावों से व्यक्ति अपने आत्मा की शक्तियों को पहचानने एवं उनके उपयोग के लिए प्रेरित रहता है। उसकी सृजनात्मकता प्रकट हो जाती है। हर विषय को वह आगे बढ़ने के लिए ही देखता है।

सकारात्मक सोच ही सफलता का आधार

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

सकारात्मक भाव स्थूल भी होते हैं और दृढ़ भी। ये व्यक्ति में साहस जगाते हैं। विकट परिस्थितियों में संघर्ष करने की क्षमता भी देते हैं। उसे सदा स्फूर्त रखते हैं।

जीवन के प्रति सकारात्मक होना बहुत आवश्यक है। यही भाव व्यक्ति को सफलता के सोपानों पर निरन्तर अग्रसर बनाए रखता है। नकारात्मक भाव व्यक्ति की ऊर्जा को क्षीण करते हैं। उसका ओज ही समाप्तप्रायः हो जाता है और साहस तो उसके कोश से विदा ही हो जाता है। आज तो वैज्ञानिक भी इस तथ्य को स्वीकार करते हैं कि सकारात्मक व्यक्तित्व सामने वाले नकारात्मक व्यक्तित्व का, बाली की तरह, आधा बल खींच लेता है। नकारात्मक व्यक्ति तो उस स्थिति में स्वयं को हारा हुआ ही मानता है। अच्छी से अच्छी, अनुकूल परिस्थिति में भी पहले उसकी दृष्टि अपने नकारात्मक पहलू पर ही पड़ती है और वह सकारात्मक पहलू पर ध्यान जाने से पूर्व ही निस्तेज हो जाता है।

सकारात्मक भावों से व्यक्ति अपने आत्मा की शक्तियों को पहचानने एवं उनके उपयोग के लिए प्रेरित रहता है। उसकी सृजनात्मकता प्रकट हो जाती है। हर विषय को वह आगे बढ़ने के लिए ही देखता है। हर अवरोध को चुनौती के रूप में स्वीकार करता है, तभी उसके जीवन में आनन्द बरसता है। चुनौतियां पार कर अपने लक्ष्य तक पहुंचने का सुख केवल सकारात्मक भाव के साथ ही मिल सकता है।

ऐसी क्षमता प्राप्त करना केवल अभ्यास की बात है। जीवन में संस्कारों को तो आसानी से नहीं बदला जा सकता; किन्तु आदत, व्यवहार और परम्पराओं को हम सहज ही विचार करके बदल सकते हैं। भावभूमि कुछ तो व्यक्ति को आनुवांशिक तौर पर प्राप्त होती है और कुछ जीवन के अनुभवों से। भाव तो मन से जुड़े होते हैं। इनका धरातल शरीर और बुद्धि से भी गहरा है। मन के साथ आत्मा के धरातल पर भाव पैदा होते हैं। मन के भाव ही व्यक्ति को चलाते हैं। मन की इच्छापूर्ति के लिए ही शरीर और बुद्धि कार्य करते हैं। हमारा कार्य अच्छा हो, हम अपने कार्यों में सदा सफल हों, इसके लिए आवश्यक है कि हमारे भाव भी सरल हों। इससे हमारी क्रियाएं भी सरल होंगी, व्यवहार भी सरल होगा। अवरोध कम आएंगे। दूसरी बात है कि भाव खुद दृढ़ हों। बिना दृढ़ता के आप लक्ष्य तक कैसे पहुंच सकते हैं? भटकाव आने के कई कारण बन सकते हैं। सकारात्मक भाव स्थूल भी होते हैं और दृढ़ भी। ये व्यक्ति में साहस जगाते हैं। विकट परिस्थितियों में संघर्ष करने की क्षमता भी देते हैं। उसे सदा स्फूर्त रखते हैं।

हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, इसी प्रकार जीवन में प्रत्येक विचार भी सकारात्मक व नकारात्मक भाव के साथ पैदा होता है। सफलता के लिए दृष्टि हमेशा सकारात्मक पक्ष पर होनी चाहिए। अन्यथा नकारात्मक भाव पर दृष्टि हमें सफल नहीं होने देगी। इस बात को एक दृष्टान्त से समझ सकते हैं- ध्यान विधि सीखने के लिए एक युवक ने योगी संत के समीप जाकर प्रार्थना की, तब योगी ने उससे पूछा कि तुम्हें कौनसी वस्तु सबसे अच्छी लगती है। युवक बोला कि गाय और बन्दर। योगी ने कहा कि इनमें से एक चुनो। युवक दोनों में से किसी एक का चयन नहीं कर पा रहा था। तब योगी ने कहा कि तुम गाय का ध्यान करो, बंदर का नहीं। युवक जितना बंदर का ध्यान नहीं करने की कोशिश करता है, उतना ही बंदर उसके ध्यान में आता, गाय का चिंतन तो वह कर ही नहीं पाता। अपनी यह समस्या जब योगी को बताई तो वह बोले कि तूने मेरी बात के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष को पकड़ लिया। तब गाय का ध्यान कैसे संभव होता। जीवन में क्या पाना है, यही सोच आगे बढ़ने में सहायक है।

व्यक्ति का दृष्टिकोण विशेष महत्त्वपूर्ण होता है। उसके सुख की परिभाषा भी महत्त्वपूर्ण है। व्यक्ति यदि सकारात्मक भाव नहीं रखता, तो वह मन की गहराइयों तक नहीं पहुंच सकता। अन्य व्यक्तियों के प्रति वह सम्मानजनक हो ही नहीं सकता। तब सुख कहां से आएगा? सुख को बांटने के लिए भी हमें लोगों की जरूरत पड़ती है। दुःख को बांटने के लिए भी लोगों की जरूरत पड़ती है। नकारात्मक दृष्टि से आलोचना का भाव बढ़ता है, वह व्यक्ति को मुख्य धारा से दूर कर देता है।

आप कितने ही बड़े हों, कितने ही धनी हों, आपको अन्य प्राणियों का सम्मान करना आना ही चाहिए। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सहारे ही आप सकारात्मक जीवनधारा में जी सकते हैं। अपनी-अपनी जगह सभी महत्त्वपूर्ण हैं। सबको गलतियां करने का अधिकार भी अपनी-अपनी समझ के अनुसार है। वे उनके परिणाम भी स्वयं ही भोग लेंगे। फिर, आप क्यों आलोचना का मार्ग पकड़कर अपनी बुद्धि पर आवरण डालते हैं? उनका कुछ बिगड़े या नहीं, किन्तु आपका सुख तो चला गया। अतः जीवन में आनन्द का भाव तभी आ सकता है जब आप हर परिवेश में, हर परिस्थिति में सकारात्मक रहें।

gulabkothari@epatrika.com

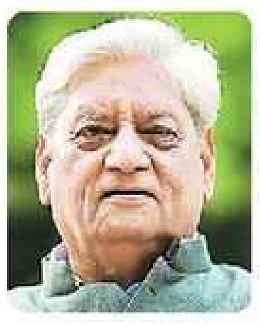

काव्यांजलि...

तुम्हारे नाम का प्रारम्भ

रेनू शब्दमुखर

लिखने बैठती हूं तुम्हें
तो शब्द खुद-ब-खुद
मेरे मन से रिसते हैं।
तुम्हारे होने का आभास,
जैसे शून्य में अनुगूंज
या अनहद नाद।

तुम सागर हो,
हर लहर में समेटे
अनगिनत रहस्यों की
कहानी।
तुम आसमान हो,
जिसका विस्तार हर दिन
नई परिभाषा मांगता है।

सांवरे तुम मेरे
विचारों के बीज,
जो हर कविता में
फूटते हैं नए रूप में।
तुम मेरी पहली रेखा,
और आखिरी विराम चिह्न।

मैं लिखती हूं तुम्हें
तो लगता है जैसे
स्वयं को लिख रही हूं।
तुम्हारे नाम का प्रारम्भ
मेरे शब्दों की इति है।

तुममें सिमटना
जैसे कण-कण में
बिखर जाना,
और फिर हर जगह
तुम्हारा होना।

हां, तुम्हीं से मेरा
आरम्भ है,
तुम्हीं में मेरी समाप्ति।
ओमकार की गूंज हो तुम,
हर रचना का मूल।
आज लिख रही हूं,
लेकिन जानती हूं,
कल भी
यही लिखूंगी।

कहानी...

एक घंटे बाद नंदिता डरते हुए बैंक गई। बचपन से उसने खुद को दूसरों पर निर्भर पाया तो उसके अवचेतन में एक डर सा बैठ गया था। बाहर उसे घरवालों का साथ जरूरी था, बचपन में पापा तो अब पति।

नई शुरुआत

डॉ.दीपक पंचोली

दिल्ली से ऑस्ट्रेलिया जाने वाला विमान उड़ान भर चुका था, नंदिता का यह पहला विदेश सफर था वो भी अकेले। खिड़की से बाहर देखते हुए नंदिता ने विशाल महानगर को छोटा होते हुए देखा, एक ऊंचाई पर जाने के बाद हर चीज छोटी होती दिखती है, चाहे वो ऊंचाई आसमान की हो या फिर जीवन की। नंदिता 45 बसंत देख चुकी थी और एक माह पहले तक ये सोच भी नहीं सकती थी कि वो कभी अकेले इतनी दूर अपने बेटे साहिल से मिलने ऑस्ट्रेलिया जाएगी।

हवाई जहाज अब बादलों से ऊपर पहुंच चुका था, अनंत आकाश को देखते हुए नंदिता पुराने खयालों में खो गई। एक सुबह रसोई में खाना बनाते हुए उसे ड्रॉइंग रूम में बैठे पति और सासू मां की आवाजें सुनाई दे रही थी। पति को बैंक का जरूरी काम करना था मगर छुट्टी नहीं मिल पा रही थी तो सासू मां ने नंदिता को बैंक भेजने की बात कही तब जोर का ठहाका लगाते हुए अमृत बोला, 'नंदिता के बस की बात नहीं है, वो तो एटीएम से पैसे तक नहीं निकाल सकती।' यह बात नंदिता को चुभ गई मगर उसने कभी अपना पक्ष रखना सीखा ही नहीं था तो चुप ही रही। उसे पता था कि अमृत और सासू मां सभी उससे प्यार करते हैं, मगर उसे एक घरेलू औरत से ज्यादा कुछ नहीं समझते। थोड़ी देर बाद जब खाने की टेबल पर तीनों बैठे थे तो परेशान अमृत ने नंदिता से कहा, 'नंदिता मुझे पता है तुम बैंक का काम नहीं कर पाओगी मगर आज मजबूरी है और तुम्हें बैंक जाकर मेरा काम करना होगा, कर लोगी क्या?' नंदिता ने हां में गर्दन हिलाई। एक घंटे बाद नंदिता डरते हुए बैंक गई। बचपन से उसने खुद को दूसरों पर निर्भर पाया तो उसके अवचेतन में एक डर सा बैठ गया था। बाहर उसे घरवालों का साथ जरूरी था, बचपन में पापा तो अब पति।

बैंक में भीड़ और कई सारे काउंटर देख नंदिता समझ नहीं पा रही थी कि कैसे काम करे। तभी साहिल के साइंस के टीचर शरद ने उसे पहचान लिया और उसकी मदद कर दी।

शरद ने बताया कि एक बार साहिल का फोन आया था। मुझे खुशी है कि वो ऑस्ट्रेलिया में बड़ी कंपनी में अच्छी नौकरी कर रहा है। उसके इतना आगे बढ़ने में आपका योगदान भी बहुत बड़ा है, मुझे याद है आप उसके होमवर्क, पढ़ाई को लेकर काफी ध्यान रखती थीं। शरद सर ने जब पुरानी बातें बताईं तो नंदिता के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उसने तो इस नजरिए से कभी सोचा ही नहीं कि बेटे को सफलता मिलने में उसका भी कोई योगदान है।

शाम को नंदिता अमृत और सासू मां के लिए खाना बना रही थी, तभी साहिल का फोन आया। उसे कंपनी से बोनस और माता-पिता को 15 दिन के ऑस्ट्रेलिया घूमने का ऑफर मिला था। सभी खुश थे मगर अमृत को ऑफिस का ढेर सारा काम था तो उसने घूमने का प्रस्ताव रद्द कर दिया। इस पर साहिल ने सुझाव दिया कि मम्मी अकेली आ जाएं। यह सुन सभी चौंक गए क्योंकि नंदिता अकेले बाजार तक नहीं जाती, ऑस्ट्रेलिया कैसे जाएगी? मगर साहिल ने नंदिता का हौसला बढ़ाया। उसे याद दिलाया कि बचपन में उसकी हर समस्या को चुटकी में हल करने वाली वो सुपर मॉम हैं।

इन्हीं सब विचारों में डूबी नंदिता हवाई जहाज की खिड़की से विशाल महासागर देखती हुई ऑस्ट्रेलिया की धरती पर जा पहुंची। अगले पंद्रह दिन नंदिता के जीवन के अनमोल पल थे। साहिल उसे रोजाना कहीं घुमाता, दिन में वो खुद अकेली शहर घूमने निकल जाती। बेटे ने उसे हौसला दिया कि वो सब कुछ कर सकती है, बस अपने मन के डर को भगाना होगा। यू-ट्यूब वीडियो से उसने कामचलाऊ अंग्रेजी भी बोलना सीख लिया था। पंद्रह दिन में नंदिता ने अपने अंदर आमूलचूल बदलाव पाया। हर रोज साहिल नंदिता से उसके अनुभव पूछता। छोटी-मोटी जानकारी देता और अपनी मां के आत्मविश्वास को मजबूत करता।

पंद्रह दिन बाद जब नंदिता वापस भारत लौटकर आई तो उसके मन में जीवन के प्रति एक अलग ही नजरिया था। साहिल ने पापा, दादी के लिए उपहार भेजे। साथ ही अपने टीचर शरद सर के लिए भी उपहार भेजा। उसे देने एक दिन नंदिता शरद सर के घर गई। बातों-बातों में शरद सर ने नंदिता को सलाह दी कि उसे अपनी ऑस्ट्रेलिया यात्रा का विवरण किताब के रूप में लिख कर छपवाना चाहिए।

अगले एक महीने में नंदिता को जब भी घर के कामों से फुर्सत मिलती वो किताब लिखने का काम करती। फिर उसे टाइप करवा कर दिल्ली के एक प्रतिष्ठित प्रकाशन को भेज दिया। उसे आशंका थी कि प्रकाशक उसकी किताब पसंद करेंगे या नहीं?

सर्दियों की एक रात जब नंदिता पति और सासू मां के साथ टी.वी. देख रही थी कि बेटे साहिल का फोन आया, 'पापा मैंने कहा था ना मेरी मम्मी सुपर हीरो है, मुझे दिल्ली से एक प्रकाशक का मेल आया, वो मम्मी की किताब छाप रहे हैं, पहला संस्करण ही 50 हजार प्रतियों का छप रहा है। इससे ज्यादा खुशी की क्या बात हो सकती है?'

साहिल की खुशखबरी ने घर का माहौल खुशियों से भर दिया। सासू मां ने उसे गले लगा लिया। नंदिता किताब प्रकाशित होने से ज्यादा इस बात पर खुश थी कि उसके अंदर के व्यक्तित्व को अब घरवालों ने भी स्वीकारा। सबसे खास बात वो खुद अपनी प्रतिभा से इतने सालों तक अनजान रही। इस बात पर उसे हैरानी भी हो रही थी, मगर अब वो खुद को एक मजबूत महिला स्वीकार चुकी थी।

दिल से...

मोबाइल का मकड़जाल

बात उस समय की है जब मैं ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ती थी। मैं पढ़ाई में हमेशा अव्वल आती थी। सभी गुरुजी मेरी तारीफ करते थे। मेरे पापा ने मुझे मेरे जन्मदिन पर एक मोबाइल उपहार में लाकर दिया। मैं पढ़ाई से लेकर हर चीज के लिए धीरे-धीरे मोबाइल पर निर्भर होने लगी। मुझे पता ही नहीं चला कि मैं कब पूर्णतया मोबाइल के मकड़जाल के फंस गई। ग्यारहवीं के पेपर होने वाले थे। परीक्षा के बाद जब रिजल्ट आया तो मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ कि मेरे नंबर बहुत कम आए हैं। गुरुजी ने मुझसे पूछा कि बेटा इस बार आपने पढ़ाई सही तरह से नहीं की इस वजह से आपके नंबर इतने कम आए हैं। मैंने कहा, 'गुरुजी मैंने तो रात- दिन पढ़ाई मोबाइल से की है।' गुरुजी ने कहा, 'बेटा मोबाइल में हर चीज सही नहीं होती अगर सही होती तो स्कूलों में हमें पढ़ाने की जरूरत क्यों होती? जो हम सिखा सकते हैं वह मोबाइल नहीं सिखा सकता।' मेरी आंखें खुल गईं। मैंने माता-पिता और गुरु जी से माफी मांगी। फिर रात दिन किताबों से पढ़ाई की और बारहवीं कक्षा में 90% से उत्तीर्ण हुई। मुझे समझ आ गया मोबाइल उपयोगी चीज है पर हमेशा हर चीज के लिए नहीं।

लहर सनाढ्य

अपने अनुभव साझा करें

हमारे साथ बांटिए रोचक अनुभव और प्रेरक प्रसंग। चयनित अनुभव को प्रकाशित किया जाएगा। आपकी रोचक याद या आपसे जुड़ा प्रेरक प्रसंग हमें 250 शब्दों में लिखकर वाट्सऐप या ईमेल करें।
parivar@epatrika.com

देश की पहली महिला वॉइज पुरस्कार विजेता

महिला शिक्षा को समर्पित सफीना हुसैन

सफीना हुसैन

राजस्थान के पाली जिले की समाजसेवी संस्था 'एजुकेट गर्ल्स' महिलाओं की बेहतरी और तरक्की के लिए एक अनूठा अभियान चलाती है। यह संस्था उन महिलाओं को दोबारा शिक्षा की डोर थामने के लिए प्रेरित करती है, जिनकी किसी पारिवारिक जिम्मेदारी या मजबूरी के कारण पढ़ाई छूट गई थी। एजुकेट गर्ल्स 'प्रगति' नामक मिशन के तहत 15 से 29 वर्ष की ग्रामीण महिलाओं को दसवीं कक्षा तक की पढ़ाई में सहायता करती है। गांव में प्रगति कैंप लगा कर इन महिलाओं को पढ़ाया जाता है। साथ ही, एजुकेट गर्ल्स सरकारी व अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करती है कि 14 वर्ष की उम्र तक की सभी लड़कियां उनके विद्या कार्यक्रम के तहत स्कूल में दाखिला लें। यह अभियान वर्ष 2007 से चल रहा है।

एजुकेट गर्ल्स की संस्थापक और मुख्य कर्ताधर्ता हैं दिल्ली में जन्मी सफीना हुसैन। खुद सफीना का बचपन कठिन परिस्थितियों में गुजरा है। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए सफीना को कतर फाउंडेशन की ओर से वाइज (वर्ल्ड इनोवेशन समिट फॉर एजुकेशन) अवॉर्ड मिला। 2023 में हुसैन ने यह पुरस्कार जीता।

सफीना कहती हैं कि महिलाओं की महत्त्वाकांक्षाओं को अब भी हमारे समाज के बड़े तबके में खास तवज्जो नहीं दी जाती। वे गरीबी, दकियानूसी विचारों, जिम्मेदारियों या सामाजिक दबाव की वजह से शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। बीते 17 वर्षों में सफीना की अगुवाई में इस संगठन में 23000 स्वयंसेवक सदस्य बना लिए हैं। सफीना की संस्था राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश और बिहार के 29000 से ज्यादा गांवों में राज्य सरकारों के साथ मिलकर शिक्षा का वरदान बांट रही है। सफीना का 2025 में इन राज्यों की 40 फीसदी ऐसी लड़कियों को दोबारा शिक्षा की डोर थमाने का लक्ष्य है जिनके स्कूल छूट चुके हैं।

लघुकथा...

अनोखा स्वाद

'समोसे ले लो, ताजा समोसे।' साइकिल के पीछे बक्सा रखकर समोसे बेचने वाले ने आवाज लगाई। श्रीकांत बाबू अपने बंगले के गार्डन में पौधों को पानी पिला रहे थे। उन्होंने कहा, 'भैया समोसे ताजा और शुद्ध तो हैं?' 'बाबूजी बिल्कुल शुद्ध और ताजा है, मैं और मेरी पत्नी साफ सफाई के साथ शुद्ध तेल और मसालों से घर पर ही बनाते हैं।' श्रीकांत बाबू बोले, 'दिनभर में कितने बेच देते हो, दुकान लगाकर क्यों नहीं बैठ जाते?'

'बाबूजी दुकान का भाड़ा देने जितने पैसे कहां इकट्ठे होते हैं, बक्सा भरकर निकलता हूं मोहल्ले गलियों में आवाज लगाता हुआ घूमता हूं, जब तक ये बिक नहीं जाते तब तक घर नहीं जा सकता। सस्ते देता हूं। मेरे ग्राहक सीधे-सादे, गरीब और मध्यम परिवार के लोग हैं साथ ही मजदूर होते हैं। ज्यादा तो नहीं, घर खर्चा चल जाए जितने कमा लेता हूं।'

श्रीकांत बाबू बोले, 'मुझे भी पांच समोसे दे दो और घूमते-घामते कभी इधर आओ तो दे जाया करो।' वह प्रसन्न होता हुआ बोला, 'बाबूजी! बंगले वाले शायद आप पहले व्यक्ति होंगे जो मुझसे समोसे खरीद रहे हो।'

कुछ देर बाद श्रीकांत बाबू परिवारजनों के साथ जब समोसे खा रहे थे तो उनकी श्रीमती जी बोली, 'समोसे का टेस्ट अच्छा है।' श्रीकांत बाबू बोले, 'क्यों नहीं होगा, इनमें किसी गरीब की मेहनत का स्वाद मिला हुआ है जो किसी चमक-दमक वाले रेस्टोरेंट के समोसों में नहीं मिल सकता।'

-रामगोपाल आचार्य

बोधकथा

वसंत का संदेश

एक छोटे से गांव में राजीव नाम का एक युवक रहता था। वह अत्यंत मेहनती था, लेकिन जीवन में विफलताओं से निराश हो चुका था।

वह एक साधु के पास गया और बोला, 'बाबा, मैं कितना भी परिश्रम करूं, सफलता मेरे पास नहीं आती।'

साधु बोले, 'बेटा, आओ, तुम्हें वसंत का एक रहस्य दिखाऊं।' उन्होंने कहा, 'देखो, यह पेड़ है। क्या यह सर्दियों में फल देता है?' 'नहीं बाबा, सर्दियों में तो यह सूखा सा दिखता है।'

साधु बोले, 'क्या यह पेड़ मृत है? नहीं! यह अपनी जड़ों को मजबूत कर रहा होता है। ठंड सहन कर रहा होता है, ताकि वसंत के आते ही यह हरी-भरी टहनियों और मीठे फलों से भर जाए।

जीवन में भी कठिनाइयों के दिन सर्दी के समान होते हैं। यदि तुम धैर्य रख अपने प्रयास जारी रखोगे, तो सफलता का वसंत अवश्य आएगा।'

राजीव ने साधु की बात गांठ बांध ली। उसने परिश्रम जारी रखा। उसका व्यापार चल पड़ा। कुछ वर्षों बाद, वह गांव का सबसे सफल व्यक्ति बन गया।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

माइंड गेम...

कुसुम पर काव्य

नीचे कुसुम पर काव्य रचनाओं के अंश हैं। कवियों के नाम तलाशिए। उत्तर नीचे हैं।

1.जिन दिन देखे वे कुसुम
2.तुम कुसुम सी मिल जाते हो
3.जीवन में वह था एक कुसुम
4.एक कुसुम कमनीय
5.नील कुसुम
6.कानन-कुसुम
7.कुसुम अलकों
सजाना नहीं
8.बसंत में जैसे कुसुम खिलता है
9.कुसुम वंदना
10. काव्य कुसुम
11.उस जैसा कुसुम खिलता है
12.नाम कुसुम सौंदर्य कुसुम
13.मैं कुसुम हूं
14.है ये कुसुम की क्यारी
15.जागिए, व्रजराज-कुंवर, कमल-कुसुम फूले

1.बिहारी 2.नीरज शुक्ल 3.हरिवंशराय बच्चन 4.अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 5.रामधारी सिंह 'दिनकर' 6.जय शंकर प्रसाद 7.रवीन्द्रनाथ ठाकुर 8.विनोद महर्षि 'अप्रिय' 9.गोविंददास 10.किंजल इलेश मेहता 11.मिसरी पोयटी 12.कुसुम लता 13.निशा मिश्रा 14.ऋचा गौड़ 15.सूरदास।

शॉर्ट रीड सच्चे साहित्य का निर्माण एकांत चिंतन और एकांत साधना में होता है। -अनंत गोपाल शेवड़े

भारत दौरा: तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा, पांच टी-20 मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने 4-1 से दी थी शिकस्त

स्पिनरों से निपटने के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों की खास ट्रेनिंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नागपुर. भारत के खिलाफ हाल में समाप्त हुए पांच टी-20 मैचों की सीरीज मेहमान इंग्लैंड टीम के लिए बुरे सपने की तरह रही थी और उसे 1-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस सीरीज में इंग्लैंड के बल्लेबाज भारतीय स्पिन गेंदबाजों के सामने बुरी तरह से फ्लॉप रहे। ऐसे में इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम ने कुछ नया करने की योजना बनाई है। वह छह फरवरी से खेले जाने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए अपने बल्लेबाजों को भारतीय स्पिनरों से निपटने के लिए खास तरह की ट्रेनिंग करवा रहे हैं।

रिवर्स-स्वीप शॉट से स्पिनरों की काट

अभ्यास सत्र के दौरान इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज स्पिनर रेहान अहमद, जोए रूट, लियाम लिविंगस्टोन और आदिल राशिद के खिलाफ बड़े शॉट लगाने का अभ्यास कर रहे हैं। इस दौरान बल्लेबाज स्वीप और रिवर्स स्वीप शॉट की भी जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज जोए रूट ने कहा, कोच मैकुलम ने ड्रेसिंगरूम का माहौल अच्छा बनाए रखा है। बल्लेबाजी की तकनीक हो या परिस्थितियों में खुद को ढालने की कला, इन सभी चीजों में उन्होंने हमें बेहतर बनाया है।

अनुभवी बल्लेबाज जोए रूट के साथ इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम।

30 विकेट चटकाए थे भारतीय स्पिनरों ने

टी-20 सीरीज में भारतीय स्पिनरों के आगे इंग्लैंड के बल्लेबाज पस्त नजर आए थे। पांच मैचों की सीरीज में भारतीय स्पिनरों ने कुल 30 विकेट चटकाए। इंग्लैंड के कोच मैकुलम ने कहा, हम कोशिश करेंगे कि स्पिनरों के दबाव में नहीं आएं और अपना स्वाभाविक खेल खेलें। हमारे टीम में स्पिन खेलने वाले शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन हमें सिर्फ अपने अंदर आत्मविश्वास लाने की जरूरत है।

वरुण नेट गेंदबाज के तौर पर टीम इंडिया में

नागपुर. इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की सीरीज में 14 विकेट लेने वाले स्पिनर वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के दौरान भी भारतीय टीम के साथ बने रहेंगे। बीसीसीआइ ने वरुण को नेट गेंदबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया है।

श्रीलंका क्रिकेट: ऑस्ट्रेलिया से दूसरा मैच 6 से

100वां टेस्ट खेलने के बाद संन्यास लेंगे करुणारत्ने

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गाले. श्रीलंकाई बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने छह फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाले में शुरू होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट के बाद संन्यास ले लेंगे। यह करुणारत्ने का 100वां टेस्ट मैच होगा। गौरतलब है कि हाल में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। 36 वर्षीय करुणारत्ने पिछले 14 महीनों में रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। वर्ष 2024 की शुरुआत से ही उनका औसत 27.05 का रहा है। फिलहाल दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मेजबान श्रीलंकाई टीम 0-1 से पीछे है।

सातवें श्रीलंकाई क्रिकेटर बनेंगे: करुणारत्ने दूसरे टेस्ट में उतरने के साथ ही 100 टेस्ट मैच खेलने वाले सातवें श्रीलंकाई क्रिकेटर बनेंगे। उनसे पहले सनथ जयसूर्या, मुथैया मुरलीधरन, चामिंडा वास, महेला जयवर्धने, कुमार संगकारा और एंजेलो मैथ्यूज यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

यह संन्यास लेने का सही समय है

यह संन्यास लेने का सही समय है क्योंकि अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चरण में तीन या चार युवा खिलाड़ी आ सकते हैं। यह मैच गाले में होना है, जहां मैंने अपना पदार्पण किया था, इसलिए वहां खेल खत्म करना अच्छा रहेगा। **-दिमुथ करुणारत्ने**

इसी मैदान पर पदार्पण, यहीं लेंगे संन्यास

करुणारत्ने ने नवंबर, 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गाले के इसी मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां अब वे संन्यास लेने वाले हैं। उन्होंने अपने 12 साल के टेस्ट करियर में 39.99 की औसत से 7079 रन बनाए हैं।

आज का पोल

क्या भारतीय टीम वनडे सीरीज में भी इंग्लैंड का सफाया कर पाएगी?

YES NO

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

मंगलवार का जवाब

हां 80% नहीं 20%

पिछला सवाल: क्या सूर्यकुमार को टी-20 टीम का कप्तान बनाए रखना चाहिए?

हैप्पी बर्थडे...

रोनाल्डो बोले, मेरी नजर में मुझसे बेहतर कोई नहीं

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

जेद्दाह @ पत्रिका. पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का मानना है कि वे अब तक के इतिहास में संपूर्ण खिलाड़ी हैं। बुधवार को 40 साल के होने जा रहे रोनाल्डो ने एक इंटरव्यू में कहा, मेरी नजर में मुझसे बेहतर खिलाड़ी कोई नहीं है। आप पेले, डिएगो माराडोना और लियोनल मेसी जैसे खिलाड़ियों को महान खिलाड़ियों की श्रेणी में रखते हैं। वे हैं और मैं भी उन सभी का बेहद सम्मान करता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं सबसे बेहतर हूं। फुटबॉल इतिहास में 919 गोल के साथ शीर्ष पर मौजूद रोनाल्डो ने कहा, मैं फुटबॉल में सबकुछ करता हूं, अच्छे हैडर लगातार हूं, बेहतरीन फ्री किक लगाता हूं, अपने बाएं और दाएं दोनों पैरों से शॉट लगा सकता हूं और क्या चाहिए।

चिंताजनक: पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन की समस्या से जूझ रहे भारतीय तेज गेंदबाज

बुमराह की चोट ने बढ़ाई मुश्किलें, चैंपियंस ट्रॉफी से हो सकते हैं बाहर

- 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी का होगा आगाज
- 20 फरवरी को भारत का पहला मैच बांग्लादेश से

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की चोट ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच गौतम गंभीर की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने में अब सिर्फ 14 दिन शेष रह गए हैं लेकिन बुमराह की चोट को लेकर टीम प्रबंधन को अच्छी खबर नहीं मिल रही है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के दौरान बुमराह की पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन हो गई थी। इस कारण वह दूसरी पारी के दौरान गेंदबाजी के लिए भी नहीं उतरे थे। माना जा रहा था कि बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी तक फिट हो जाएंगे लेकिन ऐसा होते हुए नहीं दिख रहा है।

आसान नहीं होगा वापसी करना

बुमराह के इलाज के लिए न्यूजीलैंड के एक विशेषज्ञ से भी सलाह ली जा रही थी लेकिन इसके बावजूद चैंपियंस ट्रॉफी तक उनका फिट होना मुश्किल लग रहा है। वह सोमवार को बेंगलूरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे, जहां तीन-चार दिन तक विशेषज्ञों की निगरानी में रहेंगे। मांसपेशियों की रिकवरी और सूजन कम करने के लिए बुमराह को घर पर आराम करने की सलाह दी गई थी। इस कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भी नहीं खेल रहे हैं।

पहले भी कई बार चोट ने किया परेशान

बुमराह पहले भी कई बार चोटिल हुए हैं लेकिन कमर की चोट सबसे मुश्किल है। **इस कारण 2022 में उनका करियर खतरें में पड़ गया था।**

2018 – अंगूठे की चोट: **बांग्लादेश** दौरे पर कैच लेते हुए अंगूठे में लगी चोट। ***एक सप्ताह के लिए हुए बाहर।***

2019 – पीठ में चोट: **पीठ** के निचले हिस्से में स्ट्रेस ***फ्रैक्चर के कारण तीन महीने के लिए हुए बाहर।***

2020-21 – पेट में खिंचाव: **सिडनी** टेस्ट में फील्डिंग करते हुए पेट की मांसपेशियों में खिंचाव। ***3 सप्ताह के लिए बाहर।***

2022 – बैक इंजुरी: **पहली बार** पीठ और कमर में खिंचाव से पीड़ित हुए। ***करीब एक साल तक मैदान से बाहर रहना पड़ा।***

टीम के सबसे बड़े मैच विनर, इस कारण चिंता

बुमराह ना सिर्फ दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं बल्कि भारत के सबसे बड़े मैच विनर भी हैं। यदि वे चैंपियंस ट्रॉफी से हटते हैं तो भारतीय टीम को बड़ा झटका लगेगा।

टूर्नामेंट	मैच	विकेट
2019 वनडे विश्व कप	09	18
2021 टी-20 विश्व कप	05	07
2023 वनडे विश्व कप	11	20
2024 टी-20 विश्व कप	08	15

...तो हर्षित और सिराज के बीच होगी होड़

हर्षित राणा।

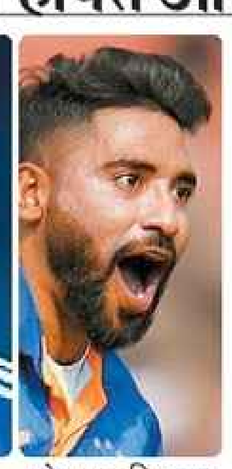
मोहम्मद सिराज।

बीसीसीआइ चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पहले ही भारतीय टीम घोषित कर चुका है और इसमें बुमराह का नाम भी शामिल है। लेकिन यदि बुमराह फिट नहीं हुए तो किसी और तेज गेंदबाज को टीम में शामिल करना पड़ेगा। गौरतलब है कि टूर्नामेंट में खेलने वाले सभी देश 11 फरवरी तक टीम में बदलाव कर सकते हैं।

टीम में बदलाव : रिपोर्ट के मुताबिक, बुमराह की जगह लेने के लिए युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अनुभवी मोहम्मद सिराज के बीच होड़ है। हर्षित ने करियर में सिर्फ दो टेस्ट और एक टी-20 खेला है। टेस्ट में उनके नाम चार और टी-20 में तीन विकेट हैं। वहीं, सिराज के पास काफी अनुभव है लेकिन वह खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक 44 वनडे मैचों में कुल 71 विकेट चटकाए हैं।

टेबल टेनिस: सिंगापुर स्मैश में निराशाजनक प्रदर्शन

निराशा: मनिका और श्रीजा अकुला पहले ही दौर में हारीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मनिका बत्रा

सिंगापुर. भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला को यहां आयोजित डब्ल्यूटीटी सिंगापुर स्मैश के पहले दौर में हार कर बाहर होना पड़ा। मनिका को रोमानिया की एलिजाबेटा समारा ने 3-1 (12-10, 7-11, 12-10, 11-7) से हराया, जबकि श्रीजा को चीन की ही झूओजिया ने करीबी मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी। इन दोनों की हार के साथ ही भारतीय चुनौती समाप्त हो गई।

कड़ा मुकाबला: पहला गेम 5-11 से हारने के बाद श्रीजा ने दो गेम 12-10 व 11-9 से जीतकर बढ़त बना ली थी। लेकिन फिर चौथा गेम 8-11 से और निर्णायक गेम 11-13 से हारकर बाहर हो गईं।

38वें राष्ट्रीय खेल: हरियाणा की शटलर ने महिला एकल खिताब जीता

अनुपमा को हराकर अनमोल बनीं चैंपियन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

देहरादून. भारत की युवा खिलाड़ी अनमोल खरब ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को राष्ट्रीय खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता के महिला एकल फाइनल में शीर्ष वरीय अनुपमा उपाध्याय को हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रही हरियाणा की अनमोल ने अनुपमा को 21-16, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

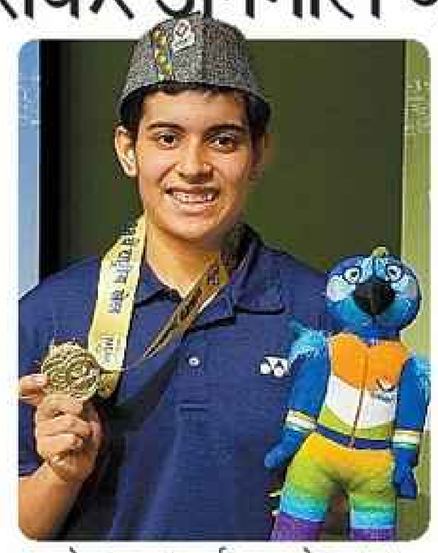
अनमोल खरब स्वर्ण पदक के साथ।

सतीश व आद्या की जोड़ी विजेता: बैडमिंटन की अन्य स्पर्धाओं में सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ ने मिश्रित युगल फाइनल में दीप रामभिया और अक्षय वारंग को 21-11, 20-22, 21-8 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरुष युगल में नितिन एचवी और प्रकाश राज एस ने फाइनल में वैभव और आशिथ सूर्या को 21-16, 21-14 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

टेनिस: रूसी खिलाड़ी 6-7, 6-4, 6-1 से जीत हासिल कर रोटर्डम ओपन के दूसरे दौर में

मेदवेदेव ने छह साल बाद वावरिंका को हराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रोटर्डम. दूसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनिल मेदवेदेव ने रोटर्डम ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने स्विट्जरलैंड के पूर्व चैंपियन स्टेनिस्लास वावरिंका को 6-7, 6-4, 6-1 से शिकस्त दी। उन्होंने वावरिंका के खिलाफ छह साल बाद पहली जीत दर्ज की है। वहीं, मेदवेदेव ने यहां 2023 में खिताब जीता था, लेकिन उसके बाद यह इंडोर हार्डकोर्ट एटीपी 500 टूर्नामेंट में उनकी पहली जीत है।

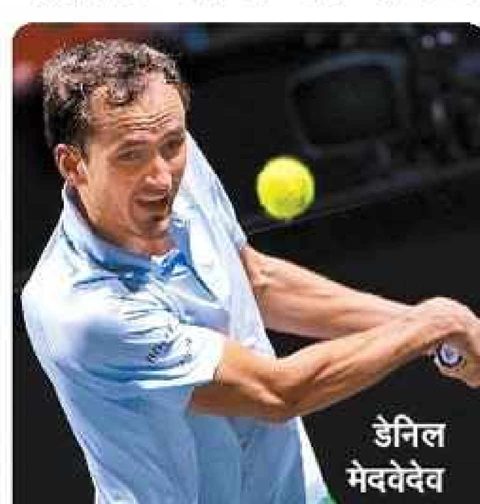
डेनिल मेदवेदेव

सितसिपास और हरकाज भी जीते: अन्य मुकाबलों में वाइल्डकार्ड से एंट्री पाने वाले यूनान के स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के क्वालीफायर हेरोल्ड मेयोट को 6-1, 7-5 से हराया, वहीं पोलैंड के ह्यूबर्ट हरकाज ने इटली के फ्लेवियो कैबोली को 6-3, 6-2 से मात दी।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7246...

बाएं से दाएं... 1. पढ़ने वाला, वाचक (3), 4. नमस्कार, प्रणाम (5), 8. धुन, लौ (3), 9. स्वर्ग, बेकुंठ, गोलोक (3), 10. हुनर, फन (2), 12. समस्त, सारा, संपूर्ण (2), 13. अवस्था, दशा (2), 15. बुरी आदत (2), 17. स्वच्छ (2), 18. चंद्रमा, रात को विचरण करने वाला (5), 20. घेरा, वृत्त की परिधि (3), 22. स्त्री (2), 23. बराबर, चौरस, सदृश्य (3), 26. एकत्र, इकट्ठा (2), 28. चित्त, अंत:करण (2), 29. शिकस्त, पराजय (2), 31. जिसका वैधानिक रूप से संबंध विच्छेद हो गया हो (3-2), 34. पानी का भंवर, जलावृत्त (2-3), 35. कपड़े बुनने का यंत्र (3)

ऊपर से नीचे... 1. ईश्वर, पालन-पोषण करने वाला (5), 2. छली, फरेबी (2), 3. सोना, धतूरा (3), 4. बकरा (2), 5. पृथकता, असामनता, भेद (3), 6. हवा, पवन, वायु (2), 7. भाग्य, किस्मत (3), 11. लोभ (3), 12. कामयाब, उत्तीर्ण (3), 14. झूकना, शर्माना (3), 16. दया, रहम (3), 17. श्रावण (3), 19. कमल, पंकज, जल में उत्पन्न (3), 21. विश्वास, भरोसा (3), 24. नशीला (3), 25. समुदाय (3), 27. मृत्यु शोक, गमी (3), 28. ग्रहों का भ्रमण मार्ग, कक्षा (3), 30. पेंदा (2), 32. थूक (2), 33. तोता (2)

हल 7245

SUDOKU 6981...

			5		9			4
	2						3	
4					8	6		
2	5	3	6		1			
						9		
				4				
	7							
		1					6	9
9		8	3			1	2	

हल 6980

2	9	1	8	3	5	6	7	4
7	5	3	4	9	6	8	1	2
8	6	4	7	1	2	3	9	5
5	1	7	3	8	4	9	2	6
3	4	6	2	7	9	1	5	8
9	8	2	6	5	1	4	3	7
1	7	5	9	4	8	2	6	3
6	3	8	1	2	7	5	4	9
4	2	9	5	6	3	7	8	1

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

युवा प्रतिभा // 38वें राष्ट्रीय खेलों में मणिपुर के 17 वर्षीय एथलीट ने जीते दो स्वर्ण पदक, यहां तक पहुंचने के लिए किया कठिन परिश्रम

घंटों ठंडे पानी में तैरा, पहाड़ी रास्तों पर साइक्लिंग की और पैर सुन्न पड़ने तक दौड़ता रहता था: अथौबा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. मणिपुर के दोहरे स्वर्ण पदक विजेता एथलीट 17 वर्षीय सरुंगबाम अथौबा मैतेई ने देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में अपनी दोहरी सफलता पर कहा कि 'यह अप्रत्याशित था'। इम्फाल के एक छोटे से इलाके सिंगजामेई चिंगमाथक के इस युवा खिलाड़ी को अब तक यकीन ही नहीं हो रहा है कि उन्होंने कितनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अथौबा ने पुरुषों की व्यक्तिगत ट्रायथलॉन में खेलों का पहला स्वर्ण जीता और उसके बाद पुरुषों की व्यक्तिगत डुएथलॉन में दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया।

अथौबा ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां पदक जीतूंगा। मैंने यह मुकाम हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की है। घंटों बर्फ से ठंडे पानी में तैरता रहता था, पहाड़ी रास्तों पर साइक्लिंग करता और तब तक दौड़ता रहता जब तक कि मेरे पैर सुन्न ना पड़ जाएं। लेकिन जब ये पदक मुझे पहनाए गए तो लगा जैसे मेरी मेहनत सफल हो गई।

पहला स्वर्ण पदक दिलाया मणिपुर को ट्रायथलॉन में

01 घंटा, एक मिनट और एक सेकंड में पूरी की ट्रायथलॉन स्पर्धा, ***स्वर्ण जीता***

भावुक हुई मां, पदक जीता तो रोने लगीं

अथौबा ने बताया कि मेरी मां भी यहां मेरे साथ आई हैं। जब मैंने पदक जीता तो वे रोने लगीं। मैंने पदक जीतने के बाद पापा को फोन किया तो वे बोले अभी तुम्हारी तैराकी स्पर्धा बाकी है, उस पर फोकस करो। अथौबा तैराकी में 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले रिले में भी हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे में उनके पास पदकों की हैट्रिक बनाने का भी मौका है।

अथौबा मैतेई

फुटबॉलर पिता से मिला पूरा सपोर्ट

अथौबा के पिता सरुंगबाम जितेन मैतेई एक ठेकेदार का काम करते हैं और कॉलेज स्तर के फुटबॉलर रहे हैं। उन्होंने हमेशा अपने बेटे को खेलों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया। अथौबा ने कहा, मेरे माता-पिता ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। वे मुझे नियमित रूप से ट्रेनिंग के लिए लेकर जाते थे और हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते थे।

बड़ी बहन हैं तैराक

अथौबा की बड़ी बहन सरुंगबाम मार्टिना राष्ट्रीय स्तर की तैराक हैं। मार्टिना ने अपने छोटे भाई को तैराकी के गुर सिखाए। अथौबा ने कहा, ट्रायथलॉन के लिए मेरे पिता ने ही मुझे प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, तुम तैराक अच्छे हो इसलिए ट्रायथलॉन में भाग्य आजमाओ।

यही है जीवन की सचाई : मौत सामने देख जान बचाने की जद्दोजहद करने लगे शिकार और शिकारी

सिवनी. मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के कुरई वन परिक्षेत्र के हरदुली (पिपरिया) गांव में शिकार का पीछा करते एक वयस्क बाघ खेत के कुएं में गिर गया। बाघ जिस शिकार (जंगली सुअर) का पीछा कर रहा था वह भी कुएं में जा गिरा। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने कुएं के पानी में बाघ तथा जंगली सुअर को पानी से बाहर निकलने की जद्दोजहद करते देखा तो हतप्रद रह गए। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी तत्काल वन अधिकारियों को दी। पेंच टाइगर रिजर्व के एसडीओ आशीष पांडेय सहित वन विभाग का अमला पहुंचा और दोनों को कुएं से बाहर निकाला।

पत्रिका पोल

Q क्या चीन-अमेरिका के बीच चल रहे ट्रेड वॉर का फायदा भारतीय कंपनियों को मिलेगा?

कल का सवाल था
क्या तृणमूल और सपा के समर्थन से 'आप' को दिल्ली विधानसभा चुनाव में बढ़त मिलेगी?

जवाब
34% हां 66% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने पूर्वांचलियों से की अपील, दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनाएं
बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

सीएम योगी के इस्तीफा की मांग के बाद संतों में छिड़ा महासंग्राम, महाकुंभ से शंकराचार्य को बाहर करने की मांग
उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

इंडिया @ शॉर्ट रीड

दिल्ली युद्धाभ्यास में दिखाया रण कौशल

नई दिल्ली @ पत्रिका. सेना की त्रिशक्ति कोर ने युद्ध तत्परता, तीव्र तैनाती और सटीक हमला क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए सफलतापूर्वक 'लाइव फायर' अभ्यास किया है। सेना के अनुसार कोर के सैनिकों ने अभ्यास के दौरान विशेष रूप से सिक्किम के अत्यधिक ऊंचाई वाले पहाड़ों में युद्ध की तैयारी की।

बेंगलूरु कैंसर मरीज बने पुलिस अधिकारी

बेंगलूरु. विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर 'एक दिन के पुलिस अधिकारी' के रूप में काम करने वाले कैंसर पीड़ित मरीजों का अभिवादन किया गया।

कश्मीर घाटी में 500 लोग हिरासत में

श्रीनगर @ पत्रिका. दक्षिण कश्मीर में संदिग्ध आतंकियों द्वारा एक सेवानिवृत्त सैनिक की हत्या और उनकी पत्नी तथा भतीजी को घायल करने की घटना के एक दिन बाद, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कश्मीर घाटी से 500 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में बड़ी संख्या में लोग पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित कश्मीरी आतंकियों के रिश्तेदार हैं।

तेलंगाना सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

हैदराबाद @ पत्रिका. तेलंगाना सचिवालय को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। सचिवालय में मुख्यमंत्री कार्यालय सहित अन्य कार्यालय स्थित हैं। पुलिस ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति से बम की धमकी वाला फोन आया। यह कॉल मुख्यमंत्री के जनसंपर्क अधिकारी को की गई। उन्होंने पुलिस को सूचित किया।

मध्यप्रदेश सौरभ व सहयोगी न्यायिक हिरासत में

भोपाल @ पत्रिका. छापों के बाद बेहिसाब संपत्ति के कारण चर्चा में आए परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके दोनों सहयोगियों चेतन गौर तथा शरद को मंगलवार को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए। लोकायुक्त पुलिस ने तीनों को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया था। तब अदालत ने तीनों को चार फरवरी तक लोकायुक्त पुलिस की रिमांड पर सौंप दिया था।

यूपी फतेहपुर में दो मालगाड़ियां टकराईं

फतेहपुर @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में फतेहपुर जिले के खागा रेलवे स्टेशन के निकट मंगलवार को दो मालगाड़ियों की भिड़ंत से एक ट्रेन का इंजन और एक कोच बेपटरी हो गया। हालांकि इस हादसे से हावड़ा-दिल्ली रेलमार्ग पर यात्री गाड़ियों के परिचालन में कोई फर्क नहीं पड़ा। हादसे में दोनों माल गाड़ियों के लोको पायलट घायल हो गए हैं।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

इजरायल सेना की चौकी पर हमला, 6 सैनिक जख्मी

तेल अवीव @ पत्रिका. वेस्ट बैंक के तैसिर में मंगलवार को इजरायली कब्जे वाले इलाके में एक चेकपोस्ट पर हमले में छह इजरायली सैनिक घायल हो गए। जवानों ने हमलावर को मौके पर ही ढेर कर दिया। अभी तक किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब वेस्ट बैंक में इजरायली सेना व्यापक अभियान चला रही है, जिसमें इजरायली सैनिकों ने बुलडोजर से कई मकानों को नष्ट कर दिया है।

दिनदहाड़े गोलीबारी, 10 मरे

स्टॉकहोम. स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम से 200 किलोमीटर पश्चिम में स्थित ओरेब्रो शहर के एक प्रौढ़ शिक्षा केंद्र में गोलीबारी की घटना सामने आई है, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। बचाव सेवाओं से मिली जानकारी के अनुसार, इतनी ही मात्रा में लोगों के घायल होने का भी अनुमान है। पुलिस ने पुष्टि की है कि स्कूल परिसर में एक बड़ा पुलिस अभियान चल रहा है। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी को फिलहाल घातक हथियारों से हमला, हत्या का प्रयास और आगजनी के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि वारदात स्थल से पांच लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि चार की सर्जरी की गई, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हैं।

कर्नाटक की कलह कथा : दोनों प्रमुख दलों में अंदरूनी उठापटक

कांग्रेस में कुर्सी की जंग, भाजपा में येड्डी का दबदबा खत्म करने की

बेंगलूरु @ पत्रिका. कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों दोनों प्रमुख दलों, कांग्रेस और भाजपा, में कलह कथा चल रही है। दोनों दलों को अंदरूनी गुटबाजी की फांस निकालने में पसीना निकल रहा है। कांग्रेस में जहां मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार को बदलने को लेकर बैठकें हो रही हैं तो भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को हटाकर उनके पिता और दिग्गज नेता बीएस येड्डियुरप्पा का दबदबा खत्म करने के लिए पार्टी के ही नेताओं में परस्पर जंग छिड़ी है। दोनों दलों के नेता अपने-अपने पक्ष में बेंगलूरु से दिल्ली तक माहौल तैयार कर रहे हैं।

कांग्रेस: नेता कर रहे लगातार बैठकें, नेतृत्व परिवर्तन की बातें

कांग्रेस में सीएम सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम व प्रदेशाध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच सीएम की कुर्सी के ढाई-ढाई साल के फार्मूले पर अंदरखाने लॉबिंग जारी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सख्त चेतावनी के बाद नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर पार्टी नेताओं की बयानबाजी कुछ थमी जरूर है, लेकिन मौका मिलने पर समर्थक अपने नेता का सीएम पद पर दावा जरूर जता रहे हैं।

चन्नपट्टण विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर की जीत पर मतदाताओं का आभार जताने डीके शिवकुमार पहुंचे, तो उनके समर्थकों ने कामना की कि उनके नेता अगले सीएम बनें। मागड़ी विधायक एचसी बालकृष्ण ने साफ कहा कि शिवकुमार जल्द ही शीर्ष पद पर आसीन होंगे। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान मंत्री सतीश जारकीहोली के समर्थकों ने उन्हें राज्य का सीएम बनने की प्रार्थना की और 'जारकीहोली अगले मुख्यमंत्री' के नारे लगाए।

दलित विधायकों के साथ बैठक कर चुके गृह मंत्री डॉ. जी.परमेश्वर ने कहा है कि सीएम सिद्धरामैया 5 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, आलाकमान ने 30 माह (ढाई साल) की बात नहीं की फिर भी जो फैसला होगा स्वीकार है।

येडियूरप्पा डीके शिवकुमार सिद्धरामैया

भाजपा: नेता बता रहे पार्टी को शुद्ध करने की लड़ाई

भाजपा नेताओं के एक बड़ा वर्ग प्रदेश अध्यक्ष पद से बीवाई विजयेंद्र को हटाने की मांग कर रहा है। वरिष्ठ भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यत्नाल ने कहा कि उनकी लड़ाई पार्टी को शुद्ध करने के लिए है, किसी पद के लिए नहीं। अपनी मांग को लेकर यत्नाल गुट के विधायक रमेश जारकीहोली और कुमार बंगारप्पा दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि असंतुष्ट नेता बुधवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर सकते हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बंगारप्पा ने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष से मुलाकात की, जबकि जारकीहोली ने नड्डा और अन्य नेताओं से मुलाकात की।

कलबुर्गी में पत्रकारों से बातचीत में यत्नाल ने कहा, सभी राष्ट्रीय नेताओं ने हमें बैठक के लिए समय दिया है, इसलिए चिंता न करें। यत्नाल ने कहा, हम वंशवाद की राजनीति को ना कहते हैं। अगर विजयेंद्र को एक बार फिर अध्यक्ष बनाया जाता है, तो मैं अपने बेटे के लिए भी पद की मांग करूंगा। मैं अपने बेटे को भी चुनाव में उतारने के लिए कहूंगा, क्योंकि येडियूरप्पा परिवार के तीन सदस्य पहले से ही राजनीति में हैं।

टीएमसी की मांग

पश्चिम बंगाल का नाम 'बांग्ला' करें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. छह साल बाद तृणमूल कांग्रेस ने फिर पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की मांग की है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान टीएमसी सांसद ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर बांग्ला किया जाए। इसमें राज्य के इतिहास और संस्कृति की छाप है।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने जुलाई 2018 में सर्वसम्मति से राज्य का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन केंद्र ने इस पर अभी तक सहमति नहीं जताई। उन्होंने कहा कि आज कोई पूर्वी पाकिस्तान नहीं है। इसलिए हमारे राज्य का नाम बदलने की जरूरत है।

सुप्रीम राहत : संविदा भर्तियों के चलन की आलोचना

स्वीकृत पदों पर अस्थायी की स्थायी नियुक्ति अनुचित नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि सरकारी विभागों और संस्थानों में स्वीकृत पदों पर लंबे समय से संविदा पर काम कर रहे अस्थायी कर्मचारियों को इस आधार पर नौकरी में नियमित करने से नहीं रोका जा सकता कि उनकी प्रारंभिक नियुक्ति अस्थायी तौर पर की गई थी। कोर्ट ने कर्मचारियों को नौकरी के स्थायी लाभ देने से बचने के लिए सरकारों की ओर से संविदा पर अस्थायी नियुक्तियां करने के चलन की आलोचना भी की। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रसन्ना बी.वराले की बेंच ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद नगर निगम में माली के पद पर 1999 से अस्थायी तौर पर काम कर रहे कर्मचारियों की याचिका पर यह फैसला दिया। कोर्ट ने कहा कि भारतीय श्रम कानून स्थायी प्रकृति के काम वाले पद पर लगातार दैनिक वेतन या संविदा पर कर्मचारी रखने का विरोध करता है। अपीलकर्ता-कर्मचारी वर्षों से स्थायी कर्मचारियों के समान कार्य करते रहे हैं, लेकिन उन्हें उचित वेतन और लाभ से वंचित रखा गया। कोर्ट ने सरकार का यह तर्क भी खारिज कर दिया कि भर्ती पर रोक होने के कारण अस्थायी कर्मियों को नियमित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने नगर पालिका को छह माह में नियमितीकरण प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

हर राज्य में यह समस्या, मिलेगी राहत: पिछले कुछ सालों से राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में सरकारी पदों पर भर्ती नहीं होने से हजारों कर्मचारी लंबे समय से विभागों व संस्थानों में संविदा पर अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। ये कर्मचारी समय-समय पर आंदोलन करते रहे हैं और अदालतों में भी इनके मुकदमे चल रहे हैं।

पुराने फैसले को ढाल नहीं बना सकते

शीर्ष कोर्ट ने निर्णय में कहा कि उमा देवी मामले में 2006 में दिया गया निर्णय दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमितीकरण के लाभों से वंचित करके उनके शोषण को उचित नहीं ठहराता। उमा देवी मामले में कोर्ट ने कहा था कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी स्वीकृत पदों व जरूरी औपचारिकताओं को पूरा किए बिना स्थायी रोजगार का दावा नहीं कर सकते।

जगदलपुर : ठेकेदार के नक्सलियों से जुड़े तार

पत्रकार की हत्या की जांच में एनआइए की हो सकती है एंट्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या को लेकर चल रही एसआइटी जांच में एनआइए की एंट्री हो सकती है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान आरोपियों के नक्सलियों से पैसे के ट्रांजेक्शन और प्रदेश व देश के बाहर प्रॉपर्टी में इनवेस्टमेंट के प्रमाण मिले हैं।

इस मामले में पुलिस को संदेह है कि ठेकेदार के नक्सलियों से संबंध थे। इलाके में हुए निर्माण कार्यों के नाम पर हुए भ्रष्टाचार से प्राप्त धन का उपयोग विदेशों में भी किया गया है। सरकार इस मामले को एनआइए को हैंडओवर करने पर विचार कर रही है।

ठेकेदार की जीएसटी की जांच

पिछले दिनों ठेकेदार की जीएसटी की भी जांच की गई थी, जिसमें करोड़ों की कर चोरी का मामला सामने आया था। नक्सल और टेरर से जुड़े मामलों की जांच एनआइए करती है। साथ ही इस मामले में कई चीजें अन्य राज्यों से भी जुड़ रही हैं। इसी वजह से सेंट्रल की एजेंसी के जरिए मामले में जांच करवाने की तैयारी की जा रही है। नक्सलवाद की आड़ में ठेकेदार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की भी जांच की जाएगी।

राज्य सरकार से इनपुट ले रहा पीएमओ

केंद्र और राज्य सरकार इस मामले की जांच को लेकर गंभीर हैं। इसका कारण है कि बस्तर में नक्सलवाद के आड़ में किए जा रहे भ्रष्टाचार को इस एक मामले के जरिए कड़ा संदेश देना है। बताया जा रहा है कि हत्याकांड के बाद से पीएमओ सीधे राज्य सरकार से मामले में इनपुट ले रहा है। केंद्र और राज्य सरकार अब इस मामले के जरिए बस्तर में पनपते भ्रष्टाचार को कुचलने की तैयारी में है।

तेलंगाना : विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया

पिछड़ा वर्ग और एससी आरक्षण बढ़ाने के विधेयक को मंजूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हैदराबाद. राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण बढ़ाने व अनुसूचित जातियों को ए, बी, सी और डी श्रेणियों में वर्गीकृत करने के लिए दो विधेयकों को मंजूरी दे दी है। विधान सभा का विशेष सत्र सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दो मिनट बाद राज्य विधान सभा के संचालन के लिए स्थगित कर दिया गया। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थाओं में सीटों का आरक्षण और राज्य के अधीन सेवाओं में पदों की नियुक्ति तथा स्थानीय निकायों में सीटों का आरक्षण) विधेयक अब विधानसभा द्वारा पारित किया जाना है। विधेयक में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा।

जाति सर्वेक्षण देश के लिए मॉडल: रेड्डी

सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना ने 50 दिन में जाति सर्वेक्षण पूरा करके एक कीर्तिमान स्थापित किया है, जो देश के लिए एक मॉडल है। तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण से पता चला है कि अनुसूचित जातियां जनसंख्या का 15.43%, अनुसूचित जनजातियां 10.45%, पिछड़ा वर्ग 46.25% और मुस्लिम पिछड़ा वर्ग 10.08% हैं, जिससे कुल पिछड़ा वर्ग जनसंख्या 56.33% हो जाती है।

ट्रेंडिंग न्यूज

गाजा में शांति की कोई गारंटी नहीं: ट्रंप

इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात से पहले अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि गाजा में शांति बने रहने की कोई गारंटी नहीं है। युद्ध रोकने की मांग के बीच ट्रंप का यह बयान अहम है।

यूएनजीए प्रेसिडेंट भारत पहुंचे

संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर चार दिवसीय यात्रा पर भारत में हैं। यात्रा के दौरान यांग का इंफोसिस और भारतीय विज्ञान संस्थान का दौरा करने का कार्यक्रम है।

ट्रंप का कदम बहुत अंहकारी: जर्मनी

जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज ने यूक्रेन को भविष्य में सैन्य सहायता देने के बदले उसके दुर्लभ प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंच की अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की मांग को बहुत अहंकारी और आत्म-केंद्रित बताया है।

निर्देश चिड़ियाघर अंतरराष्ट्रीय सहयोग से सुनिश्चित करें प्रजाति संरक्षण

लुप्तप्राय जानवरों की सूची की समीक्षा करें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. जलवायु परिवर्तन, सिमटती जैव विविधता और बड़ी मात्रा में शिकार के मद्देनजर भारत के चिड़ियाघरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी लुप्तप्राय जानवरों की सूची की समीक्षा करें।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) की एक विशेषज्ञ समिति ने समीक्षा की सिफारिश करते हुए कहा है कि वे संरक्षण लक्ष्यों को हासिल करने में आने वाली बाधाओं की पहचान करते हुए एक कार्ययोजना पेश करें। इन उपायों में वित्तीय सहायता बढ़ाना, भविष्य में उठाए जाने वाले कदम और उचित प्रबंधन भी शामिल होगा। गौरतलब है कि भारत के 43 चिड़ियाघरों में 74 लुप्तप्राय प्रजाति के जीवों को पाला जाता है, जिनमें 62% स्तनधारी, 32% पक्षी और 6% सरीसृप और उभयचर शामिल हैं।

मांगा गया यह ब्योरा

- **10 साल** की संरक्षण प्रजनन रणनीति का विवरण
- **प्रजातियों** के विशेषज्ञों की नियुक्ति
- **भारतीय** चिड़ियाघरों में वैश्विक विशेषज्ञता का समायोजन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आइयूसीएन) जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग का रेखांकन

वैश्विक साझेदारी

अध्ययनों से पता चलता है कि 250 से अधिक संरक्षित जानवरों की संख्या बनाए रखने के लिए अक्सर हजारों किलोमीटर तक फैले 20 या अधिक चिड़ियाघरों के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है। यह आवश्यकता इस अहसास से उत्पन्न होती है कि वन्यजीव संरक्षण, विशेष रूप से प्रजनन कार्यक्रमों के माध्यम से, बदलती पारिस्थितिकी और सामाजिक चुनौतियों के साथ-साथ विकसित होना चाहिए।

आंध्र प्रदेश : वसंत पंचमी पर शुरू होता है उत्सव

गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं ने अर्पित किए एक लाख पेन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अमरावती. आंध्र प्रदेश के एनविल्ली स्थित श्री विघ्नेश्वर स्वामी मंदिर में तीन दिन चले विशेष अनुष्ठान के दौरान एक लाख पेन अर्पित किए गए। वसंत पंचमी पर शुरू होने वाले इस आयोजन में बुद्धि के दाता गणेश और विद्या की देवी सरस्वती की आराधना की गई। इसके बाद अच्छी शिक्षा और उज्जवल भविष्य की कामना के साथ बच्चों को ये पेन बांटे गए। इस अनूठे आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह मंदिर पूर्वी गोदावरी जिले के कोनासीमा क्षेत्र में स्थित है।

'स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।